छोटीबड़ीबात

आज ही के दिन 1999 में विश्व के बडे मीटरवेव रेडियो टेलीस्कोप का पुणे के समीप नारायणगांव में उद्घाटन हुआ था।

दैनिक भास्कर

देश का विश्वसनीय अखबार

झाँसी| वर्ष-72, अंक-15 | सोमवार 30 नवंबर 2020 | कुल पृष्ठ 8 | मूल्य 2.50

dainikbhaskarup.com

ओंकार सतनाम ही एक अटल सत्य पेज 6›

'बच्चन पांडे' में गैंगस्टर बनेंगे अक्षय कुमार पेज 7›

सारसुर्खियां

तमिलनाडु में निवार से छह की जान गई

तिरुपति। तमिलनाडु के तट पर पिछले सप्ताह टकराने वाले चक्रवाती तूफान निवार ने अब तक चित्तूर जिले के 21 मंडलों को 245 गांवों को प्रभावित किया है। इसमें छह लोगों की मौत हो गई। वहीं, मूसलाधार वर्षा से 245 मकान क्षतिग्रस्त हो गए। जबकि 658 हेक्टेयर कृषि भूमि और 1729.52 हेक्टेयर रोपण भूमि बर्बाद हो गई। बारिश के कारण 543.8 किलोमीटर लंबी सड़कें और 10.82 करोड़ रुपये की शहरी संपत्तियां क्षतिग्रस्त हो गई। 8012 भेड़, बकरियां और मुर्गे मारे गए हैं।

आज भारत में नहीं दिखेगा चंद्र ग्रहण

उज्जैन। मध्यप्रदेश के उज्जैन की शासकीय वेधशाला के अधीक्षक डॉ रामप्रकाश गुप्त ने बताया है कि 30 नवंबर को होने वाला चंद्रग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। चंद्रग्रहण दोपहर में 12:00 बज कर 59 मिनट 9 सेकंड पर शुरू होगा और इसके मध्यकाल की स्थिति दोपहर 3 बजकर 12 मिनट 9 सेकंड रहेगा, जबकि इसका समापन शाम को 5 बजकर 25 मिनट 9 सेकंड पर होगा। प्रतिच्छाया ग्रहण चंद्रमा का कोई भाग पृथ्वी की वास्तविक छाया से नहीं लगता है। यह पृथ्वी के उप छाया वाले हिस्से से गुजरता है।

अभिनेता राहुल रॉय को ब्रेन स्ट्रोक, भर्ती

मुंबई। सुपरहिट म्यूजिकल ड्रामा फिल्म 'आशिकी' से मशहूर हुए अभिनेता राहुल रॉय को ब्रेन स्ट्रोक आया है। रविवार को उन्हें मुंबई के नानावटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राहुल रॉय श्रीनगर में फिल्म 'कारगिल' की शूटिंग कर रहे थे। शूटिंग काफी ऊंचाई में हो रही थी। जिससे टीम के अन्य सदस्यों को भी सांस लेने में दिक्त हो रही थी। डॉक्टरों का कहना है कि राहुल के दिमाग के बाएं हिस्से में खून के थक्के जम गए हैं। उन्हें ठीक होने में अभी समय लगेगा।

धर्मगुरु दलाई लामा का दीदार अभी नहीं

शिमला। तिब्बती धर्मगुरू दलाई लामा 31 दिसंबर तक अपने धर्मशाला स्थित मैक्लोडगंज निवास पर ही रहेंगे। इस दौरान उनसे मिलने-जुलने की किसी को इजाजत नहीं होगी। तिब्बती धर्मगुरू मार्च से ही मैक्लोडगंज स्थित अपने अस्थायी निवास स्थान पर हैं। कोविड-19 के प्रकोप के बीच फरवरी माह में ही दलाई लामा से मिलने पर पाबंदी लगनी शुरू हो गई थी। उनकी सेवा में 18 लोग तैनात हैं जो वहीं रहते हैं। अन्य किसी को वहां जाने की अनुमति नहीं है।

हैदराबाद को निजाम संस्कृति से दिलाएंगे मुक्तिः शाह

हैदराबाद में रोड शो के दौरान उमड़े समर्थकों का हाथ हिलाकर अभिवादन करते शाह।

- **भ्रष्टाचार से पारदर्शिता की ओर ले जाने का किया वादा**

हैदराबाद। ग्रेटर हैदराबाद में निकाय चुनाव को लेकर भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। रविवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने यहां रोड शो कर भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने का प्रयास किया। शाह ने कहा कि हैदराबाद को निजाम संस्कृति से मुक्ति दिलाएंगे। साथ ही हैदराबाद को भ्रष्टाचार से पारदर्शिता की ओर ले जाने का वादा भी किया।

रोड शो से पहले अमित शाह ने चारमीनार के पास भाग्यलक्ष्मी मंदिर में पूजा-अर्चना भी कर शाह ने कहा कि मां भाग्यलक्ष्मी का आशीर्वाद लिया और तेलंगाना के लोगों की सुख समृद्धि की कामना की। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अमित शाह को सीताफलमंडी तक रोड शो करना था, लेकिन समय की कमी के कारण इस रोड शो को छोटा करना पड़ा। जय श्री राम के जयकारों के बीच हुए रोड शो के बाद भाजपा कार्यालय में उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस करते हुए केसीआर और ओवैसी पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि इस बार हैदराबाद का मेयर भाजपा का ही होगा और पार्टी बहुमत हासिल करेगी। रोड शो में अपार स्नेह के लिए सिकंदराबाद का शुक्रिया। यह जबरदस्त समर्थन दर्शाता है कि तेलंगाना के लोगों का प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा पर पूरा विश्वास है। उन्होंने कहा कि हम हैदराबाद को नवाब, निजाम संस्कृति से मुक्त करने और यहां एक नया मिनी-इंडिया बनाने जा रहे हैं। हम हैदराबाद को एक आधुनिक शहर बनाना चाहते हैं, जो निजाम की संस्कृति से मुक्त होगा। आज यहां कोई भी गरीब बीमार होता है तो उसे मुफ्त इलाज का लाभ नहीं मिलता। प्रधानमंत्री हैदराबाद के लोगों ने लिए आयुष्मान भारत योजना लाए, ताकि गरीबों को साल में पांच लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज का लाभ मिल सके, लेकिन राजनीतिक लाभ की वजह से इस योजना को हैदराबाद में लागू नहीं होने दिया गया। हम देश के राजनीतिक विमर्श को वंशवाद से लोकतांत्रिक की ओर ले जाना चाहते हैं। हम राज्य को भ्रष्टाचार से पारदर्शिता की ओर ले जाना चाहते हैं।

टीआरएस व मजलिस आईटी हब बनने में रोड़ा

शाह ने कहा कि पीएम मोदी ने युवाओं के लिए बहुत सारे अवसर पैदा किए हैं और यह विदेशी निवेशकों द्वारा भारत में दिखाए गए विश्वास को दर्शाता है। प्रधानमंत्री ने 'कहीं से भी काम करें' का रास्ता खोल दिया है। हैदराबाद में काम करने वाले आईटी पेशेवरों को इस कदम से सबसे अधिक फायदा होने वाला है। हैदराबाद में जिस प्रकार का कॉरपोरेशन टीआरएस और मजलिस के नेतृत्व में चला है, वो हैदराबाद को विश्व का आईटी हब बनाने में सबसे बड़ा रोड़ा है।

मजलिस के इशारों पर होते हैं अवैध निर्माण

शाह ने कहा कि बारिश में हैदराबाद में पानी भरने से करीब 60 लाख लोग परेशान हुए। मजलिस के इशारों पर अवैध निर्माण होता है, इससे पानी की निकासी रुकती है। केसीआर और मजलिस ने 100 दिन की योजना का वादा किया था, इसका हिसाब हैदराबाद की जनता मांगती है।

दूर हो रहीं 'अन्नदाता' की परेशानी

नए कृषि सुधार कानूनों से किसानों को मिले नए अधिकार, नई संभावनाओं के द्वार खुले

- **पीएम मोदी ने गिनाए नए कृषि कानून के फायदे**

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृषि सुधार कानूनों का रविवार को बचाव करते हुए कहा कि इन कानूनों से किसानों के लिए न केवल नए अधिकार मिले और नई संभावनाओं के द्वार खुले हैं, बल्कि बहुत कम समय में किसानों की परेशानियां भी दूर होने लगी हैं।

मोदी ने 'मन की बात' में कहा कि काफ़ी विचार विमर्श के बाद संसद ने कृषि सुधारों को कानूनी स्वरुप दिया। इन सुधारों से किसानों के अनेक बंधनों से मुक्त कर दिया है। बरसों से किसानों की जो मांग थी, वे पूरी हुई हैं। महाराष्ट्र के धुले जिले के किसान जितेन्द्र भोइजी को मिले लाभ का जिक्र करते हुए कहा कि इन अधिकारों ने बहुत ही कम समय में किसानों की परेशानियों को कम करना शुरू कर दिया है।

किसान से फसल खरीद लो, महीनों भुगतान न करो, संभवतः मक्का खरीदने वाले बरसों से चली आ रही परंपरा को निभा रहे थे। इसी तरह चार महीने तक जितेन्द्र भोइजी का भुगतान नहीं हुआ। इस स्थिति में नया कृषि कानून जितेंद्र के काम आया और उनको इसका फायदा भी हुआ। जब ऐसे कानून की ताकत हमारे किसान भाई के पास थी, तो, उनकी समस्या का समाधान तो होना ही था, उन्होंने शिकायत की और चंद ही दिनों में उनका बकाया चुका दिया गया।

तीन दिन के भीतर फसल का भुगतानः प्रधानमंत्री ने कहा कि कृषि कानूनों में यह तय किया गया है कि फसल खरीदने के तीन दिन के भीतर किसान को पूरा भुगतान करना होगा। यदि भुगतान नहीं होता है, तो, किसान शिकायत दर्ज कर सकता है। यह प्रावधान भी है कि एसडीएम को एक माह में ही किसान की शिकायत का निपटारा करना होगा।

कोरोना पर लापरवाही अब भी घातक

मोदी ने कहा कि कोरोना से बीता साल खुशी से याद नहीं किया जाएगा और जब तक टीका नहीं आ जाता, तब तक किसी भी तरह की लापरवाही बहुत घातक हो सकती है। हम अलग-अलग, भांति-भांति के अनेक विषयों पर बात करते हैं, लेकिन एक ऐसी बात को भी एक साल हो रहा है, जिसको हम कभी खुशी से याद नहीं करना चाहेंगे। तब से लेकर अब तक पूरे विश्व ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। कोरोना को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही अब भी बहुत घातक है। हमें कोरोना के खिलाफ लड़ाई को मज़बूती से जारी रखना है।

संस्कृति प्रदान कर रही है भावनात्मक ऊर्जा

प्रधानमंत्री ने कोविड-19 जैसे वैश्विक संकट काल से निपटने में संस्कृति की भूमिका को अहम बताते हुए कहा कि लोगों तक तकनीक के माध्यम से भावनात्मक ऊर्जा पहुंचाने के लिए भारत की सांस्कृतिक धरोहरों को डिजीटल प्लेटफॉर्म पर लाया जा रहा है। वाराणसी के एक मंदिर से सौ साल पहले चोरी हुई देवी अन्नपूर्णा की प्राचीन प्रतिमा कनाडा से वापस आने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आपदा में संस्कृति बड़े काम आती है, इससे निपटने में अहम भूमिका निभाती है। तकनीक के माध्यम से भी संस्कृति, एक, भावनात्मक ऊर्जा की तरह काम करती है।

गुरु नानक के संदेश से विश्व प्रभावित

मोदी ने गुरु नानक देव के 551वें प्रकाश पर्व के मौके पर उन्हें श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए कहा कि कनाडा से न्यूजीलैंड तथा सिंगापुर से दक्षिण अफ्रीका तक गुरु नानक देव के संदेश मानव समाज को ज्ञान के प्रकाश से आलोकित कर रहे हैं। बीते कुछ वर्षों में कई अहम पड़ाव आये और एक सेवक के तौर पर हमें बहुत कुछ करने का अवसर मिला। गुरु साहिब ने हमसे सेवा ली। मुझे महसूस होता है, कि, गुरु साहब की मुझ पर विशेष कृपा रही जो उन्होंने मुझे हमेशा अपने कार्यों में बहुत करीब से जोड़ा है।

किसानों ने ठुकरा दी गृह मंत्री अमित शाह की अपील

- **एक दिसंबर से राज्यों में किया जाएगा प्रदर्शन**

नई दिल्ली। नए कृषि कानूनों को लेकर दिल्ली की सीमा पर डटे किसान संगठनों ने सरकार की बातचीत की अपील ठुकरा दी है और एक दिसंबर से सभी राज्यों में विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है।

विरोध कर रहे किसान संगठनों के संयुक्त मंच अखिल भारतीय किसान संघर्ष समन्वय समिति ने रविवार को कहा कि सरकार को उच्च स्तर पर किसानों से बातचीत करनी चाहिए। किसानों ने एक दिसंबर से सभी राज्यों में भी विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया है। शनिवार देर शाम केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने किसानों से बातचीत करने की अपील करते हुए कहा था कि तीन दिसंबर को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर किसान संगठनों के साथ बैठक करेंगे। बयान में कहा गया है कि किसान एकजुट हैं और एक सुर में केंद्र सरकार से तीन किसान विरोधी, जनविरोधी कानूनों और तथा बिजली विधेयक 2020 की वापसी की मांग कर रहे हैं। किसान शांतिपूर्वक व संकल्पबद्ध रूप से दिल्ली पहुंचे हैं और अपनी मांग हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पंजाब और हरियाणा से भारी संख्या कुसान में सिंघु और टिकरी बार्डर पर पहुंच रहे हैं। उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के किसानों की गोलबंदी भी सिंघु बार्डर पर हो रही है।

किसानों का आरोप है कि सरकार ने उनकी मांगों और सवालों पर कोई ध्यान नहीं दिया है। सरकार की कार्यप्रणाली ने अविश्वास और भरोसे की कमी पैदा की है।

नहीं होगा रेलवे का निजीकरणः गोयल

- **विकास के लिये निजी भागीदारी का विकल्प**

अलवर। केंद्रीय रेल मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि रेलवे का निजीकरण नहीं किया जाएगा। भारतीय रेल जनता की है और जनता की ही रहेगी।

पीयूष गोयल ने रविवार को अलवर जिले के डिगावडा में बांदीकुई तक 34 किलोमीटर के रेल ट्रैक का विद्युतीकरण का उद्घाटन करने के बाद कहा कि भारतीय रेल का निजीकरण नहीं किया जाएगा। इतने सालों से जो रेल का विकास होना चाहिए वह अभी तक नहीं हुआ है। इसलिए भारतीय रेल पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत भागीदारी की जा रही है। जिस स्थिति में रेल का विकास होना चाहिए था, वह अभी तक नहीं हुआ है। अगर भारतीय रेलवे इसको 50 लाख करोड रुपए खर्च करें तब जाकर रेल का विकास हो, इसलिए प्राइवेट भागीदारी का विकल्प चुना गया है। अगर कोई निजी ट्रेन चलाता है तो रेलवे का विकास ही होगा और जनता को सुविधाएं मिलेंगी। कोरोना काल में ट्रेनों की संख्या को लेकर कहा कि ट्रेनों की संख्या डिमांड के आधार पर तय की जा रही है। कोरोना महामारी को लेकर रेलवे जल्दी में नहीं है। हालात को देखते हुए ट्रेनों को चलाने का निर्णय लिया जा रहा है।

डीएमआईसी प्रोजेक्ट में काफी तेजी

डीएमआईसी प्रोजेक्ट को लेकर गोयल ने कहा कि यह प्रोजेक्ट काफी तेज गति से चल रहा है और डेडीकेटेड फ्रंट कॉरिडोर प्रोजेक्ट की खुद हर सोमवार को मॉनिटरिंग करते हैं। यह कॉरिडोर जून 2022 में से पहले तैयार हो जाएगा। वर्ष 2022 में 15 अगस्त को जब भारत आजादी की 75 की वर्षगांठ मनाएगा उससे पहले यह कॉरिडोर शुरू हो जाएगा।

भारत में 88 लाख मरीज कोरोनामुक्त

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण के नए मामलों की रफ्तार दूसरे दिन भी धीमी रही और स्वस्थ होने वालों मरीजों की संख्या बढ़ने से सक्रिय मामले कम हुए और इसकी दर 4.83 पर आ गई।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटे में 41,810 नए मरीज मिले और कुल संक्रमित 93.92 लाख हो गए। 42,298 मरीज स्वस्थ हुए, जिससे इनकी तादाद 88 लाख हो गई। सक्रिय मामलों में 984 की गिरावट के साथ यह संख्या 4.53 लाख पर आ गई। इसी अवधि में 984 और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 1,36,696 हो गया है।

नई दिल्ली के बुराड़ी मैदान में रविवार को प्रदर्शन करते पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसान। एजेंसी

मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह ने किया 64 .12 करोड़ की लागत के ड्रीम प्रोजेक्ट का लोकार्पण, पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

सूर्याधार बांध से पैदा होंगे रोजगार के अवसरः त्रिवेंद्र

- **18 गांवों को होगा लाभ बढ़ेगा सिंचाई का रकबा**

भास्कर समाचार सेवा

डोईवाला। थानों न्याय पंचायत के सिल्ला चौकी मे जाखन नदी पर 64.12 करोड़ की लागत से बने सूर्यधार बांध परियोजना का रविवार को मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने जनता को समर्पित करते हुए उसका लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से दीर्घ काल तक पेयजल की समस्या का समाधान हो गया है। भविष्य में इसके माध्यम से रोजगार के तमाम अवसर पैदा होंगे।

रविवार को स्व. गजेंद्र दत नैथानी सूर्यधार बांध परियोजना का मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ लोकार्पण किया। पंडित सत्य प्रकाश तिवारी ने पूजा अर्चना संपन्न कराई।

बांध के लोकापर्ण के बाद सूर्यधार झील में बोटिंग का लुत्फ उठाते मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बांध के बनने से 18 गांवों की बहुसंख्यक आबादी को 75 साल तक ग्रेवीटी पानी मिलेगा। साथ ही सिंचाई का रकबा चार गुना तक बढ़ जाएगा। बांध परियोजना से रोजगार के तमाम अवसर पैदा होंगे, जिसका लाभ स्थानीय लोगों के साथ ही प्रदेश के युवाओं को भी मिलेगा। उन्होंने प्रत्येक वर्ष यहां पर महोत्सव आयोजित करने की बात भी कही। सीएम ने मार्च 2021 में सौंग नदी पर भी पुल के निर्माण का कार्य शुरू करने की बात कही।

इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। लोकार्पण के अवसर पर वन पंचायत सलाहकार परिषद के उपाध्यक्ष करन बोरा दर्जाधारी खेम सिंह पाल, ओएसडी धीरेंद्र सिंह पंवार, सिंचाई विभाग के एचओडी मुकेश मोहन, अधिशासी अभियंता वीके सिंह, ग्राम प्रधान धर्मपाल, नरदेव सिंह पुंडीर, विक्रम सिंह तोपवाल, सरिता जोशी, हिमांशु राणा, राजन गोयल, संपूर्ण सिंह रावत, ईश्वर रौंथाण, भारत गुप्ता आदि लोग मौजूद थे।

कुमाऊं विवि को क्यूएस एशिया रैंकिंग में स्थान

नैनीताल। कुमाऊं विवि को एशिया विश्वविद्यालय रैंकिंग में 551-600 से बीच का स्थान मिला है, जबकि भारतीय विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में 81-85 के बीच स्थान प्राप्त हुआ है। विवि की इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अन्य अधिकारी गौरवान्वित हैं।

एशिया-विशिष्ट संस्करण के लिए विगत 23 नवंबर को 11 प्रमुख मापदंडों के आधार पर एशिया के विश्वविद्यालयों के प्रदर्शन की तुलना की गई, जिसमें शैक्षिक स्थिति, स्नातक रोजगार, अनुसंधान गुणवत्ता, वेब उपस्थिति, परिसर के अंतर्राष्ट्रीयकरण, अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान नेटवर्क और प्रत्येक संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की विविधता को शामिल किया गया। किसी संस्थान की समग्र रैंकिंग तय करने के लिए इन प्रमुख मापदंडों के प्रदर्शन को आधार बनाया गया।

बरेली में 'लव जिहाद' की पहली एफआईआर दर्ज

- **आरोपी की तलाश में बनाई गईं चार टीमें**

बरेली। राज्यपाल के हस्ताक्षर के बाद रविवार से लव जिहाद का नया कानून लागू होने के बाद उत्तर प्रदेश में सबसे पहले बरेली जिले के देवरनियां थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि दूसरे धर्म का युवक धर्म परिवर्तन का दबाव बनाकर निकाह करना चाहता था।

एसएसपी रोहित सिंह सजवाण ने बताया देवरनियां थाने में दी गई तहरीर में कहा गया है कि गांव में रहने वाला उवैश अहमद द्वारा टीका राम की बेटी को फुसलाकर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया जा रहा है। इसी आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

युवती के परिजनों के मुताबिक उवैश और उनकी बेटी एक ही कॉलेज में पढ़ते हैं। उवैश एक साल से लगातार बेटी पर दबाव डाल रहा था कि वह धर्म परिवर्तन कर उसके साथ निकाह कर ले। बदनामी के डर से शुरू में वह इस मामले को टालती रही, लेकिन बाद में विरोध किया तो उवैश अपहरण की धमकी देने लगा। फिर बेटी ने यह बात परिजनों को बताई। इसके बाद उवैश आए दिन बेटी के साथ अभद्रता करता रहा। परेशान होकर बेटी की शादी कर दी गई।

युवती के पिता का कहना है कि बीते शनिवार को उवैश घर आया और बेटी को ससुराल से घर बुलाने और धर्म परिवर्तन करा उससे निकाह की कराने का दबाव डालने लगा। पुलिस ने आरोपी की तलाश के लिये चार टीमें बनाई हैं और गिरफ्तारी के लिये दबिश शुरू कर दी गई हैं।

खुद के लिये जीनेवाले की ओर कोई ध्यान नहीं देता पर जब आप दूसरों के लिये जीना सीख लेते हैं तो वे आपके लिये जीते हैं।
- श्री परमहंस योगानंद

वाहन चलाते समय रखें विशेष सावधानी-मधुसूदन

यातायात प्रभारी ने छात्र-छात्राओं को बताए यातायात के नियम मास्क पहनने व सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने पर भी दिया जोर

बांदा। वाहन चलाते समय यातायात नियमों की अनदेखी बिल्कुल न करें। जरा सी अनदेखी में कोई बड़ी अनहोनी हो सकती है। इसलिए वाहन चलाते समय हेलमेट व सीट बेल्ट का प्रयोग अनिवार्य रूप से करें। उक्त यह अपील यातायात प्रभारी ने आयोजित कार्यक्रम के तहत छात्र-छात्राओं से की। साथ ही उन्होंने मास्क पहनने व आपस में सोशल डिस्टेंस बनाए रखने पर भी जोर दिया।

पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ शंकर मीना के निर्देशन मनाए जा रहे यातायात माह नवंबर के क्रम में लोगों को जागरूक करने, सीट बेल्ट एवं हेलमेट धारण करने के साथ-साथ व्याप्त वैश्विक महामारी कोरोना के बचाव हेतु शासन द्वारा जारी की गई गाइड लाइन तथा मास्क एवं सोशल डिस्टेंसिंग संबंधी अनुपालन कराए जाने के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक महेंद्र सिंह चैहान तथा क्षेत्राधिकारी यातायात आलोक मिश्रा के पर्वेक्षण में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों के स्कूल/कॉलेजों में छात्र-छात्राओं के माध्यम से उनके सगे-संबंधियों तथा जान-पहचान वालों को सड़क सुरक्षा के नियमों के बारे में बताने तथा सीट बेल्ट एवं हेलमेट धारण कर वाहन चलाने की अपील की जा रही है। इसी श्रृंखला में रविवार को यातायात प्रभारी मधुसूदन शुक्ला द्वारा थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के इंदिरानगर स्थित संत तुलसी पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा की जानकारी दी गई तथा साथ ही यातायात के नियमों को पालन करने की भी अपील की गई। छात्र-छात्राओं को कोरोना से बचाव के बारे में भी बताए गए। छात्र-छात्राओं को अपने परिवार, सगे-संबंधी, मोहल्ले-पड़ोस के वो लोग जो बिना हेलमेट मोटरसाइकिल चलाते है तथा कार में चलते समय सीट बेल्ट धारण नही करते है ऐसे लोगों को जागरूक करने तथा दुर्घटनाओं से बचने की जानकारी देने हेतु कहा गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक डॉ0 संत कुमार गुप्ता, संरक्षक डॉ. चंदसौरिया एवं पूर्व चेयरमैन राजकुमार राज उपस्थित रहे।

संबोधित करते यातायात प्रभारी व उपस्थित छात्र-छात्राएं

किशोर सहित पांच फिर मिले कोरोना संक्रमित

आयुक्त ने पुष्टि कर दी जानकारी

बांदा। जिले में कोरोना संक्रमितों की संख्या में एक बार फिर इजाफा हुआ है। रविवार को आई रिपोर्ट में किशोर सहित पांच कोरोना संक्रमित पाए गए है। इस आशय की जानकारी मंडलायुक्त गौरव दयाल ने दी है। साथ ही उन्होंने चिकित्सकों को संक्रमितों के समुचित उपचार के निर्देश दिए है।

प्राप्त रिपोर्ट में किशोर सहित 5 कोरोना के नए केस सामने आए है। जानकारी देते हुए कमिश्नर गौरव दयाल ने बताया कि जनपद में अब सक्रिय मरीजों की संख्या में बढ़ोत्तरी को देखते हुए पुख्ता इंतजाम के निर्देश उनके द्वारा अधिकारियों को दिए गए है। इधर कोरोना मरीज मिलने के बाद जिलाधिकारी आनंद कुमार सिंह व एसपी सिद्धार्थ शंकर मीना ने इलाके को हॉटस्पॉट करा दिया है। बैरिकेडिंग की मदद से रास्ताओं को बंद कराने के बाद सुरक्षा कर्मियों को तैनात कर दिया गया है। जिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि संक्रिमित मरीजों के संपर्क में आए लोगों को भी क्वारंटाइन कराया जाए। साथ ही पूरे मुहल्ले को सैनिटाइज कराए जाने के साथ-साथ घर-घर थर्मल स्क्रीनिंग कराई जाए। इसके साथ ही संक्रमितों के सम्पर्क में जो भी व्यक्ति आए हो उन्हें चिन्हित कर कमिश्नर ने जांच कराए जाने के लिए निर्देशित किया है। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिए है कि संक्रमितों के मोहल्लों में सैनिटाइज कराए जाने के साथ-साथ घर-घर थर्मल स्क्रीनिंग भी कराई जाए। कहा कि इस कार्य में बिल्कुल लापरवाही न बरतें। साथ ही कमिश्नर ने संक्रमितों के सम्पर्क में आए लोगों से अपील की है कि वह खुद भी स्वैच्छा से जांच करा लें। इधर चिकित्सकों को निर्देश देते हुए कमिश्नर ने कहा कि संक्रमितों की देखभाल के लिए जरा भी लापरवाही न बरती जाए। उपचार के साथ उनका निरंतर ख्याल रखा जाए।

दुर्घटना में अधिवक्ता की हुई मौत

चपेट में आकर सहायक रजिस्ट्रार हुआ जख्मी

बांदा। इनोवा व अल्टो की भिडंत में जहां अधिवक्ता की मौत हो गई। वहीं सहायक रजिस्ट्रार गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां हालत नाजुक देख डॉक्टरों ने घायल को कानपुर के लिए रिफर कर दिया है।

मूलरूप से हमीरपुर जिले के सुमेरपुर थाना क्षेत्र के इंगोहटा गांव निवासी जगदीश प्रसाद प्रयागराज हाईकोर्ट में सहायक रजिस्ट्रार हैं। वह पड़ोसे में रहने वाले अधिवक्ता कालिंदीपुर राजरूपपुर निवासी 45 वर्षीय अजय कुमार की आल्टो कार से गांव जा रहे थे। टोलागांव के पास सुबह सामने से आ रही इनोवा कार से उनकी कार की सीधी टक्कर हो गई। ग्रामीणों ने घायलों को क्षतिग्रस्त कार से बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। पुलिस घायलों को बबेरू सीएचसी ले गई, जहां से अधिवक्ता अजय और जगदीश प्रसाद को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। इनोवा कार सवार कानपुर के यशोदा नगर निवासी बबलू का प्राथमिक उपचार किया गया। जिला अस्पताल पहुंचने से पहले अजय कुमार ने दम तोड़ दिया।

ट्रामा सेंटर में तैनात ईएमओ डाक्टर अभिषेक प्राणायामी ने उन्हें मृत घोषित कर दिया और जगदीश प्रसाद को गंभीर हालत में कानपुर रेफर किया है।

सीसीटीएनएस कर्मियों को दिया गया"बीट प्रहरी एप्प" का प्रशिक्षण

महोबा। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन में एवं नोडल अधिकारी सीसीटीएस अपर पुलिस अधीक्षक आर0के0 गौतम के पर्यवेक्षण में पुलिस कार्यालय सभागार में का0आ0 रहमान रशीद द्वारा जनपद के थानों में नियुक्ति सीसीटीएनएस आरक्षियों/का0आ0 को "बीट प्रहरी एप्प" का प्रशिक्षण दिया गया । जिसमें बताया गया कि बीट प्रहरी एप्प तकनीकी मुख्यालय द्वारा बीट पुलिस कर्मी और पुलिस अधिकारियो के बीच समन्वय बेहतर बनाने की उद्देश्य से बनाया गया है । बीट पुलिस एप्प की मदद से त्वरित चरित्र सत्यापन /कर्मचारी सत्यापन आदि का निस्तारण एवं समन/वारंट का तामीला, हिस्ट्रीशीटर सत्यापन/लाइसेंस सत्यापन कर सकते है । इस एप्प के माध्यम से थाना प्रभारी व अरक्षीगण एक दूसरे को महत्वपूर्ण सूचनाएं त्वरित प्रदान कर सकते है ।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम आकर्षा गुप्ता से बदलकर तान्या गुप्ता कर लिया है। मुझे आगे इसी नाम से जाना जाये।

तान्या गुप्ता
पुत्री श्री मिथलेश कुमार
पटेल नगर कोंच
(जालौन)

शोक जताया

गुरसराय। मजदूर सेवा संस्थान कार्यालय में एक शोक सभा संपन्न हुई जिसकी अध्यक्षता करते हुए मजदूर सेवा संस्थान के संस्थापक पत्रकार रामकुमार सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें मोहल्ला धनाई निवासी सलीम खान का अल्प आयु में निधन हो जाने पर शोक सभा की गई शोक सभा में अध्यक्ष पत्रकार अंकित सेंगर कौशल किशोर सहित मजदूर सेवा संस्थान के पदाधिकारी मौजूद रहे।

सीओ सिटी ने कोविड़-19 के प्रति राहगीरों को किया जागरुक

यातायात माह" के तहत किये गये 83ई-चालान

महोबा। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन में कोविड-19 का पालन कराये जाने तथा "यातायात माह"यातायात नियमो का उल्लंघन करने वालो के विरुद्ध चलाये जा रहे संघन चेकिंग/जागरुकता अभियान के तहत जनपद के समस्त थाना क्षेत्रो में चेकिंग की गई । जिसके तहत कोविड-19/यातायात नियमो के उल्लंघन पर समस्त थानो द्वारा कोविड-19 के तहत 13 व्यक्तियों से 1800/-रू0 जुर्माना वसूला गया तथा यातायात नियमो के उल्लंघन पर 83ई-चालान भी किया गया । इसी क्रम में क्षेत्राधिकारी नगर कालू सिंह कि अगुवाई में यातायात उप निरीक्षक अरविन्द मिश्रा एवं प्रभारी निरीक्षक खन्ना के साथ मय पुलिस बल खन्ना टोलप्लाजा में बिना नम्बर प्लेट कि गाडियों को चेक किया गया। जागरुकता अभियान के तहत लोगो को नोवल कोरोना वायरस के प्रति लोगो को जागरूक करते हुए घरो में सुरक्षित रहने तथा मास्क का शत-प्रतिशत प्रयोग करने व सोशल डिस्टेन्स (02 गज की दूरी) बनाये रखने की अपील की गई, जिससे संक्रमण को फैलने से रोका जा सके।

कार्तिक पूर्णिमा पर यमुना स्नान का है बड़ा ही महत्व

हजारों श्रद्धालु यमुना स्नान करने आते हैं कालपी

कार्तिक पूर्णिमा पर यमुना के घाटों की नहीं कराई गई साफ सफाई

कालपी। कार्तिक पूर्णिमा के स्नान का सनातन धर्म में बड़ा महत्व है इस दिन हजारों की संख्या में कालपी व आसपास के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु यमुना स्नान करने कालपी के किला घाट व पीला घाट आते हैं तथा यमुना नदी में स्नान करते है। नगर पालिका द्वारा हर वर्ष इन घाटों की कार्तिक पूर्णिमा के पूर्व साफ सफाई व अन्य व्यवस्थाएं कराई जाती थी जो इस बार देखने को नहीं मिल रही।

कार्तिक पूर्णिमा का सनातन धर्म मैं यमुना नदी में स्नान का बड़ा ही महत्व माना गया है हालांकि कार्तिक माह में पूरे महीने काफी संख्या में महिलाएं यमुना नदी में स्नान करती हैं तथा कार्तिक पूर्णिमा के दिन विशेषकर काफी संख्या में लोग यमुना नदी में स्नान करने आते हैं। बहुत से लोग कार्तिक पूर्णिमा को देव दीपावली के रूप में भी मनाते हैं। शास्त्रों के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा के दिन विष्णु भगवान ने अपना पहला अवतार मत्स्य अवतार के रूप में लिया था तथा प्रलय काल के दौरान वेदों की रक्षा की थी। कार्तिक मास की पूर्णिमा तिथि को त्रिपुरासुर का वध भी हुआ था तथा तीनों लोको को त्रिपुरासुर के भय से मुक्त किया गया था उस दिन से ही देवता हर वर्ष कार्तिक पूर्णिमा को भगवान शिव के विजय पर्व के रूप में मनाने लगे हैं तथा सभी देव दीपक जलाकर इस दिन का स्वागत करते हैं। कार्तिक पूर्णिमा पर यमुना नदी में स्नान का एक बड़ा ही अपना महत्व है इस दिन प्रातः 4:00 बजे से ही हजारों की संख्या में लोग यमुना नदी के तट पर आकर स्नान करके भगवान शंकर एवं विष्णु जी की आराधना करते हैं।

पूर्व में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर नगर पालिका प्रशासन द्वारा घाटों की साफ सफाई एवं वहां की व्यवस्था का इंतजाम पहले से कराया जाता रहा है लेकिन इस बार घाटों पर ना तो साफ सफाई कराई गई और ना ही घाटों की मरम्मत आदि का काम कराया गया। हालांकि कोतवाली प्रभारी निरीक्षक शिव गोपाल सिंह ने बताया की कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर यमुना नदी के घाटों पर पुलिस फोर्स की तैनाती की जाएगी तथा किसी प्रकार की कोई दुर्घटना ना हो उसके लिए ग्रामीण क्षेत्र के कुछ तैरोको को भी व्यवस्था की जाएगी।

विधान परिषद चुनाव के लिए समर्थकों ने झोकी ताकत

कालपी। झांसी - इलाहाबाद खंड स्नातक विधान परिषद चुनाव के अंतिम दौर में विभिन्न दलों के उम्मीदवारों समर्थकों ने ताकत झोक कर मतदाताओं से संपर्क करके प्राथमिकताएं गिनाई है । भाजपा प्रत्याशी डॉ यज्ञ दत्त शर्मा के पक्ष में क्षेत्रीय विधायक डॉ नरेंद्र सिंह जादौन,नगर पालिका पूर्व चेयरमैन प्रतिनिधि नवीन गुप्ता,भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष राजन सिंह चौहान नगर अध्यक्ष अमित पांडेय,अतुल सिंह चौहान,सुरजीत सिंह,आदि कार्यकर्ताओं ने मतदाताओं से जनसंपर्क करके भाजपा सरकार की उपलब्धियां बताई।

वहीं, समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी मान सिंह के समर्थन में नगर अध्यक्ष हाजी अजमत खान, हरमोहन सिंह यादव, मलखान सिंह यादव, अफ़जल खान गुड्डू , समर सिंह चौहान गुड्डू,श्याम यादव ने नगर के २५ वार्डो में मतदाताओं से जनसंपर्क किया। उधर, कालपी नगर की मूल निवासिनी डॉ शबनम सोनी का स्थानीय होने का फायदा मिल रहा है । महिला तथा स्थानीय मतदाताओं के बीच पहुंचकर डॉ सोनी के सरकार ने कई बेरोजगारों के हितों के लिए कई योजनाएं के बारे में मतदाताओं को आकर्षित किया ।

रेल विद्युतीकरण दिल्ली सराय रोहिल्ला से मदार (अजमेर)

प्रयागराज। आज दिनांक 29-11-2020 को माननीय रेल मंत्री भारत सरकार, श्री पीयूष गोयल ने दिगावडा स्टेशन पर विद्युत ट्रेक्शन पर मालगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर बांदिकुई स्टेशन पर रवाना कर रेल विद्युतीकरण लाइन का उदघाटन किया !

दिल्ली सराय रोहिल्ला से अजमेर तक पूर्व में डीजल इंजन से रेल परिवहन हो रहा था ! इसको देखते हुए भारत सरकार, रेल मंत्रालय ने वर्ष 2013-14 में इस मार्ग पर रेल विद्युतीकरण करने का फैसला लिया !

इस कार्य की कार्यदायी संस्था प्रयागराज स्थित केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन(कोर) थी

!कोर ने वर्ष 2013-14 में दिल्ली सराय रोहिल्ला से मदार तक 446 रूट किलोमीटर एवं 1065 ट्रेक किलोमीटर रेल विद्युतीकरण का कार्य स्वीकृत कर रेल विद्युतीकरण परियोजना जयपुर की टीम को क्रियान्यवयन हेतु सुपुर्द किया ! जिसमें अलवर से रेवाड़ी 82 रुट किलोमीटर कार्य पहले ही पूरा किया जा चुका था ! तथा बांदिकुई से दिगावडा स्टेशन की रेल लाइन का दोहरीकरण होने पर एक लाईन पर विद्युतीकरण अलग से किया गया ! यह कार्य विभिन्न चरणों में पूरा किया गया।

1. दिल्ली सराय रोहिल्ला से रेवाड़ी
2. रेवाड़ी से अलवर
3. अलवर से बांदिकुई
4. बांदिकुई से बस्सी
5. बस्सी से कनकपुरा (जयपुर समेत)
6. कनकपुरा से फुलेरा
7. फुलेरा से मदार (अजमेर)
8. बांदिकुई से दिगावडा (सिंगल लाइन)

अब दिल्ली सराय रोहिल्ला से मदार (अजमेर) तक रेल विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण हो गया है तथा रेलवे संरक्षा आयुक्त पश्चिम परिमंडल मुम्बई ने भी निरीक्षण कर विद्युत ट्रेक्शन पर रेल चलाने की अनुमति प्रदान कर दी है!

सारसुर्खियां

रेलवे लाइन के लिए सांसद को दिया ज्ञापन

गुरसराय। नगर में नई रेलवे लाइन के सर्वे लिए नगर वासियो ने सासंद भानु प्रताप वर्मा को ज्ञापन भेट कर संसद में अग्रिम कार्य बाही करने की मांग की है जिससे क्षेत्र नई को एक नई रेल लाइन मिल सके।

गौरतलब है की इसके पूर्व भी जिला कार्य समिति के सदस्य गोरी शंकर सोनी ने एक मांग पत्र रेलवे के प्रमुख अधिकरियों को भेजा था जिसमे मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ से मऊ रानीपुर गुरसराय होते हुए एट तक रेल लाइन की मांग की थी तब रेलबे के अधिकारियो ने आश्वासन दिया था की ससद में यह प्रस्ताव पास हो जाता है तो सर्वे शुरू हो जायेगा इसी सम्वन्ध में आज मनोनीत पार्षद गोरी शंकर सोनी जगराम अस्ता जिला उपाध्यक्ष गीता श्रीवास्तव गोपाल श्रीवास्तव रामेश्वर अग्रवाल अशोक पटेरिया संदीप श्रीवास्तव आदि ने क्षेत्रीय सांसद भानु वर्मा से संसद भी प्रस्ताव पारित कराने की मांग जिस पर सांसद ने बताया की इस पिछड़े क्षेत्र के लिए रेलवे लाइन की मांग संसद मेने खुद उठाई है और जल्द ही इस ओर सार्थक प्रयास किया जायेगा जिससे इस क्षेत्र का विकास हो सके।

रामराजा सरकार की कृपा से जीवन मे सब कुछ प्राप्त हुआः पवन

गुरसराय। रामराजा सरकार के नए भजनों के एल्बम का नए एपिसोड का शुभारंभ श्री धाम वृंदावन से होगा ।उक्त जानकारी देते हुए पत्रकारों को भजन सम्राट पवन तिवारी ने बताया कि उन्होंने भगवान राम राजा सरकार के भजनों का नया संग्रह कर उसको जारी करने की तैयारी कर रहे हैं। जिसके लिए श्री धाम वृंदावन में शुभारंभ किया जाएगा। दुनिया दीवानी हो गई दुनिया मस्तानी हो गई ,राम भक्त ले चला रे राम की निशानी आदि भजनों के प्रसिद्ध गायक पवन तिवारी ने जहा युटुब चैनल एवं टी सीरीज कन्हैया कैसेट आदि में अपनी धूम मचाई। भजनों की प्रस्तुति में भी पवन तिवारी ने रामराजा सरकार ओरछा धाम को प्रमुखता से अपना आराध्य मानते हुए अपनी भक्ति को समर्पित किया ।उन्होंने बताया कि यह प्रेरणा उनके पिता की है जो निरंतर चलती रहेगी। इस मौके पर श्री नारायण रिछारिया राम कुमार झारिया रोहित शास्त्री रिछारिया सरजू शरण पाठक आदि उपस्थित रहे।

अतिक्रमण से चरमराई यातायात व्यवस्था

मऊरानीपुर। नगर में अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है साथ ही दुकानदारों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।नगर में बिलैया चौराहे से रानी लक्ष्मी बाई चौराहे तक अतिक्रमण एक गम्भीर समस्या बन गया है।इसको हटाने के लिए कई बार व्यापारी स्थानीय प्रशासन के साथ बैठक कर चुका है लेकिन अतिक्रमण की व्यवस्था में कोई भी सुधार के लिए प्रयास नही किये गए।पूर्व विधायक डॉक्टर रश्मि आर्य ने अतिक्रमण की समस्या को हल करने के लिए बिलैया चौराहे से गांधी जी की प्रतिमा तक सड़क चौड़ीकरण कर डिवाइडर बनवाये व कुछ दिनों के लिए ट्रैफिक पुलिस की व्यवस्था की।लेकिन यह सब कुछ दिनों तक ही सही चला उसके बाद यह समस्या जस की तस हो गई।अब तो आलम यह है कि इन स्थानों से लोगो का निकलना मुश्किल हो गया।क्योंकि डिवाइडर के एक ओर हाथ ठेले ऑटो वालो ने कब्जा कर लेने से रास्ता वन वे हो गया।तो कुछ दुकानदारों ने अपनी दुकानों का सामान बाहर फैला रखा है।जिस कारण इन क्षेत्रों में पूरे दिन जाम लगा रहता है।बाजार के समय बड़े वाहनों का प्रवेश भी जाम की एक बड़ी समस्या है।समय समय पर स्थानीय प्रशासन ने नगर पालिका व पुलिस की सहायता से इस पर अभियान चलाया लेकिन कुछ दिनों बाद यह अभियान टॉय टॉय फिस हो गया।इस संबंध में किराना व्यापार मंडल के अध्यक्ष दीपू मोदी ने कहा कि बिलैया चौराहे से गांधी जी की प्रतिमा तक एक ओर बड़ी संख्या में हाथ ठेले व ऑटो खड़े हो जाते है जिससे पीछे के दुकानदारों को काफी समस्याये उतपन्न होती है।कई बार इसको लेकर प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक हुई लेकिन इस पर सख्ती से कार्यवाही अभी तक अमल में नही लाई गई।नगर पालिका पार्षद मयंक शर्मा ने कहा कि बाजार खुल जाने के बाद बड़े वाहनों का बाजार के अंदर प्रवेश करना जाम की एक आम समस्या है।सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक बड़े वाहनों को बाजार में प्रवेश करने से रोका जाना चाहिए और डिवाइडर पर खड़े हाथ ठेलों व ऑटो को हटाया जाना चाहिए साथ ही रानी लक्ष्मी बाई चौराहे पर ऑटो वाले ऑटो आड़ा तिरछा खड़ा कर देते है इसके लिए ट्रैफिक पुलिस की व्यवस्था की जानी चाहिए एवम एक अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाया जाना चाहिए व यह अभियान हर माह चलाया जाना चाहिए और अतिक्रमण फैलाने वालों पर सख्ती से कार्यवाही करनी चाहिए।

शोक सभा

टहरौली। ग्राम नीबूजा निवासी वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता अनिल मिश्रा की माता जी और श्यामानंद मिश्र की धर्म पत्नी सावित्री देवी का 75 बर्ष की आयु में निधन हो जाने पर क्षेत्र के लोगों ने दुःख व्यक्त किया है। इस मौके पर आयोजित शोक सभा में आशीष उपाध्याय, रिंकू दीक्षित, राजू पटेल लौंडी, पंचम सिंह पटेल, रविन्द्र सोनी, दीपक दुबे खोह, सतेन्द्र प्रताप सिंह, संतराम अहिरवार अतरसुआं, मानवेन्द्र भदौरिया, हुकुम राजपूत आदि उपस्थित रहे।

सपाइयों ने प्रदेश अध्यक्ष तथा पूर्व मंत्री का अलग अलग किया स्वागत

कालपी । रविवार को बुंदेलखंड के प्रवेश द्वार में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम तथा पूर्व मंत्री अभिषेक मिश्रा का फ़ूल माला पहना कर गगन भेदी नारो के साथ स्वागत किया । लखनऊ से उरई जाते वक्त सपा नेता एवं पूर्व मंत्री अभिषेक मिश्रा का काफिला कालपी के यमुना नदी के पुल पर दोपहर १२ बजे पहुंचा। इसके बाद सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम भी काफिले के साथ पहुंचे। पहले से ही मौजूद जिलाध्यक्ष नबाब सिंह यादव,जैनुल आब्दीन,पूर्व जिलाध्यक्ष वीरपाल सिंह यादव,ज़िला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष प्रतिनिधि हाजी अजहर वेग,हाजी अजमत खान,मलखान सिंह यादव, शिवबालक सिंह यादव,हरमोहन सिंह यादव,इरशाद खान,पूर्व ब्लॉक प्रमुख समर सिंह चौहान गुड्डू,श्याम यादव सभासद,पूर्व पालिका अध्यक्ष कमर अहमद,अजहर बाबा,वीरेंद्र प्रताप चौधरी,राम प्रकाश गुप्ता, विश्वजीत गुप्ता,अफजल खान गुड्डू, नफीस राईन प्रमुख रूप से शामिल रहे।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार अच्छी सड़कें हैं: मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत नौ मार्गों के रिन्यूअल के कार्यों का किया शिलान्यास

झाँसी। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के द्वारा आज लखनऊ से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा प्रदेश में जिला पंचायतों के 647.25 करोड़ की लागत से 1825 सड़कों का शिलान्यास एवं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत 204.05 करोड़ की लागत से 2095.18 किलोमीटर सड़क के रिनीयूवल कार्य का शुभारम्भ किया गया।

जनपद जनपद झाँसी में जिला पंचायतों के मार्गों के हाटमिक्स पद्धति से निर्माण कार्य के शिलान्यास एवं ग्राम विकास विभाग के अंतर्गत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 9 मार्गों के रिन्यूअल के कार्यों का शिलान्यास व शुभारंभ किया गया,जिसमें विकासखंड बड़ागांव में 2 सड़क, मऊरानीपुर में 1, गुरसराय में 1, बबीना में 3 व चिरगांव में 2 सड़कों का कार्य शामिल है' उक्त समस्त कार्य की लंबाई 21.827 किलोमीटर है तथा अनुमानित लागत 311.80 लाख है।

जनपद में प्रधानमंत्री सड़क ग्राम योजना अंतर्गत पूर्व निर्मित मार्गों की सामान्य मरम्मत के साथ ही पीरियाडिक रिनुअल/ नवीनीकरण के 04 मार्ग वह को इस शिलान्यास में शामिल किया गया है बड़ागांव ब्लाक के अंतर्गत मथनपुरा- रामपुरा मार्ग, चिरगांव ब्लॉक के तज पुरा मार्ग, मोंठ में जेरा मार्ग तथा बबीना ब्लाक में डोंगरी मार्ग को शामिल किया गया है, उक्त कार्य की कुल लंबाई 28.620 किलोमीटर तथा अनुमानित लागत 173. 27 लाख है।

इस दौरान मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश के पाँच जिला पंचायत अध्यक्षों से वाडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से वार्ता की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सडकों के कार्यो की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुये कहा कि सडकों की गुणवत्ता बनाये रखी जाये क्योंकि बेहतर सड़कों से ही विकास गांव तक पहुंचता है। उन्होंने कहा कि जिला पंचायतों की कार्यशैली में बदलाव लाया जाए तथा गांव के विकास तथा गांव की आमदनी की तरफ विशेष ध्यान देते हुये हाट बाजारों, तालाबों का सुन्दरीकरण व तालाबों में मछली पालन, सिंघाड़ा आदि के उत्पादन की व्यवस्था तथा गांव के उत्पादों का प्रोत्साहन आदि की दिशा में कार्य किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थ व्यवस्था की आधार सड़कें हैं, जिसकी गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाये। उन्होंने कहा एनआरएलएम समूह की महिलाओं के द्वारा प्रदेश अच्छा कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जनपद झांसी के दौरे पर एनआरएलएम की महिलाओं द्वारा जो कार्य किए जा रहे हैं वह उत्साहवर्धक है इसी तरह से आत्म निर्भर भारत योजनान्तर्गत गांव के लोगों को रोजगार से जोडा जाये। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल प्रदेश में लगभग 40 लाख प्रवासी लोगों कोआत्म निर्भर भारत के तहत कार्य दिया गया जो आज अपने घरों में ही खुशहाल है। मुख्यमंत्री के साथ पंचायती राज मंत्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी, ग्राम्य विकास मंत्री राजेन्द्र प्रताप सिंह मोती सिंह, राज्य मंत्री पंचायती राज उपेन्द्र तिवारी एवं राज्यमंत्री ग्राम विकास आनन्द स्वरूप शुक्ला सहित मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी, अपर मुख्य सचिव व अन्य लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर एनआईसी झांसी में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा यादव, विधायक बबीना राजीव सिंह पारीछा, विधायक गरौठा जवाहर लाल राजपूत, मुख्य विकास अधिकारी शैलेष कुमार, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत अशोक यादव, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग बी एल सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बैकुंठी चौदस पर हुआ सिद्धेश्वर भगवान का श्रृंगार एवं सवा लाख बातियों से महाआरती

झाँसी। ग्वालियर रोड स्थित श्री सिद्धेश्वर मंदिर में बैकुंठी चौदस पर्व पर भगवान सिद्धेश्वर का आचार्यों के मंत्रोच्चारण के साथ विधि विधान से पूजन अर्चन कर पंचामृत से महाभिषेक कर श्रृंगार किया गया तथा महानगर धर्माचार्य पं0 हरिओम पाठक द्वारा सिद्धेश्वर भगवान की सवा लाख बातियों से महाआरती की गयी। हर हर महादेव एवं बम-बम भोले के जयकारों एवं शंख झालरों की ध्वनि से मंदिर परिसर गुंजायमान हो उठा। मंदिर परिसर आकर्षक विद्युत छठा से जगमगा उठा। मंदिर में 551 दीपक जलाये गये एवं खीर का प्रसाद वितरित किया गया।

एमएलसी चुनाव को लेकर किया सघन जनसम्पर्क

पुरानी पेन्शन कांग्रेस की वरीयता में शामिल

झाँसी। उत्तर प्रदेश विधानपरिषद चुनाव के मद्देनज़र कांग्रेस नें प्रचार तेज़ कर दिया है। स्नातक एमएलसी प्रत्याशी अजय कुमार सिंह के समर्थन में शहर अध्यक्ष अरविन्द वशिष्ठ नें सघन जनसम्पर्क किया। विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में शहर अध्यक्ष अरविन्द वशिष्ठ के नेतृत्व में प्रतिनिधिमण्डल नें मुलाक़ात कर मतदान की अपील की। राजकीय इण्टर कॉलेज, हाफ़िज़ि सिद्दीक़ नेशनल इण्टर कॉलेज, सेण्ट ज्यूडस इण्टर कॉलेज, सेण्ट उमर इण्टर कॉलेज, डॉ० बी० आर० अम्बेडकर साइंस कॉलेज, आर्य कन्या महाविद्यालय, स्वामी विवेकानन्द महाविद्यालय, शीयरवुड कॉलेज सहित कई विद्यालयों में पहुंचकर 1 दिसम्बर को 1 नम्बर पर प्रथम वरीयता की अपील की। अरविन्द वशिष्ठ नें बताया कि पुरानी पेन्शन बहाली कांग्रेस की वरीयता में है। शिक्षक और कर्मचारी लम्बे अरसे से इसके लिए संघर्ष कर रहे हैं। कांग्रेस प्रत्याशी इस मुद्दे पर गम्भीर हैं और शीर्ष नेतृत्व भी इस जायज़ मांग को पूरा करने की हिमायती है। इस दौरान राजेंद्र रेजा, राजेंद्र शर्मा चुनाव प्रभारी एवं प्रदेश महासचिव श्रीमती एस० नोमान, चुनाव मुख्य अभिकर्ता जितेन्द्र भदौरिया, ललित कोरी आदि मौजूद रहे।

वहीं, इलाहाबाद झांसी खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्याशी विधान परिषद सदस्य पद के प्रत्याशी अजय कुमार सिंह के समर्थन में जनसंपर्क किया। उत्तर उत्तर प्रदेश कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग के उपाध्यक्ष मनीराम कुशवाहा के नेतृत्व में जिला उपाध्यक्ष नीता अग्रवाल, मुन्नी देवी अहिरवार, अमीर चंद आर्य मीना आर्य, ऋषभ साहू, धर्मेंद्र कुशवाहा, ओमप्रकाश बुंदेला, गोविंदास बर्मा ने झांसी महानगर में बड़ा गांव गेट बहार, खुशीपुरा, शिवाजी नगर, सुभाष गंज खत्रयना, मानिक चौक, सिविल लाइन, बाहर दतिया गेट आदि क्षेत्रों में जनसंपर्क कर कांग्रेस प्रत्याशी अजय कुमार सिंह को प्रथम वरीयता क्रम में मतदान अवश्य कर विजय बनाने की अपील की। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग के उपाध्यक्ष मनीराम कुशवाहा ने सभी कांग्रेश कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर 1 दिसंबर को संबंधित बूथों पर रहने की अपील की।

आरपीएफ ने रेलयात्री को वापस दिया बैग

झाँसी। रेल सुरक्षा बल ने शताब्दी एक्सप्रेस में छूटे बैग को संबंधित रेलयात्री को वापस दे दिया। बैग पाते ही यात्री ने आरपीएफ की सराहना की है।

रेल सुरक्षा बल के सहायक उपनिरीक्षक संजय प्रताप कुशवाहा स्टेशन पोस्ट पर तैनात थे, तभी आकाश राजपूत निवासी पंचवटी शिव परिवार कालोनी थाना शहर कोतवाली ने बताया कि उनके दोस्त आदर्श वैद्य मो.नं 9329303455 जो 27 नवंबर को गाड़ी 02002 शताब्दी एक्सप्रेस से पीएनआर 264121402 नईदिल्ली-ग्वालियर यात्रा कर रहे थे। यात्रा दौरान ग्वालियर उतरते समय कोच सी-6 मे बर्थ नं. 08 पर एक काले कलर का छोटा कमर बैग छूट गया जिसकी सूचना आरपीएफ हेल्पलाइन 182 को दिया जहां से बताया गया कि उनका बैग झाँसी में आर.पी.एफ द्वारा उतारा गया है। बाद में उक्त बैग वापस कर दिया।

केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल के बेटी के विवाह समारोह में पहुंचे वीवीआईपी

ओरछा के एक होटल से हो रहा है विवाह समारोह, आज जम्मू कश्मीर के उपराज्य पाल सहित केन्द्रीय मंत्री पहुंचे, शिवराज सहित अनेक नेता आज पहुंचेगे ओरछा

झाँसी। केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री प्रहलाद पटेल की बेटी के शादी समारोह में देश के वीवीआईपी का ओरछा पहुंचना शुरू हो गया है। आज जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ,केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ,केन्द्रीय पशुपालन मंत्री गिरिराज सिंह,मप्र के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा झाँसी आये। उन्होंने सबसे पहले दतिया पहुंच कर मां पीताम्बरा के दर्शन किये व पूजा अर्चना की। उप राज्यपाल राजकीय विमान से झाँसी आये वहां से वह सीधे दतिया के लिये रवाना हुये । इसके पश्चाता वह ओरछा के लिये रवाना हुये। उनके साथ सांसद झाँसी अनुराग शर्मा,नगर विधायक रवि शर्मा भी शामिल हुये। ओरछा में वह केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल की बेटी के विवाह समारोह में शामिल हुये। कोरोना के चलते विवाह समारोह में सीमित संख्या में लोगों को आमंत्रित किया गया है,इनमें वीआईपी व वीवीआईपी ही शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार सोमवार को मप्र के मुख्य मंत्री शिवराज सिंह चौहान, पूर्व केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिन्धिया,केन्द्रीय मंत्री व भाजपा के पूर्व अध्यक्ष नितिन गडकरी व दो अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री भी विवाह समारोह में शामिल होंगे।

सात दर्जन मरीजों का परखा स्वास्थ्य

झाँसी। भारतीय मानवाधिकार समिति एवं जन सूचना अधिकार मंच द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया जिसमें सात दर्जन से अधिक लोगों ने अपनी जांच कराई। संस्था द्वारा मरीजों की जांच व दवाएं वितरित की गई।

संस्था द्वारा कोरोना के कारण अस्पतालों में जाने से डर रहे लोगों को क्षेत्रों में ही स्वास्थ्य सुविधाएं दिलाने का प्रयास किया जा रहा है, जिसके तहत लगातार निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाए जा रहे हैं। इसी अभियान के तहत हंसारी में पुलिस चौकी के पास स्थित वृद्ध आश्रम में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। जिसमें आश्रम में रह रहे वृद्धों के साथ-साथ क्षेत्रीय लोगों के स्वास्थ्य की जांच व पैथोलॉजी जांच के उपरांत दवाओं का वितरण किया गया। शिविर में लगभग 90 लोगों ने अपनी जांच कराई । इस अवसर पर डॉ के के साहू ,डॉ संजय साहू, विक्रम पटेल, अभिषेक, रवि राठौर, आदित्य कुमार संस्था अध्यक्ष मुदित चिरवारिया ,अनिल बख्शी, नंदकिशोर, गुरुदेव ,शैलेंद्र जैन, आरके साहनी, अजय सूद सहित बड़ी संख्या में संस्था सदस्य व क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे।

कक्षाओं के समय नहीं गायब हो सकेंगे गुरुजी

झाँसी। अब परिषदीय विद्यालयों में पढ़ाने वाले गुरुजी सूचनाएं देने के नाम पर गायब नहीं हो सकेंगे। कोई भी संकुल प्रभारी न्याय पंचायत के किसी भी शिक्षक को इसके लिए नहीं बुलाएगा। न ही इस दौरान स्कूल में निरीक्षण किया जाएगा। इसके लिए महानिदेशक स्कूली शिक्षा विजय किरन आनंद ने झाँसी सहित सभी बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं।

झाँसी में 1900 विद्यालय संचालित हैं। यहां 55 न्याय पंयायत स्तर पर 250 शिक्षक संकुल का चयन भी कर लिया गया है। अभी तक संकुल प्रभारी शिक्षकों को विद्यालय संबंधी सूचनाओं के लिए क्लास टाइम में भी बुला लेते हैं। इससे पढ़ाई प्रभावित होती है। इसलिए इस पर रोक लगा दी गई है। साफ कहा गया है कि विद्यालय अवधि में शिक्षक संकुल किसी भी शिक्षक को सूचना लेने या देने के लिए नहीं बुलाएंगे। शिक्षक संकुल इस अवधि में विद्यालय का भ्रमण भी नहीं कर सकेंगे। खंड शिक्षा अधिकारी भी इस दौरान विकास खंड के किसी भी शिक्षक संकुल को सूचना के लिए ब्लॉक संसाधन केंद्र (बीआरसी) पर नहीं बुलाएंगे। बीएसए को निर्देश दिए गए हैं कि 10 दिसंबर तक कार्य के आधार पर नोडल शिक्षक संकुल नामित कर लें। बीएसए का कहना है कि शिक्षक संकुल का चयन हो चुका है। उन्हें जिम्मेदारी भी दे दी गई है।

विकल्पहीन होने के कारण रक्तदान वास्तविक जीवनदान: कुलपति वैशम्पायन

बी.यू. में आयोजित हुआ रक्तदान शिविर

झाँसी। रक्त का विकल्प न होने कारण रक्तदान अत्यन्त महत्वपूर्ण एवं वास्तविक जीवनदान है। हमारे दान किया गया एक यूनिट रक्त तीन लोगों का जीवन बचाने में सहायक होता है। रक्तदान के महत्व का अहसास हमें तब होता है जब हमारा कोई अपना खून के लिए जिंदगी और मौत के बीच होता है। यह विचार आज बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.जे.वी.वैशम्पायन ने व्यक्त किये।

कुलपति प्रो वैशम्पायन आज बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय परिसर स्थित अभियांत्रिकी एवं प्रोद्योगिकी संस्थान के सभागार में 56यू.पी.बी.एन. एन.सी.सी. पुरूष शाखा तथा 32 यू.पी.बी.एन.एएन.सी.सी. मलिा शाखा तथा अभियांत्रिकी एवं प्रोद्यौगिकी संस्थान में संचालित टेक्विप-3 के संयुक्त तत्वाधान में एन.सी.सी. सप्ताह के अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित एन.सी.सी. कैडैट्स, छात्र-छात्राओं तथा शिक्षकों को सम्बोधित कर रहे थे।

कुलपति ने कहा कि कोरोना में जहां नागरिकों के जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है वही रक्तदान ना होने के कारण मानव जीवन के लिए भी खतरा पैदा कर दिया है। उन्होंने कहा कि पूर्व में विभिन्न ब्लड बैंकों में रक्त उपलब्ध रहता था जिससे आवश्यकता पडने पर किसी जरूरतमंद व्यक्ति को ब्लड बैंक से रक्त प्रदान कर उसका जीवन बचाया जा सकता था परन्तु कोरोनाकाल में लोगों के द्वारा रक्तदान न होने से ब्लड बैंकों में भी रक्त की उपलब्धता नही रह गई है।

उन्होंने कहा ऐसे समय में एनसीसी के द्वारा ब्लड बैंक ब्लड डोनेशन कैंप के आयोजन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है उन्होंने आशा व्यक्त कि कि भविष्य में भी एनसीसी केक का रेट रक्तदान कर मानव जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। कुलपति ने कहा कि कोरोना काल में लॉकडाउन के समय बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के एन.सी.सी. कैडेटों के द्वारा किए गए सेवा कार्यों के कारण विश्वविद्यालय गौरवान्वित हुआ है।

सर्वप्रथम संकायाध्यक्ष अभियांत्रिकी प्रो.एस.के.कटियार ने आमंत्रित अतिथियों को स्वगत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा कहा कि रक्तदान सर्वाधिक महत्वपूर्ण दान है। रक्तदान मनुष्य के जीवन बचाने में सहायक होता है। प्रो.कटियार ने कहा कि आज के वैज्ञानिक युग में भी रक्तदान के प्रति आम जनमानस मे कई भ्रांतियां फैली हुई हैं जिसके कारण आम व्यक्ति रक्तदान से दूर ही रहता है उन्होंने कहा कि आम जनता को इस सम्बन्ध में जागरूक करने की आवश्यकता है कि रक्तदान सिर्फ दूसरों के लिए ही नही बल्कि उनके स्वयं के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के एन.सी.सी. अधिकारी प्रो.सुनील काबिया ने कहा कि एन.सीर.सी.कैडैट्स के द्वारा प्रतिवर्ष रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। कोरोना के कारण इस शिविर का महत्व स्वतः ही बढ़ गया है क्योंकि यह रक्तदान शिविर एक ऐसे समय में आयोजित हो रहा है जबकि सरकारी एवं निजी अधिकांशतः ब्लड बैकों में रक्त उपलब्ध ही नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति के जीवन में किया गया रक्तदान उसके लिए आत्मिक संतुष्टि का क्षण होता है क्योंकि उसके द्वारा दिए गए रक्त से किसी अन्य के जीवन की रक्षा होती है तथा उसके परिवार में खुशियां बढ़ती है

इस अवसर पर मेजर अदिति सिंह पुनिया ने कहा कि विश्वविद्यालय एनसीसी परिवार द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर एक मानवीय कार्य है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि अधिक से अधिक कैडेट तथा छात्र-छात्राएं इस रक्तदान शिविर में रक्तदान करेंगे। इसके साथ ही साथ यदि किसी को रक्त की जरुरत किसी समय होती है तो निर्धारित समयावधि पूरी कर चुके कैडेट पुनः रक्तदान करने के लिए हमेशा तैयार रहेंगे।

आज इस रक्तदान शिविर में एनसीसी द्वारा 52 इकाई रक्त महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज को उपलब्ध कराया गया।

इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा रजत पदक प्राप्त विश्वविद्यालय की सीनियर अण्डर ऑफिसर हितिका यादव को प्रमाणपत्र तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मनित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन डा.अनुपम व्यास ने किया जबकि आमंत्रित अतिथियों का आभार विश्वविद्यालय के महिला विंग की एन.सी.सी.अधिकारी डा.रश्मि सिह ने व्यक्त किया। इस अवसर पर संकायाध्यक्ष विज्ञान प्रो. एम. एम. सिंह, संकायाध्यक्ष कला प्रो. सी. बी. सिंह, प्रो. पूनम पुरी, डॉ.रामबीर सिंह, डॉ. राहुल शुक्ला, डा.ए.पी.एस.गौड, इंजी.मुकुल सक्सेना, इजी.दिनेश द्विवेदी, इंजी.शशिकान्त, इंजी.महेन्द्र सिंह, हेमंत चंद्रा, राहुल कुशवाहा, सीनियर अंडर आफिसर अंजुल सिंह यादव, अण्डर आफिसर संदीप कुमार राजपूत, अंडर सार्जेंट शिवम राजपूत, अंडर ऑफिसर राहत परवेज, शिवम राजपूत, अंशुल राजपूत, प्रांजल जायसवाल, रमाकांत राजपूत, शोभित साहू, संगीता पाल, वर्षा कुशवाहा, रजनी कुशवाहा, शिवानी राजपूत, कामनी अहिरवार, सेजल साहू, शिखा राय, वर्षा, वैष्णवी, मोहिनी यादव, तब्बू शुक्ला, शिवानी राजपूत उपस्थित रहे।

सार सुर्खियां

पिछड़े व दलितों में शिक्षा का प्रकाश, महात्मा ज्योतिबा फूले की देन: सपा

झाँसी। समाजवादी पार्टी के तत्वाधान में शिक्षा की ज्योति जगाने वाले महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि बीकेडी चौराहे के पास स्थित कार्यालय पर मनाई गई। गोष्ठी आयोजन की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष तनवीर आलम खान ने की व वरिष्ठ नेता शकील खान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान महात्मा ज्योतिबा फुले के जीवन पर विचार व्यक्त करते हुए वक्ताओं ने कहा कि अपना पूरा जीवन गरीब, दलितों, महिलाओं और शिक्षा के प्रति संघर्ष करने के लिए उन्हें समाज के सशक्त प्रहरी के रूप में आज सारा देश याद करता है। वक्ताओं ने कहा कि "तुम्हें पीछे हटने की जरूरत नहीं, नकारो मनुवाद को, शिक्षा पाते ही सब सुख पाओगे, मानो मेरी बात को का आह्वान करने वाले महात्मा ज्योतिबा फूले को डॉ. भीमराव अंबेडकर अपना आदर्श मानते थे। वहीं पूर्व सभासद अमित कुशवाहा ने कहा कि 11 अप्रैल 1827 में अपने पिता गोविंद राव व माता चिमनाबाई के घर जन्मे महात्मा ज्योतिबा फुले एक वर्ष के थे तब माता चिमनाबाई का निधन हो गया और दाई सगुनाबाई ने मां यशोदा बनकर ज्योतिबा फूले का पालन पोषण किया। 28 नवंबर 1890 को उनका निधन हो गया। इस मौके पर पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष संतोष रायकवार, पूर्व सभासद प्रेम बाल्मिक आदि ने विचार व्यक्त किए। इस दौरान अमित बंटी खटीक, अभिषेक सोनी, जैकी पहलवान, मोहम्मद फारूक शेख, पवन लहार बाल्मिक, कुनाल अहिरवार, राहुल कुशवाहा, अर्जुन यादव, मनोज कुशवाहा, अनिल साहू, राहुल मिश्रा, आदि उपस्थित रहे। गोष्ठी का संचालन अभिषेक सोनी जैकी ने किया एवं अंत में सभी का आभार अमित बण्टी खटीक ने व्यक्त किया।

सेवानिवृत्त रेलकर्मियों को दी गई विदाई

झाँसी। एनसीआरएमयू की ई एम एस 2 स्टोर ब्रांच झाँसी में कर्मचारियों साथियों का एक सेवानिवृत्त समारोह का आयोजन किया गया। इसमें स्टोर विभाग से किशन सिंह सेंगर, बृज किशोर, नर्मदा प्रसाद एव विद्युत विभाग से गौरी शंकर आज सेवानिवृत्त हुए। सभी सेवानिवृत्त साथियों का भव्य विदाई समारोह किया गया और उनके आगे के लिए स्वस्थ जीवन की कामना की गई।

कार्यक्रम में वर्कशॉप मंडल उपाध्यक्ष कॉम खेम चन्द्र, शाखा अध्यक्ष शशि कपूर, मनोज अग्रवाल, ए पी किलेदार, आर पी शर्मा, हेमंत कुमार, विकास अवस्थी, आर पी सिसौदिया, संजय तिवारी, नाहर सिंह मीना, मो याकूब, दिलीप राठौर, ए पी सिंह, मो हलीम, आर एस चौहान, विजय, अविनाश, देवेन्द्र कुशवाहा, भगवत, रामनरेश यादव, प्रीत कमल, रीतेश, जाहिद, अशोक कुमार बिपुल, कादिर,जितेंद्र, दीपक कुमार, वाल्टर, राजेन्द्र, दिनकर, याकूब, श्रीमती रमन बाला श्रीवास्तव, भगवती आदि उपस्थित रहे संचालन शाखा सचिव जगत पाल सिंह यादव ने किया।

मार्शल आर्ट्स के लिए सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग कैंप शुरु

झाँसी। ओम शांति ग्रीन्स की निधि सुडेले द्वारा पहल करते हुए ओम शांति ग्रीन की महिलाओं व बच्चियों को वीरांगना बनाने का बीड़ा उठाया । इसी क्रम में आज ओम शांति ग्रीन्स रेसिडेंट्स हेतु मार्शल आर्ट्स के अंतर्गत "सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग कैम्प" प्रारम्भ किया गया।

आज के समय में बदलते हुए अपराधों (विशेषकर महिलाओं, बच्चों के साथ) को देखते हुए, यह अत्यंत आवश्यक हो गया है, की हम लोग अपनी सुरक्षा स्वयं ही करे और आत्मनिर्भर बने। इस उद्देश्य से कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। उक्त कैम्प में सभी महिलाओं , बच्चों तथा पुरुषों द्वारा बढ़ चढ़ कर भाग लिया गया। प्रशिक्षण के दौरान सोशल डिस्टेंस का विशेष ध्यान रखा गया। यह प्रशिक्षण एन पी प्रकाशन, वंदना शर्मा, कार्तिक नडियारा, एवं निखत फातिमा ने दिया। कैम्प में राजेश कुरील, माला कुरील, अर्चित, आरोही, प्रदीप सुडेले, अनय सुडेले, अनाया सुडेले, मनीष राय, स्वाति राय, कुणाल राय, मेघावी राय, इंद्रेश पाठक, पुष्प मंजरी, अचिंत, भाविका, शिव सिंह, रेखा सिंह, दिव्यांशु, कृतिका, दिनेश सहाय, अन्वेषा सहाय, अंशिका, रुचि सहाय, अंजली त्रिपाठी, आन्या त्रिपाठी, श्रीयांशी, वैष्णव अस्थाना, अमित दुबे, नेहा दुबे, परी आदि ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

झाँसी में 19 नये कोरोना पाजिटिव मरीज मिले

झाँसी। रविवार 29 नवंबर को झाँसी में कोरोना जांच के दौरान 19 नये कोरोना संक्रमित मरीज पाये गये। झाँसी में कोरोना मृतकों की संख्या 171 पर स्थिर है। रविवार को कोरोना के 2357 सैम्पल जांचे गये जिसमें 1012 आरटी-पीसीआर, 4 टूनैट एवं 1341 एंटीजन टैस्ट किये गये। इस प्रकार झाँसी में अब 9517 कोरोना पाजिटिव मरीज हो चुके हैं। झाँसी में अभी तक कोरोना संक्रमित 8960 कोरोना मरीज ठीक हो चुके हैं। इसमें विभिन्न स्वास्थ्य केन्द्रों में कोरोना के 7507 संक्रमित मरीज ठीक होकर डिस्चार्ज किये जा चुके हैं जिसमें 26 को रविवार को डिस्चार्ज किया गया। वहीं होम आइशोलेशन पूर्ण होने पर 1453 लोगों को स्वस्थ घोषित किया गया जिसमें 21 रविवार को ठीक घोषित किये गये। इस प्रकार झाँसी में अब कोरोना के 386 एक्टिव कोरोना मरीज हैं। इसमें 16 की हालत गंभीर है। वहीं कोरोना रिकवरी रेट 94.14 प्रतिशत है और सी.एफ.आर.1.7 है।

बारह ज्ञानी एक घंटे में जितने प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं उससे कहीं अधिक प्रश्न मूर्ख व्यक्ति एक मिनट में पूछ सकता है। - शिवानंद

मिशन प्रेरणा के सारगर्भित उद्देश्यों को पूर्ण करने का लिया संकल्प

- बैठक में खंड शिक्षा अधिकारी ने दिए निर्देश

(दैनिक भास्कर ब्यूरो)
ललितपुर। ब्लॉक संसाधन केन्द्र बार पर कोविड -19 के नियमों का पूर्णतः पालन करते हुए विकास क्षेत्र के समस्त एआरपी, प्रधानाध्यापक, इंचार्ज प्रधानाध्यापक एवं संकुल शिक्षक की बैठक का आयोजन तीन पालियों में किया गया। जिसमें प्रथम पाली में न्याय पंचायत बार, पारौन, द्वितीय पाली में न्याय पंचायत देवरान, बानपुर तथा तृतीय पाली में न्याय पंचायत कैलगुवां, बिल्ला के सभी प्रधानाध्यापक, इंचार्ज प्रधानाध्यापक ने प्रतिभाग किया। बैठक में मिशन प्रेरणा, बेसिक शिक्षा के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों एवं योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गयी एवं जिसमें खण्ड शिक्षा अधिकारी योगेंद्रनाथ ने शिक्षकों को निम्नांकित बिंदुओं पर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये।उन्होंने कहा कि कि सेट-2 के रिपोर्ट कार्ड अभिभावकों को शत-प्रतिशत उपलब्ध करना सुनिश्चित करें। मिशन पाठशाला का ई कंटेंट समस्त छात्रों को उपलब्ध करना सुनिश्चित करें। विद्यालय में सक्रिय पुस्तकालय विकसित करने एवं मिशन प्रेरणा से संबंधित विद्यालय की कार्य योजना बनाने के लिए समस्त शिक्षकों को निर्देशित किया गया। निष्ठा पोर्टल पर संचालित ऑनलाइन प्रशिक्षण के सभी मॉड्यूल्स को पूर्ण करने के निर्देश सभी दिए। महिलाओं के जागरूकता व आत्म सम्मान से संबंधित मिशन शक्ति कार्यक्रम को विधिवत रूप से आयोजित करने के निर्देश सभी शिक्षकों को दिए गए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों के कायाकल्प से सम्बंधित चौदह आधारभूत अवस्थापना सुविधाओं से विद्यालय को संतृप्त करने के लिए ग्राम प्रधान तथा सचिव से संपर्क स्थापित करके विद्यालयों में कार्य करायें। लॉकडाउन के समय की विद्यार्थियों को मिड डे मील की कन्वर्जन कास्ट की धनराशि बच्चों के खाते में स्थानांतरण करायें। आधार व सहमति पत्र 5 दिवस के अंदर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। समस्त शिक्षक मानव सम्पदा पोर्टल पर अपने अभिलेख, प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। प्राथमिक विद्यालय के समस्त प्रधानाध्यापकों को निर्देशित किया गया की वह अपने विद्यालय से कम से कम दस छात्रों को नवोदय परीक्षा फॉर्म अवश्य भरवायें। एसएमसी एवं व्हीसी के खाते में अवशेष धनराशि को तत्काल स्थानांतरित करना सुनिश्चित करें। विद्यालय विकास योजना का अनुपालन करते हुए सूचना उपलब्ध करायें। उन्होंने समस्त प्रधानाध्यापकों को निर्देशित किया कि विद्यालय के समस्त शिक्षकों को सूचित करें कि समस्त प्रकार के अवकाश ऑनलाइन ही मान्य होंगे। शारदा पोर्टल के माध्यम से चिन्हित आउट ऑफ स्कूल बालक व बालिकाओं की संख्या उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। समस्त अवशेष छात्रों को पाठ्यपुस्तक व ड्रेस वितरित करके पंजिकाओं को अपडेट करें। एसएमसी बैठक, जन पहल कार्यक्रम को क्रियान्वित करने का निर्देश समस्त शिक्षकों को दिया। कम्पोजिट ग्रांट से सभी विद्यालयों में रनिंग वाटर का कार्य करकर सूचना खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में भेजना सुनिश्चित करें। समस्त प्रधानाध्यापक प्रेरणा लक्ष्य, प्रेरणा सूची व प्रेरणा तालिका को विद्यालय के कक्षा कक्ष में चस्पा अवश्य करें। जिससे शिक्षक इन सभी की जानकारी रख सकें। इस दौरान विकास खण्ड बार के एआरपी प्रदीप कुमार सोनी, पं.जयकुमार तिवारी, महेश वर्मा, अरविंद गौतम मौजूद रहे। इनके अलावा बैठक में प्रभुदयाल मिश्रा, अरुण गोस्वामी, अनिल त्रिपाठी, माधव सिंह एवं संकुल केन्द्र बार से संकुल शिक्षक प्रमोद कुमार, विक्रम सिंह सिसौदिया, संतोष कुमार, विशाल कुमार, संकुल देवरान से सुनील वर्मा, बिहारीलाल, देवीशंकर कुशवाहा, हाकिम सिंह, संकुल केंद्र कैलगुंवा से नारायणदास, अब्दुल शहीद, महेंद्र शर्मा, अनुप्रिया, राजेंद्र सिंह, संकुल केन्द्र बानपुर से नीरज द्विवेदी, सुनील नामदेव, राकेश खरे, कमल सिंह, दिलीप सिंह, संकुल केन्द्र पारौन से उदयभान सिंह, नीरज कुशवाहा, लोकेंद्र सिंह, नीरज तिवारी, बृजेश झां, संकुल केन्द्र बिल्ला से हेमंत तिवारी, जितेंद्र जैन, शरद श्रीवास्तव, अखिलेश श्रीवास्तव, संतोष वर्मा के अलावा विकास खण्ड बार के समस्त प्रधानाध्यापक मौजूद रहे। बैठक का संचालन प्रदीप कुमार सोनी एकेडेमिक रिसोर्स पर्सन ने किया।

ललितपुर। खण्ड शिक्षा अधिकारी बार प्रधानाध्यापकों को बैठक में शैक्षिक गुणवत्ता के निर्देश देते हुए

प्रोजेक्ट नई किरण ने एक परिवार का कराया पुनर्मिलन

ललितपुर। प्रोजेक्ट के दौरान समस्याओं को सुनते एएसपी

(दैनिक भास्कर ब्यूरो)
ललितपुर। स्थानीय पुलिस लाइन्स सभागार में पुलिस अधीक्षक कैप्टन एम.एम.बेग के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक डा.बृजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में प्रोजेक्ट नई किरण का आयोजन किया गया। कोरोना काल में प्रोजेक्ट नई किरण में सीमित 04 परिवारों को बुलाया गया। नई किरण मे 01 मामले में दोनों पक्ष आये जिनमें नई किरण के सभी सदस्यों द्वारा समझानें के बाद 01 परिवार में आपसी सुलह समझौते के आधार पर समझौता कराया गया। 01 परिवार खुशी-खुशी साथ-साथ रहने को तैयार हो गये व 03 मामलों में अग्रिम तिथि दी गई। नई किरण प्रोजेक्ट से जनपद में बिखरे हुए परिवारो को जोडकर उनके दाम्पत्य जीवन में एक नई रोशनी आयेगी। नई किरण प्रोजेक्ट के अन्तर्गत बिखरे परिवार को एक सूत्र में बांधने का प्रयास है। इस दौरान सुधा कुशवाहा, अजय बरया, डा.संजीव कुमार शर्मा, डा.दीपक चौबे, दिव्या विश्वकर्मा आदि का विशेष सहयोग रहा।

बांसी ग्राम पंचायत में लगे गंदगी के जगह जगह ढेर

जनप्रतिनिधि एवं जिम्मेदार अधिकारी मूंदे अपनी आंखें, खामियाजा भुगत रही जनता, टूटी नालियों से सड़क पर बह रहा गंदा पानी, कीचड़ के कारण राहगीर गिरकर हो रहे घायल

ललितपुर। टूटी नालियों व सफाई के अभाव में लगा गंदगी का अंबार

ललितपुर। एक पंचवर्षीय कार्यकाल बीत जाने को है, और अधिकांश ग्राम पंचायतों में अभी भी विकास कार्य धरातल से नदारत हैं। केवल और केवल कागजी घोड़े दौड़ाए जा रहे हैं, खानापूर्ति चरम पर हैं। अधिकारी हो या जनप्रतिनिधि कोई भी जनता की मूल भूत समस्याओं पर ध्यान आकर्षित नही करते हैं। कही टूटी नालियां, सड़क पर जल भराव, बिजली की समस्या, खस्ताहाल सड़कें, अधूरे शौंचालय सहित अनेकों जन समस्याएं हैं। लेकिन कार्य कहीं दिखायी नही देता है। ऐसा ही एक मामला ग्राम पंचायत बांसी का सामने आया है, जहां सफाई कर्मी का नाम कागजों में तो दर्ज है, किन्तु सफाई कार्य नही किया जाता है, हां यदि अधिकारी चेकिंग पर आये तब सारे सफाई कर्मी मुस्तैदी से मौजूद रहते हैं। अधिकारियों के जाते है, वह महीनों और साल भर दिखायी भी नही देते हैं। बांसी ग्राम पंचायत में टूटी नालियों के कारण कई बस्तियों में गंदा एवं बदबूदार पानी सड़क पर बह रहा है, जिस्से उत्पन्न कीचड़ के कारण आये दिन राहगीर गिरकर चोटिल हो रहे हैं। जगह जगह गंदगी के ढेर साफ साफ देखे जा सकते हैं। पर चुने गये जनप्रतिनिधि जन समस्याओं पर कोई दिलचस्पी नही लेते हैं। तो वहीं ब्लाक स्तर के अधिकारीगण सब कुछ देखने के बाबजूद भी अपनी आंखे मूंदे हुये हैं। जिसका खामियाजा भोली भाली जनता भुगत रही है।

मण्डलीय अधिवेशन में निर्वाचन संपन्न

ललितपुर। कार्यक्रम में नवनियुक्त मण्डलीय पदाधिकारी

(दैनिक भास्कर ब्यूरो)
ललितपुर। उत्तर प्रदेश के जूनियर हाई स्कूल पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ झांसी मंडल के तत्वाधान में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मण्डलीय महासभा की खुली बैठक 10.30 बजे कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय उरई मे प्रारम्भ हुई। बैठक में प्रांतीय पर्यवेक्षक पं.गौरव पाठक, प्रान्तीय उपाध्यक्ष मंजुल शर्मा, मंडलीय महामंत्री इटावा एवं संरक्षक पं.रामबालक व्यास की देखरेख में निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न हुई। मंडल के सभी पदों में एकल नामांकन होने के कारण मंडलीय निर्वाचन निर्विरोध प्रक्रिया में संपन्न हुआ, जिसमें अभिनव दीक्षित मंडलीय अध्यक्ष, पं.नीरज चतुर्वेदी मंडलीय महामंत्री, पं.क्रांति पांडे, उपाध्यक्ष बसंत जैन, उपाध्यक्ष शिवप्रताप, उपाध्यक्ष संदीप श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष श्यामकिशोर राजपूत, उपाध्यक्ष सीमा अग्रवाल (उपाध्यक्ष), रमेश रजक संयुक्त मंत्री, वेद राम प्रजापति, (संयुक्त मंत्री) संदीप कुशवाहा, मनीष अग्रवाल मंत्री पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए।

राखपंचमपुर में नये औद्योगिक आस्थान का प्रस्ताव जल्द लग सकेगें नये उद्योग

(दैनिक भास्कर ब्यूरो)
ललितपुर। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा उद्योग बन्धु में उद्यमियों द्वारा अपने उद्यमों के समस्या में लाये गये प्रत्येक मामले का त्वरित निस्तारण करते हुए उद्यमियों की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिये गये। मिनी औद्योगिक आस्थान, तालबेहट में पुलिया निर्माण हेतु जिला पंचायत अधिकारी द्वारा बताया गया कि पुलिया का निर्माण कराया जा चुका है। मिनी औद्योगिक आस्थान, तालबेहट एवं बार अधिशाषी अभियंता विधुतीकरण के लिए कहा गया। निरीक्षण उपरान्त औद्योगिक इकाइयों को विधुत कनेक्शन के लिए आवदेन देने के लिए कहा गया। औद्योगिकरण को बढ़ावा देने हेतु 10 एकड़ की भूमि का चिन्हिकंन कार्य एवं उपायुक्त उद्योग को राखपंचमपुर में भूमि का निरीक्षण कर नये औद्योगिक आस्थान एवं सुविधायुक्त होने पर जिलाधिकारी को भी अवगत कराने के निर्देश दिये गये। जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन द्वारा अवगत कराया कि उनके विभाग में कई योजानाओं जैसे एक जनपद एक उत्पाद योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के संबंध में जिलाधिकारी द्वारा जिला अग्रणी प्रबन्धक की अनुपस्थित के कारण बैकों अपने स्तर से पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिये गये शीघ्र ही बैकों की एक बैठक आयोजित करने के लिए कहा गया। चन्देरा के उद्यमियों द्वारा स्ट्रीट लाईट को ठीक कराने या नई लगवाने के लिए जिलाधिकारी से अनुरोध किया गया। बैठक में उपस्थित उद्यमी ग्रेनाइट एवं खनिज अधिकारी एक संयुक्त बैठक कर उच्च गुणवत्ता वाली ग्रेनाइट खनन के लिये पट्टे पर दिया जाये। अन्य उद्यमियों की समस्याओं पर भी जिलाधिकारी द्वारा शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी द्वारा उद्यमियों को आश्वस्त किया कि उनको सभी समस्याओं का निस्तारण अवश्य सुनिश्चित किया जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, अधिशाषी अभियन्ता, नगर पालिका, आभीहित अधिकारी, खाद्य सुरक्षा एवं औषधी, अग्निशमन अधिकारी एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण उद्यमीगण द्वारा भाग लिया गया। बैठक का संचालन उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन द्वारा किया गया।

करें जरूरी उपाय

पर्याप्त नींद ले, पौष्टिक आहार ग्रहण करें- प्रोटीन युक्त डायट लें, बिना जरूरी काम के घर से बाहर नहीं जाएँ, अगर जाना पड़ रहा है तो कोविड प्रोटोकॉल के अनुसार ही जाएं, नियमित सैर को जाएँ और व्यायाम करें, गुनगुना पानी पीयें, नियमित धूप ग्रहण करें। यह विटामिन डी का अच्छा स्रोत होता है, बिना वजह शादी और पब्लिक प्रोग्राम में जाने से बचे, स्कूल और कॉलेज में मास्क जरूर उपयोग करें और उचित दूरी का पालन करें।

बीमा क्लेम ब्याज सहित दिलाने की मांग

(दैनिक भास्कर ब्यूरो)
ललितपुर। वर्ष 2019 में अतिवृष्टि से नष्ट हुयी खरीफ की फसल का बीमा क्लेम अभी तक किसानों को नहीं दिया गया है। किसानों को बीमा धनराशि ब्याज सहित दिये जाने की मांग को लेकर किसानों ने बुधवार को जिलाधिकारी के जरिए शासन को पत्र भेजा है। अन्यथा की स्थिति में आमरण अनशन की चेतावनी दी है। किसानों ने शासन को भेजे शिकायती पत्र में बताया कि भावनी बांध में किसानों का जमीन, पेड़, मकान, बंधिया एवं आदि का पैसा नहीं मिला, उनका पैसा 2014 का जो कानून बना उसी हिसाब से पैसा दिया जाय। कहा कि अधिकारियों द्वारा यही कह कर किसानो की रजिस्ट्री करवायी थी। तो वहीं उन्होंने किसानों के बच्चों की विद्यालय में फीस माफ किये जाने, ब्लाक स्तर पर आधार कार्ड बनवाये जाने हेतु सेवा केन्द्र खुलवाये जाने, विधवा, वृद्ध पेशन, गरीबी रेखा के नीचे यापन करने वालों को लाक स्तर पर शिविर लगाकर राशन कार्ड बनवाये जाने, मोखरा एवं बड़ी नहर में पुलवारा तक पानी को टेल पर पहुंचाया जाने एवं भावनी एवं गेंदोरा एव भैलोनी सूवा तक सी.सी.नहर बनवाये जाने की मांग उठायी है।

पेयजलापूर्ति की समस्या को त्वरित करें निस्तारित : डीएम

- कोर कमेटी की बैठक में डीएम ने अधिकारियों को दिये निर्देश

ललितपुर। कोर कमेटी की बैठक में अधिकारियों को निर्देशित करते डीएम

(दैनिक भास्कर ब्यूरो)
ललितपुर। जिलाधिकारी अन्नावि दिनेशकुमार की अध्यक्षता में कोविड-19 कोर कमेटी की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में सर्वप्रथम विगत 24 घंटे के कोविड परिणामों पर चर्चा हुई। जनपद की पेयजल आपूर्ति की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि समाचार पत्रों के माध्यम से प्रकाशित पेयजल की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करायें। कांटेक्ट ट्रेसिंग की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सर्दी बढने पर संक्रमण का खतरा भी बढ़ रहा है, ऐसे में रैनबसेरों में रुके यात्रियों की जांच करायी जाये, साथ ही निगरानी टीमें भी प्राइवेट क्लीनिकों पर आने वाले संदिग्ध मरीजों की निगरानी करते रहें। डोर 2 डोर सर्विलांस की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि सर्वे किये गए ग्रामों को क्रॉस चेकिंग की जाये, साथ ही जिन ग्रामों में सर्दी, खांसी के मरीज हैं उनमें चिन्हित कर जांच करायी जाए। कोविड अस्पतालों की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि अस्पताल में मरीजों के खाने-पीने पर विशेष ध्यान दिया जाये, साथ ही होम आईसोलेशन के मरीजों के स्वास्थ्य की जानकारी लेते रहें। साफ सफाई एवं सैनिटाइजेशन की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका एवं जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि अपने अपने क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखे। साथ ही विभिन्न प्रचार माध्यमों से शासन के दिशा-निर्देशों को प्रसारित करायें, साथ ही लोगों को कोविड के बचाव के तरीकों के प्रति जागरुक करें। इसके अलावा ईओ अतिक्रमण के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही करें। बैठक में यह भी बताया गया कि जनपद में कोविड गाइडलाइन के नियमों को पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से प्रसारित कराया जा रहा है, साथ ही मास्क के बिना घूमने वालों से चालान कर जुर्माना भी वसूला जा रहा है।

बैठक में सीडीओ अनिल कुमार पांडेय, अपर जिलाधिकारी अनिल कुमार मिश्र, सीएमएस (पुरुष) डा.अमित चतुर्वेदी, मलेरिया अधिकारी मनोज कुमार, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक रामशंकर, जिला होम्योपैथिक अधिकारी, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा.हुसैन खान, डा.डीसी दोहरे, क्षय रोग अधिकारी डा.जे.एस.बक्शी सहित चिकित्सा विभाग के अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे।

लोगों को जागरूक करने के लिए करायें मुनादी : डीएम

कोर कमेटी की बैठक में हुयी समीक्षा

ललितपुर। जिलाधिकारी अन्नावि दिनेशकुमार की अध्यक्षता में कोविड-19 कोर कमेटी की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में सर्वप्रथम विगत 24 घंटे के कोविड परिणामों पर चर्चा हुई। कांटेक्ट ट्रेसिंग की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जांच के समय सभी मरीजों का नाम, पता तथा घर के पास का लैण्डमार्क स्पष्ट रुप से लिखा जाये, जिससे ट्रेसिंग आसानी से हो सके। कोविड अस्पतालों की समीक्षा के दौरान बताया गया कि कोविड अस्पतालों में भोजन, गर्म पानी एवं समय से दवाएं उपलब्ध करायी जा रही हैं। इस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि कोविड अस्पतालों में खाने व पेयजल की कोई समस्या नहीं होनी चाहिए, मास्क एवं सैनेटाईजन का प्रयोग अनिवार्य रुप से करायें। डोर 2 डोर सर्विलांस की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि सर्वे में संदिग्ध मरीजों को चिन्हित कर सूचना उपलब्ध कराएं साथ ही जो कर्मचारी सर्वे में रुचि नही दिखा रहे हैं उन पर आवश्यक कार्यवाही करें। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जनपद में बिना मास्क के घूमने वालों एवं क्षमता से अधिक सवारी बैठाने वालों के विरुद्ध चालान की कार्यवाही कर जुमार्ना वसूला जा रहा है। इस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि बाजारों में एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर लोगों को कोविड के प्रति जागरुक करें। संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि मच्छरों के लार्वा को निरीक्षणों में नष्ट किया जा रहा है, साथ ही पात्रों में भरे हुए निष्प्रयोज्य पानी को खाली कराया जा रहा है। इस पर निर्देश दिये गए कि जहां लार्वा पाया जा रहा है, उन्हें नोटिस जारी करें। साफ सफाई एवं सैनिटाइजेशन की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका एवं जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि अपने अपने क्षेत्रों में स्वच्छता के साथ साथ लोगों को कोरोना के प्रति जागरूक करने के किये मुनादी कराते रहें। इस पर जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में डुग्गी/मुनादी के माध्यम से कोविड से बचाव हेतु प्रचार प्रसार कराया जा रहा है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अनिल कुमार पांडेय, अपर जिलाधिकारी न्यायिक लवकुश त्रिपाठी, अपर पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ मुकेश दुबे, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (पुरुष) डॉ अमित चतुर्वेदी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (महिला) डॉ0 हरेन्द्र सिंह चौहान, जिला मलेरिया अधिकारी मनोज कुमार, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक रामशंकर, जिला होम्योपैथिक अधिकारी, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ हुसैन खान, डॉ डीसी दोहरे, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ जेएस बक्शी सहित चिकित्सा विभाग के अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे।

पटौराकलां में लगाया गया श्रमिक पंजीयन कैम्प

ललितपुर। श्रम प्रवर्तन अधिकारी डी.पी.अग्रहरि द्वारा ग्राम पटौरा कलां में श्रमिक पंजीयन कैम्प लगाकर लगभग 150 श्रमिकों के पंजीयन किये गये। श्रमिक पंजीयन शिविर के आयोजन हेतु "श्री भगवत सेवा संस्थान" के प्रबन्धक नागेन्द्र रावत की भागीदारी भी अहम रही। ग्रामीण क्षेत्र के श्रमिकों के आने-जाने की समस्या देख शासन की मंशास्वरूप गांव में ही पहुंचकर कार्य करने का निर्णय लिया गया और श्रम विभाग की टीम ने पहुंचकर श्रमिक पंजीयन कैम्प लगाया। ग्रामीणों को जागरूक करने हेतु स्थानीय संस्था द्वारा पूर्व से ही प्रोत्साहित किया गया जिससे श्रमिक मौके पर बैंक पासबुक, आधार कार्ड व एक फोटो सहित उपस्थित हुये। श्रमिकों को बोर्ड द्वारा संचालित मातृत्व हितलाभ योजना, सन्त रविदास शिक्षा सहायता योजना, मेधावी छात्र पुरूस्कार योजना, चिकित्सा सुविधा योजना, निर्माण कामगार मृत्यु एवं विकलांगता सहायता एवं अक्षमता पेंशन योजना एवं निर्माण कामगार अंत्येष्टि सहायता योजना की जानकारी दी गयी। श्रम प्रवर्तन अधिकारी ने बताया कि श्रम विभाग में पंजीकरण कराने हेतु निर्माण कार्य में विगत 12 माह में 90 दिन कार्य करने का प्रमाण-पत्र/स्वः प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड व बैंक पासबुक की छायाप्रति प्रस्तुत कर श्रम विभाग में पंजीयन कराया जा सकता है। अपील की गयी कि अधिक से अधिक निर्माण श्रमिक अपना पंजीयन करायें और शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न हितकारी योजनाओं का लाभ लें।

भक्तिभाव से किया गया यागमण्डल विधान

- सादा जीवन व्यतीत करें : मुनिश्री
- अटा जैन मंदिर में चल रहा है वेदी प्रतिष्ठा
- याग मंडल विधान का त्रिदिवसीय आयोजन
- भद्रबाहु का वैराग्य नाटिका देख श्रद्धालु हुए भाव-विभोर

ललितपुर। कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते मुनिश्री

(दैनिक भास्कर ब्यूरो)
ललितपुर। नगर के अटा जैन मंदिर में श्रीमज्जिनेन्द्र मुनिसुव्रतनाथ वेदी प्रतिष्ठा, याग मंडल विधान एवं विश्वशांति महायज्ञ का त्रिदिवसीय आयोजन आचार्यश्री विशुद्ध सागर महाराज के प्रभावक शिष्य मुनिश्री सुप्रभ सागर महाराज, मुनिश्री प्रणत सागर महाराज के मंगल सान्निध्य में देश के ख्यातिलब्ध प्रतिष्ठाचार्य ब्र.जयकुमार निशांत भैया के निर्देशन में कोविड की गाइडलाइन का पालन करते हुए दिगम्बर जैन पंचायत समिति के तत्वावधान में चल रहा है। सह प्रतिष्ठाचार्य पंडित मनीष संजू हैं। रविवार को आयोजन के द्वितीय दिन प्रातः अभिषेक, शांतिधारा व संगीतमयी पूजन की गई। इस अवसर पर मुनिश्री सुप्रभसागर महाराज ने कहा कि सादा जीवन और उच्च विचार प्रत्येक व्यक्ति के जीवन का आदर्श होना चाहिए। हालांकि लोग इन दिनों अपनी सोच के साथ शानदार जीवन व्यतीत करते हैं और केवल उन चीजों तक ही सीमित रहते हैं जिनसे उन्हें सांसारिक सुख प्राप्त होता है। अपनी आवश्यकताओं और इच्छाओं के बीच अंतर पहचानें। पहली और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आपको अपनी आवश्यकताओं और इच्छाओं के बीच भेद करना है। याद रखें कि आपकी ज़रूरतें सीमित हैं लेकिन इच्छाएं असीमित हैं। उन्होंने कहा कि वेदी के संस्कार के साथ स्वयं भी संस्कारित हों। धर्म जीवन को उन्नत बनाता है। इसलिए ऐसे आयोजनों से जुड़कर हमें अपना जीवन उन्नत बनाते रहना चाहिए। दोपहर में यागमण्डल विधान का आयोजन किया गया।

अतिथियों का स्वागत जैन पंचायत ने किया। दिल्ली के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत भद्रबाहु का वैराग्य भव्य नाटिका में दिगम्बर जैन साधु की साधना व महत्व को देखकर श्रद्धालु विभोर हो उठे। कलाकारों ने अपनी विलक्षण प्रतिभा का परिचय देते हुए सभी पात्रों के बोल उनकी आवाज में बोले और पात्रों ने अभिनय किया।

श्री गुरुनानकदेव प्रकाशोत्सव पर्व विशेष

नानक के मीठे बोल दबे-कुचले लोगों का पक्ष लेते हैं

(दैनिक भास्कर ब्यूरो)
ललितपुर। श्रीगुरुनानकदेव के प्रकाशोत्सव पर्व की पूर्व सन्ध्या पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए नेहरू महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रो.भगवत नारायण शर्मा ने कहा कि सदियों से जात-पांत से उत्पन्न ऊँच-नीच की सामंतीय चट्टान के नीचे जनसाधारण की सहृदयता और प्रेम का जो जल सिमट रहा था, वह मध्यकालीन भक्ति आन्दोलन के समय संतों की वाणी में अचानक फूट पड़ा और समरसता से सारे देश को रससिक्त करता चला गया। इस भक्ति-सागर की सबसे बड़ी हिलोर गुरुनानकदेव ने अपनी देशव्यापी यात्राओं के अलावा विदेशों में मक्का-मदीना, बगदाद, तुर्किस्तान, काबुल, तिब्बत, काठमाण्डू, येरुसलम, समरकंद आदि देशों में जाकर लगभग 38 हजार मील की यात्राएं करके संदेश दिया कि मानवप्रेम की भाषा सर्वत्र एक सी है। मनुष्य के सुख-दुख भी एक से हैं। इसलिए क्यों न सभी का एक ही सांझा-चूल्हा क्यों न हो? आदिगुरु ने अपनी रहमदिल मिठास से सभी सुनने वालों का मनमोहित कर लिया। नानात्व में छिटके और बंटे लोगों को प्रेम की डोर में बांध लिया। उनके शबद भौगोलिक बंधनों को तोड़कर सात समुद्र पार फैलते चले गए। मुरझाये चेहरों पर लालिमा की नई चमक बढ़ती चली गई। उनका युग राजनीतिक, सामाजिक, आध्यात्मिक और आर्थिक संकट का युग था। लोग ऊपरी आडम्बर को ही धर्म समझने लगे थे। अतार्किक रूढियों, धर्मान्धता की गिरफ्त में फंस रहे थे। गुरुग्रन्थ साहब की मल्हार की बार श्लोक में उन्होंने कहा है कि राजे-महाराजे सिंह के समान हिंसक और चौधरी लोग कुत्ते के समान लालची हो गए हैं। तंत्र के नौकर-चाकर अपने तीखे नाखूनों से घाव करके लोगों का खून चूस रहे हैं । उन्होंने कलयुग को काती और राजाओं को कसाई कहा और माना कि वास्तविक धर्म पंख फैलाकर कहीं उड़ गया है। ऐसे कुसमय में झूठ और फरेब की काली अमावस्या को चीरते हुए गुरु नानकदेव प्रखर सूर्य और शीतल चंद्रमा की तरह उदित हुए। वस्तुतः कितनी रातों से निचोड़ा है उजाला तुमने, रात की कब्र पर बुनियादे सहर (सुबह) रक्खा है। उनकी शिक्षाओं का निचोड़ है जो उनकी जपुजी साहिब रचना में सन्निहित है। सत्य ही ईश्वर है, और ईश्वर ही सत्य है, न किसी से डरो, न किसी को डराओ। गुरु नानकदेव कहते हैं कि आई पंथी सगल जमाती, मनि जीतै जगु जीतु।

किसान खालिस्तानी नहीं है देश के नेता होश में आये :जादौन

- कश्मीर में शहीद हुआ सूचना मिली आंदोलन करने वाले किसान को बॉर्डर पर 70 से 80 प्रतिशत किसान देश के सत्ता को परिवर्तित करने में सक्षम
- गोली खायेंगे परंतु अपनी मांगें पूरी करवाने के लिए इसी मिट्टी में मिल जायेगे

मुकेश उदैनिया

उरई जालौन। किसान खालिस्तानी नहीं जो भी नेता इस तरह की बात कर रहे हैं वह उसने 70 से 80 प्रतिशत देश में किसान है जो सत्ता परिवर्तन के लिए पर्याप्त है। गोली खायेगे, लाठी खाएंगे परंतु अपनी जमीनों का सौदा नहीं करेंगे इसलिए जब तक मांगे पूरी नहीं होती हैं आंदोलन से देश की सड़कों पर कदमताल थमेंगे नहीं।

दिल्ली दूर नहीं है और जिन किसानों पर इस ठंड के मौसम में पानी से बौछार की जा रही है। उन्हीं किसानों का योगदान देश में अन्नदाता के रूप में रहा है यह बात भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष राजवीर सिंह यादव ने प्रेस वार्ता के दौरान कही उन्होंने कहा कि सत्ता का घमंड इस तरह से मोदी सरकार में सिर चढ़कर बोल रहा है कि आज किसान पाकिस्तानी और खालिस्तानी नजर आने लगा है। कुछ अपने ही समर्थकों को बैठाकर इस तरह का माहौल बना रहे हैं जिससे किसान आंदोलन में फूट पड़ जाये परंतु किसान जो देश का पेट भरना जानता है। वह इतना बुद्धिमान है कि इनके झांसे में नहीं आने वाला नही है। अगर कानून इतना अच्छा था तो देश के किसान आंदोलित नहीं होते। आज देश के किसानों की जमीन पर मोदी सरकार की निगाहें टिक गई हैं और जो इनके रत्न पुत्र कहलाये जाते हैं। अंबानी और आडवाणी को लेकर इनको फायदा पहुंचाने के लिये जो प्रयास चल रहा है उससे हम लोग पूरा नहीं होने देंगे। अपनी जमीन पर अपना हक किसान का रहा है और रहेगा जो नीति बनाई जा रही है कि चंद पूंजीपतियों के हाथों में देश का 80 प्रतिशत के साथ दिया जाये और चंद पूंजीपतियों ने अपने ढंग से कठपुतली की तरह न जा सके। पहले किसानों का सस्ते में गेहूं चना एवं अन्य चीजों को खरीदते हैं और विश्व बाजार में अपने कीमतों को निर्धारित करके यह किसानों को जिस तरह से बर्बाद करना चाहते हैं उनकी यह मनोकामना को पूरा नहीं होगा। दिल्ली हम कुच करके मानेंगे रामलीला मैदान में अपने सभाये लगाएंगे अगर रोक सके तो रोक ले हम तो चल पड़े हैं। वतन पर अपनी मांगे पूरी कराने के लिए जो किसान भाई हैं वह साथ दें ताकि मोदी सरकार से आर-पार की लड़ाई लाई जा सके। वहीं सात महीने से किसान अपनी मांगें पूरी कराने के लिये शांतिपूर्वक आंदोलन तो रहा है फिर भी किसान को पाकिस्तान से तुलना करना यह हमारे देश का दुर्भाग्य है। लोकतंत्र में किसानों के किस्मत का फैसला करेंगे और उनकी घटना सुनकर अपनी हठधर्मिता पर अड़े रहेंगे। यह कहां का न्याय है रावण को भी सत्ता का घमंड था जो एक दिन चूर हो गया फिर मोदी सरकार चंद दिन की मेहमान हैं। किसानों के प्रति जो अत्याचार किया जा रहा है। वह उन्हीं पर भारी पड़ेगा। मोदी सरकार या भूल गई है कि पुलिस हो या सेना आरपीएफ व जीआरपी सभी में किसानों के बेटे हैं कहीं न कहीं देश में अपना योगदान कर रहे हैं। वही जो अधिकारी देश के अंदर है वह भी किसान के बेटे हैं इसलिये देश का हर दूसरा आदमी किसान हैं। किसानों की जो मांगे हैं उन्हें पूरा करने की बात जब तक नहीं होगी तब तक हम अपने मांगो से नहीं हठेगे।

बच्चों को बिटामिन ए की खुराक पिलाई, बजन लिया गया

कोंच। ग्राम पडरी में शनिवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनांतर्गत उप स्वास्थ्य केंद्र पनयारा से आई टीम ने बीएचएनडी कार्यक्रम के तहत विटामिन ए की खुराक पिलाई और गभर्वती महिलाओं की जांच की गई, बच्चों का वजन लिया गया। इसके बाद एएनएम लाली यादव ने गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया, ब्लड प्रेशर नापा, वजन लिया और सुगर आदि चेक किया। आशा वर्कर आरती अहिरवार व आंगनबाड़ी सीमा सचान ने सभी को सोशल डिस्टेंस रखते हुए दूर दूर बैठाया। उनको करोना जैसी महामारी के बारे में जानकारी दी और कहा की सभी को दो गज की दूरी पर रहना चाहिए, घर के बाहर न निकलें और बच्चों को भी बाहर न निकलने दें। खान पान का बिशेष ध्यान रखें जिससे होने बाले बच्चे कुपोषण का शिकार न हों। बताया कि बच्चा कुपोषित न हो इसके लिए सरकार द्वारा मुफ्त दवा दी जाती है। इस अवसर पर आंगनवाड़ी सीमा सचान, आशा बहू आरती अहिरवार, सहायिका गंगादेवी आदि उपस्थित रहीं।

भाजपा का मतदाता सम्मेलन संपन्न

कोंच। नगर भाजपा द्वारा इलाहाबाद-झांसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद् सदस्य पद हेतु भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी डॉ. यज्ञदत्तशर्मा के पक्ष में स्नातक मतदाता सम्मेलन सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित किया गया।

भाजपा नगर अध्यक्ष सुनील लोहिया की अध्यक्षता और क्षेत्रीय महामंत्री रामकिशोर साहू, क्षेत्रीय मंत्री संजीव उपाध्याय के विशिष्ट आतिथ्य में संयोजित कार्यक्रम में कोंच-माधौगढ विधायक मूलचंद निरंजन ने उपस्थित कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क कर डॉ. शर्मा के पक्ष में मतदान कराने का आह्वांन करते हुए कार्यकर्ताओं से चुनाव में प्राण पण से जुटने के लिए कहा। क्षेत्रीय महामंत्री रामकिशोर साहू व क्षेत्रीय मंत्री संजीव उपाध्याय ने भी कार्यकर्ताओं का उत्साहबद्र्घन किया। संचालन नगर महामंत्री आशुतोषकुमार मिश्रा ने किया। इस दौरान दिलीप दुबे, वीरेंद्रसिंह

कोंच। दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि

निरंजन, अंजू अग्रवाल, जगदीश तिवारी, अमित निरंजन, अमित समाधिया, रामलखन औदीच्य, दीपक मिश्रा, मनोज राजपूत, पिछड़ा वर्ग के जिलाध्यक्ष महेंद्र सोनी, ओपी कुशवाहा, मनीष नगरिया, प्रोफेसर वीरेंद्रसिंह, केके मिश्रा, ओमशंकर अग्रवाल, विनोद अग्निहोत्री, कमलेश चोपड़ा, शंभूदयाल स्वर्णकार, सुनीलकांत तिवारी, बादामसिंह कुशवाहा, प्रेमनारायण वर्मा, अनिल पटेल, विहिप अध्यक्ष साकेत शांडिल्य, अजय रावत, अनिल अग्रवाल, धर्मेंद्र यादव, रामबिहारी राठौर, प्रभंजन गर्ग, अर्चना सोनी, प्रदीप वर्मा, राजेंद्र दुबे, अवध यादव ,ऋषि अग्रवाल, मनोज कुशवाहा, रविकांत कुशवाहा, नरेंद्र विश्वकर्मा, शीलू कुठौलिया, रवीन्द्र रायकवार, डॉ. वसीम अहमद, अरविंद राठौर, आनंद सेठ, मयंकमोहन गुप्ता, रामलखन कुशवाहा, मुकेश राठौर, दीपक तिवारी,बसंत अग्रवाल, सौरव पुरवार, ऋतुराज प्रजापति आदि उपस्थित रहे।

खाद न मिलने से किसान हुए परेशान, मायूसी लगी हाथ

माधौगढ़ - इन दिनों गेहू की बुवाई का काम समय चल रहा है। किसानों को समय पर खाद न मिलने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खाद के लिए भी बिक्री केंद्रों पर किसानों की अच्छी खासी भीड़ लगी रहती है। सहकारी समिति और इफको किसान सेवा केंद्र पर किसानों की काफी भीड़ लगी रही। दिन भर किसानों को खाद लेने के लिए यहां पर जमावड़ा लगा रहा। किसान दिन भर खाद लेने के लिए खाद की गाड़ी आने के इंतजार में बैठे रहे।

नगर उमरी निवासी किसान रामसुन्दर तिवारी , राजेन्द्र दोहरे , प्रमोद तिवारी, रामेश्वरी , केशव सिंह आदि किसानों का कहना है कि समय पर खाद न मिलने के कारण उन्हें आने जाने की समस्या तो होती ही है साथ ही उनकी फसलों को समय पर खाद न मिलने के कारण उनके भी बर्बाद होने का खतरा बढ़ता जा रहा है। जिससे किसान दर दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं खाद की गाड़ी न आने के कारण किसानों को खाली हाथ ही वापिस अपने घरों को लौटना पड़ा। जिसका न ही प्रशासन ने ही कोई ध्यान दिया सहकारी विपणन एवं प्रशासन समिति में खाद किसानों को समय पर मुहाइया ना हो पाना उनके के लिए मायूशी की बात है। हालांकि यदि कहा जाये तो हर बार किसान यूरिया खाद की कमी का हवाला देते हुए पर्याप्त यूरिया उपलब्ध कराने की मांग करता है लेकिन क्षेत्र में जरूरत के मुताबिक यूरिया खाद को उपलब्ध नहीं कराया जाता। सीजन के दौरान किसानों को परेशानी होती है और ब्लैक में यूरिया खरीदना पड़ता है। वहीं कृषि विभाग हर साल यूरिया सहित अन्य उर्वरक पर्याप्त मात्रा में होने का दावा करता है लेकिन दावों की हकीकत किसी से छिपी नहीं है। सीजन आते ही यूरिया सहित अन्य खाद के लिए मारा-मारी मच जाती है।

आज मित्रता स्वार्थ पर आकर टिकी : कथावाचक प्रियंका शास्त्री

जालौन। आज मित्रता मात्र स्वार्थ पर आकर टिक गई है, लेकिन मित्रता का संबंध एक ऐसा संबंध है। जिससे बड़ा संबंध न तो कोई है और न ही होगा। यह बात ग्राम प्रतापपुरा स्थित शंकरजी मंदिर पर आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिन कथा वाचक प्रियंका शास्त्री ने उपस्थित श्रोताओं को संबोधित करते हुये कही।

प्रतापपुरा में शंकरजी मंदिर पर आयोजित साप्ताहिक श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के अंतिम दिन कथा वाचक प्रियंका शास्त्री वृंदावन धाम ने उपस्थित श्रोताओं के समक्ष भगवान श्रीकृष्ण और उनके बाल सखा सुदामा के मित्र चरित्र का मार्मिक वर्णन किया। उन्होंने कृष्ण और सुदामा की मित्रता के बारे में गहनता से बताया। उन्होंने कहा कि मित्रता अपने आप में एक परिपूर्ण रिश्ता है। इसमें स्वार्थ का कोई स्थान नहीं होता है। मित्रता का संबंध एक ऐसा संबंध है, जिससे बड़ा संबंध न तो कोई है और न ही होगा। सुदामा चरित्र से पता चलता है कि कृष्ण ने इस संसार को सच्ची मित्रता का पाठ पढ़ाया है। कृष्ण के राजा होने के बाद भी वर्षों बाद सुदामा को पहचानना और उन्हें अपने समान आदर दिलवाना और प्रेम में चावल खा दो लोकों का राजपाट देना, सच्ची मित्रता को ही इंगित करता है। सुदामा चरित्र के दौरान संगीतमय भजनों की प्रस्तुति से बैठे श्रोतागण झूम कर भक्तिभाव से नृत्य भी कर रहे थे। इस मौके पारीक्षित प्रेमवती, प्रयागनारायण परिहार, विमल कुमार, अतुल कुंमार, दीपक, आनंद, विमला, प्रतिमा, अनुपमा आदि भक्त मौजूद रहे।

दबंग ने ग्राम प्रधान को दी जान से मारने की धमकी

जालौन। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अमखेड़ा में दबंग युवक द्वारा ग्राम प्रधान के साथ गाली गलौज कर मारपीट कर जान से मारने की धमकी की शिकायत ग्राम प्रधान ने पुलिस में की। ग्राम प्रधान अमखेड़ा रामसरन दौहलिया ने पुलिस में शिकायत दर्ज करते हुये बताया कि वह रविवार की सुबह गांव में जा रहा था तभी गांव के दबंग युवक संजय सिंह ने उनका रास्ता रोक लिया और गाली गलौज करने लगे। मना करने पर लड़ाई झगड़ा पर आमादा हो गये और मारपीट कर जान से मारने की धमकी देकर चले गये। उन्होंने बताया कि संजय सिंह एक आपराधिक युवक है जिससे उन्हें जान का खतरा है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज किया।

खेत से स्टार्टर चुरा ले गए चोर

कोंच। नदीगांव में मंगलवार की रात्रि अज्ञात चोर खेत पर स्थापित नलकूप की मोटर का बॉक्से में लगा स्टार्टर ताला तोड़ कर चुरा ले गए। मंगल सिंह पुत्र महिपाल सिंह ने थाने में तहरीर देकर बताया कि उसके खेत पचासा पर उसका नलकूप लगा है जिसमें पानी के लिए मोटर लगाई गई है।

कॉँग्रेस लड़ेगी किसानों की लड़ाई -खाबरी

उरई जालौन। नवम्बर को उत्तरप्रदेश कॉँग्रेस कमेटी की प्रभारी राष्ट्रीय महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी जी एवं उत्तरप्रदेश कॉँग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विधायक मा. अजय कुमार लल्लू जी के निर्देश पर जिला कॉँग्रेस कमेटी जनपद जालौन के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष अनुज मिश्रा के नेतृत्व में जिलाधिकारी कार्यालय के गेट पर धरना प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व साँसद बृजलाल खाबरी ने कहा कि केन्द्र सरकार किसानों के साथ अमानवीय व्यवहार कर रही है किसान अपने हक की लड़ाई लड़ रहा है और सरकार उनकी जायज माँगो को दबाने का प्रयास कर रही है कॉँग्रेस पार्टी पूरे देश प्रदेश में किसानों की इस लड़ाई में साथ

खड़ी है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक प्रतिनिधि सुरेंद्र सिंह सरसेला ने कहा कि भाजपा किसान विरोधी संगठन है जो किसानों के ऊपर पानी डालकर और आँसू गैस के गोले छोड़कर उनके प्रदर्शन को कुचलने का प्रयास कर रही है जो कि निंदनीय है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला कॉँग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनुज मिश्रा ने कहा कि केंद्र सरकार किसानों को MSP के बारे में कोई लिखित आश्वासन नहीं दे रही है और किसान विरोधी बिलों को वापस लेने की माँग पर जब किसान दिल्ली में प्रदर्शन करने के लिए जा रहा है तो बॉर्डर पर उनके साथ बर्बरतापूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है जो कि गलत है जिला काँग्रेस कमेटी इस कृत्य की निन्दा करती है और किसानों की लड़ाई को आरपार लड़ने का संकल्प लेती है। कार्यक्रम में पूर्व ब्लॉक प्रमुख अशोक द्विवेदी, दीपांशु समाधिया, अमित पाण्डेय उसरगॉव, नत्थू सिंह सेंगर, श्रीमती शकुन्तला पटेल, शिवनारायण पाल, राघवेन्द्र तिवारी, आजदुद्दीन, हरिओम निरंजन, अरविन्द त्रिपाठी, मेराज सिद्दकी, के के गहोई, रिपुञ्जय उपाध्याय, डॉ हेमन्त रिछारिया, सददाम खान कादरी, धर्मेंद्र द्विवेदी, अविनाश दीक्षित, वीरेन्द्र सिंह, शुजा उद्दीन, शिवम तिवारी,भूरी सविता,सुषमा रायकवार, जयन्ती सोनी, श्यामलता, भारती कुमारी, किरन, सुमन, नेहा, सुनीता, गीता देवी, पुष्पा देवी, रेखा देवी, रामकली, रामप्रकाश, मातादीन सविता, जुझार सविता, अशोक चौधरी सारंगपुर आदि लोग उपस्थित रहे।

पंचतत्व में विलीन हुए लोकतंत्र सेनानी रामा स्वर्णकार

- बीमारी के चलते शनिवार की शाम ली अंतिम सांस
- तहसीलदार ने ओढाया तिरंगा, गारद ने दी सलामी

कोंच। वामपंथी नेता एवं लोकतंत्र सेनानी रामा स्वर्णकार (64) का शनिवार देर शाम आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन का समाचार सुनते ही उनके शुभचिंतकों और जानने बालों में शोक व्याप्त हो गया। वह कुछ समय से बीमार चल रहे थे और उपचार के दौरान कानपुर में उन्होंने अंतिम सांस ली। रविवार दोपहर उन्हें सैकड़ों नम आंखों के बीच कंजरबाबा के समीप स्थित श्मशानघाट पर अंतिम विदाई दी गई। मुखाग्नि इनके बेटे धर्मवीर ने दी। इससे पूर्व तहसीलदार राजेश विश्वकर्मा ने उनके जवाहर नगर स्थित आवास पर पहुंच कर उन्हें तिरंगा ओढाया और पुष्पांजलि अर्पित की। श्मशानघाट पर उरई से

कोंच। -दिवंगत लोकतंत्र सेनानी को सलामी देती गारद, साथ में तहसीलदार व कोतवाल, लोकतंत्र सेनानी रामा स्वर्णकार का फाइल चित्र

आई गारद ने उन्हें सलामी दी। कामरेड दयाराम कुशवाहा की अगुवाई में वामपंथियों ने भी उन्हें लाल झंडा ओढाया।

गौरतलब है कि वामपंथी नेता रहे रामा स्वर्णकार मूल रूप से ग्राम धनौरा के निवासी थे लेकिन कई दशकों पूर्व वह अपने पिता लल्लूराम स्वर्णकार और दो भाइयों के साथ कोंच आकर बस गए थे। राजनीति के मौजूदा चलन से इतर इनकी राजनीति बिल्कुल साफ सुथरी रही और जीवन भर वामपंथ से ओतप्रोत रह कर राजनीति में सक्रिय रहे। बाद में समाजसेवा को ही इन्होंने अपना ध्येय बना लिया था और हर समय लोगों की मदद करते रहे।

इन्होंने सैकड़ों वृद्घ और विधवा महिलाओं को पेंशन दिलाने जैसा नेक काम किया जिसके चलते ये पीड़ितों में काफी लोकप्रिय रहे। और हर वक्त लोगों की मदद करते रहते थे।

आपातकाल के दौरान तत्कालीन सरकार के जुल्मों के शिकार हुए तमाम लोकतंत्र सेनानियों के साथ कस्बे के जवाहर नगर निवासी रामा स्वर्णकार ने भी उन्नीस माह जेल की यातनाएं सह कर लोकतंत्र की रक्षा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया था। अंतिम यात्रा में कोतवाल इमरान खान, एसआई धर्मेन्द्रसिंह, लेखपाल सदर नरेन्द्र, लोकतंत्र सेनानी कल्याण समिति के जिलाध्यक्ष ब्रजेन्द्र मयंक, भूपेन्द्र सीरौठिया, संतोष गोयल सहित सैकड़ों लोग शामिल रहे।

जयंत उद्घार एवं ऋषि संवाद लीला का हुआ मंचन

कोंच। भगवान शंकर से प्राण रक्षा की गुहार लगाता जयंत

कोंच। राम-लक्ष्मण को उनदेश देते ऋषि अत्रि

कोंच। श्री नवलकिशोर रामलीला के जारी महोत्सव में शनिवार की रात बजरिया रंगमंच पर 'जयंत उद्धार और ऋषि संवादÓ लीला का मंचन किया गया। प्रसंग में दर्शाया गया कि देवराज इंद्र का पुत्र जयंत वनवास काट रहे भगवान राम की परीक्षा लेने की धृष्टता करता है और कौवे का रूप धारण कर सीता के चरणों में चोंच मार देता है जिससे उनके चरणों से रुधिर की धार बहने लगती है। यह देख कर राम को क्रोध आ जाता है और वह सरकंडे को अभिमंत्रित कर जयंत पर छोड़ देते हैं। प्राण रक्षा के लिए जयंत तीनों लोकों में भागता फिरता है। बिष्णु, शिव और ब्रह्मांा के अलावा वह अपने पिता इंद्र की शरण में भी जाकर प्राण रक्षा की गुहार लगाता है लेकिन उसकी किसी ने रक्षा नहीं की। अंत में नारदजी के कहने पर जयंत प्रभु राम की ही शरण में जाता है और राम उसकी धृष्टता का दंड उसकी आंख फोड़ कर देते हुए प्राणदान दे देते हैं। इसके बाद प्रभु राम ऋषि मुनियों के आश्रमों में जाकर ज्ञान चर्चा करते हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

अत्रि के आश्रम में ऋषि पत्नी माता अनुसुइया जनकनंदिनी सीता को स्त्री धर्म की शिक्षा देकर उन्हें दिव्य वस्त्राभूषण प्रदान करती हैं। शंकर का अभिनय साकेत शांडिल्य, जयंत मोनू ठाकुर, ब्रह्मा रामू पटैरया, इंद्र अनिल अग्रवाल, नारद शिवा अग्रवाल, अत्रि पंकजाचरण वाजपेयी, सुतीक्ष्ण वीरेंद्र त्रिपाठी, अनुसुइया सूरज शर्मा, सरभंग सोनू दुबे ने बहुत ही बढिया निभाए। रामलीला कमेटी के संरक्षक गंगाचरण वाजपेयी, अध्यक्ष सभासद दंगलसिंह यादव, अभिनय विभाग के अध्यक्ष रमेश तिवारी, प्रमोद नगरिया, पिंकेश शुक्ला, साकेत मिश्रा, पवन खिलाड़ी, चंदन यादव आदि व्यवस्थाओं में रहे।

सारसुर्खियां

गायों के दम तोडऩे का सिलसिला जारी है खैरी की गौशाला में

*** अधिकारियों के दौरे के बाद भी प्रबंधन में बदलाव नहीं होने से व्याप्त हैं अव्यवस्थाएं**

कोंच। विकास खंड कोंच के ग्राम खैरी में गौशाला की बदहाली को लेकर अखबार में छपी खबर के बाद हालांकि ब्लॉक के अधिकारियों ने तत्काल गांव का दौरा कर गौशाला की व्यवस्थाएं परखीं और ग्राम प्रधान व सचिव को व्यवस्थाएं दुरुस्त करने की नसीहत भी दी लेकिन उनके आदेश निर्देश हवा में उड़ते नजर आ रहे हैं और अव्यवस्थाओं का अभी भी बोलबाला बना हुआ है और गायों के मरने का सिलसिला तेज हो गया है। रविवार को भी दो गायों ने भूख प्यास और बीमारी के कारण दम तोड़ दिया है।

कोंच। खैरी की गौशाला में खुले में रहने को मजबूर मवेशी

खैरी की गौशाला में व्याप्त अनियमितताओं और अव्यवस्थाओं को लेकर दैनिक भास्कर ने 'रतजगा कर फसलें बचाने में लगे किसान फिर भी चट कर रहे हैं अन्ना मवेशीÓ शीर्षक से 28 नबंवर के अंक में प्रमुखता के साथ यह मसला उठाया था जिसके बाद शनिवार को ही ब्लॉक के अधिकारियों ने थाना पुलिस के साथ गौशाला का निरीक्षण किया था और प्रधान तथा सचिव से गौशाला में भूसे पानी के प्रबंध के अलावा शैड लगवाने के लिए कड़े निर्देश दिए थे लेकिन उनके आदेश निर्देश हवा में चिंदी चिंदी होकर बिखर कर रह गए। आलम अभी भी यह है कि न तो ग्राम प्रधान और न ही सचिव इस बात की गंभीरता को समझ रहे हैं कि सीएम योगी की सर्वोच्च प्राथमिकता बाले इस मुद्दे पर उनकी अगंभीरता उन्हें किस गफलत में डाल सकती है। रविवार को फिर दो गायों ने भूख प्यास और बीमारी की हालत में दम तोड़ दिया है जिससे ग्रामीणों में खासा आक्रोश है। एसडीएम ने एक बार फिर ब्लॉक के अधिकारियों और ग्राम प्रधान को व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिए हैं।

धूमधाम से निकली शालिग्राम की बारात, तुलसी जी के साथ लिए फेरे

कोंच। कार्तिक मास के अवसान पर शनिवार की रात वैकुंठी चतुर्दशी को यहां पटेलनगर में रामदास लोहिया के आवास पर तुलसी और शालिग्राम का विवाह वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुआ। इससे पूर्व श्रीहरि के ही स्वरूप भगवान शालिग्राम की बारात धूमधाम से गाजे बाजे के साथ नगर में निकाली गई जिसमें भक्त मस्ती में नाच रहे थे।

कोंच। धूमधाम से निकलती शालिग्राम जी की बारात

पुरुषोत्तम मास के बाद कार्तिक मास की वैकुंठी चतुर्दशी के अवसर पर जगह जगह भगवान शालिग्राम और तुलसी जी के परिणयोत्सव कार्यक्रम संपन्न हुए। कस्बे के मोहल्ला पटेलनगर में गल्ला व्यवसायी रामदास लोहिया के यहां भी तुलसी-शालिग्राम विवाह धूमधाम के साथ वैदिक रीति से संपन्न हुआ। शालिग्राम की बारात नगर के विद्वान पंडित विनोद दुबे दरोगाजी महाराज के घर से शुरू हुई और गाजे बाजे के साथ मुख्य मार्गों से होती हुई रामदास लोहिया के आवास पर पहुंची जहां पर भगवान शालिग्राम और तुलसी का विवाह विधि विधान के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विद्वान ब्राह्मांणों द्वारा कराया गया जिसमें कन्यादान से लेकर पांव पखराई तक की रस्में की गईं। इस दौरान नरेश लोहिया, अभिषेक लोहिया, सचिन नायक, अमित, दीपक कुमार, पवन कुमार, नीरज, अंकित, प्रमोद दुवे, शीलू वैद सहित तमाम मातृशक्ति भी उपस्थित रही।

आजमी के निधन पर शोकसभा

कोंच। कपिल शर्मा शो, रंगीला राजा, कॉमेडी सर्कस, खतरा खतरा जैसे प्रसिद्ध शो एवं धारावाहिक में लेखन सहित अन्य कार्य करने वाले राइटर एवं डायरेक्टर खालिद आजमी के निधन पर रंगकर्मियों ने श्रद्घांजलि दी। जनपद निवासी खालिद के निधन पर कोंच इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल द्वारा शोकसभा का आयोजन किया गया। जिसमें दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कोंच इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के संयोजक/संस्थापक पारसमणि अग्रवाल ने कहा कि जनपद से निकलकर खालिद आजमी ने मुंबई तक का सफलतम सफर तय करके जनपद को गर्वानुभूति करने का अवसर दिया। मुंबई में सिनेमाई पत्रकारिता और एक्टिंग के पटल पर खुद को सक्रिय रखे सौरभ मिश्रा खालिद आजमी के साथ बिताए पलों के साथ श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहते हैं, खालिद साहब कामयाबी की ऊंचाइयों पर भी पहुंचकर एकदम साधारण इंसान थे, वह काफी मिलनसार, सर्व सुलभ और नवोदितों को प्रोत्साहित करने वाले व्यक्तित्व थे। अभिनेता मानसिंह करामाती ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि खलिद साहब का यूं चला जाना सिनेमा जगत के लिए बड़ी क्षति है।

विचार

कांग्रेस के गर्दिश का यह तौर तरीका चुनाव में हार तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पार्टी के ही कुछ वरिष्ठ नेताओं का नेतृत्व के प्रति बढ़ता आक्रोश और कुछ विश्वास पात्र नेताओं का एक एक कर इस दुनिया को छोड़ कर चले जाना भी पार्टी के बुरे दौर को और बुरा बना रहा है।

संपादकीय

अब खामोश क्यों हैं बुद्धिजीवी व आलोचक?

दिल्ली में प्रवेश की अनुमति मिलने के बाद भी बड़ी संख्या में किसान दिल्ली पंजाब बॉर्डर पर जमे हुए हैं। रविवार देर शाम तक न केवल दिल्ली में किसानों ने बैठक की, बल्कि अपनी आगे की रणनीति पर भी विचार विमर्श किया। वैसे, एक और बैठक होने वाली है, जिसमें यह तय होगा कि दिल्ली जाकर विरोध प्रदर्शन करना है, या दिल्ली हरियाणा की सिंधू बॉर्डर पर ही धरना देना है। किसानों का कहना है कि जब तक सरकार विवादित कानून वापस नहीं ले लेती, तब तक वे यहीं जमे रहेंगे। वे अपनी पूरी तैयारी करके आए हैं। उनके पास भरपूर मात्रा में राशन है। इस बीच, खबर यह भी आ रही है कि पंजाब से हजारों की संख्या में और किसान दिल्ली के लिए रवाना हो चुके हैं। वहीं कहा जा रहा है कि पंजाब के इन किसानों को उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड के किसानों का समर्थन मिला है। ऐसे में कयास ये भी लगाये जा रहे हैं कि यदि किसानों का यह आंदोलन लंबा चलता रहा, तो इन राज्यों के किसान भी दिल्ली कूच कर सकते हैं।

दरअसल, इस आंदोलन के कारण कई तरह की दिक्कतें शुरू हो गई हैं, जहां एक ओर कई ट्रेनें रद्द हो गई हैं, फ्लाइट्स रद्द हो गये हैं, तो वहीं दूसरी ओर दिल्ली-एनसीआर के कई कॉलेजों ने किसान प्रदर्शन के चलते परीक्षाएं टाल दी हैं। और अचानक परीक्षा टालने के फैसले से छात्रों की परेशानी जरूरत से ज्यादा बढ़ गयी है। गौरतलब है कि सिंघु बॉर्डर पर दिल्ली पुलिस ने तीन लेयरों में बैरिकेडिंग कर रखी थी। कंटीले तार, ट्रकों और आखिर में वॉटर कैनन तैनात किये गये हैं। हालांकि बावजूद इसके ये किसानों को नहीं रोक पाये। पंजाब-हरियाणा बॉर्डर से दिल्ली बॉर्डर तक तीन राज्यों की पुलिस ने 8 बार बड़ी नाकेबंदी कर रखी है, लेकिन आश्चर्य की बात तो ये ही है कि किसान हर बार ट्रैक्टर के सहारे आगे बढ़ते ही चले गये। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किसानों से आंदोलन खत्म करने की अपील करते हुए कहा है कि 3 दिसंबर को उनसे बात की जायेगी, लेकिन किसान अपनी बात पर अडे. हुए हैं और केंद्र सरकार से तीनों कृषि बिलों को वापस लेने की मांग कर रहे हैं।

ऐसे में सवाल ये ही उठ रहे हैं कि तीन दिसंबर तक इसे सरकार ने क्यों टालने की कोशिश की। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। एक, हो सकता है कि किसानों का मनोबल टूट जाए और वे आंदोलन को यहीं पर विराम दे दे। दो, हो सकता है कि सरकार के पास कोई नई योजना तैयार हो जाए, जिससे कि किसानों की समस्याएं खत्म हो जाए। तीन, हो सकता है कि सचमुच सरकार चाहती है कि किसानों की समस्याएं खत्म हो जाए। आश्चर्य की बात तो ये ही है कि जिस किसान को हम अपने अन्नदाता समझते हैं, उनके लिए आज कोई बुद्धिजीवी और आलोचना करने वाले वे तथाकथित पत्रकार सामने खुल कर नहीं आ रहे हैं। खामोश हैं बुद्धिजीवी पत्रकार और आलोचक। केंद्र सरकार कहती है कि तीन कानून किसानों की बेहतरी के लिए है, तो वहीं किसान कहते हैं कि ये कानून उन्हें कंगाल बना देंगे। चैनल वाले खबरें तो दिखा रहे हैं, लेकिन बस खबरें। अखबारों ने भी मौन साध लिया है। लोग गाहे बगाहे, चाय की दुकानों या फिर अड्डा मारते वक्त किसानों के प्रति हमदर्दी तो दिखाते हैं, लेकिन खुल कर बात करने की हिम्मत किसी में नहीं है। खुलकर इनका समर्थन करने का माद्दा किसी भी संस्था में नहीं दिख रहा है। कुल मिलाकर यदि यह कहें कि इस सरकार से पंगा लेना कोई नहीं चाहता, तो शायद गलत नहीं होगा।

वरना पूरे देश में हाहाकार मच जाता

दिलीप शुक्ला

राहुल गांधी ने अपने ट्वीटर अकाउंट पर एक फोटो पोस्ट किया है, जिसमें एक प्रदर्शनकारी किसान पर एक जवान लाठीचार्ज करते हुए देखा जा सकता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि बड़ी ही दुखद फोटो है। हमारा नारा तो जय जवान जय किसान का था, लेकिन आज पीएम मोदी के अहंकार ने जवान को किसान के खिलाफ खड़ा कर दिया। यह बहुत खतरनाक है। जवान और किसानों को लड़ा दिया है। अब आप लोग उस वायरल पोस्ट को देखने के बाद क्या कहेंगे? इसकी निंदा करेंगे, या कहेंगे कि यह सरकार बहुत अच्छा काम कर रही है। भाजपा सरकार में देश की व्यवस्था किस तरह से चरमरा गई है, यह अब सोचने वाली बात है। आश्चर्य की बात तो ये ही है कि जब भाजपा के खरबपति मित्र दिल्ली आते हैं, तो उनके लिए लाल कालीन डाली जाती है, मगर दुख की बात यह भी है कि किसानों के लिए दिल्ली आने के रास्ते खोदे जा रहे हैं। यह कहां का नियम है कि दिल्ली किसानों के खिलाफ कानून बनाए वह ठीक, मगर सरकार को अपनी बात सुनाने किसान दिल्ली आए तो वह गलत?

कुछ किसानों ने आवाज उठाई कि वे या तो रामलीला मैदान में जाना पसंद करेंगे, या जंतर मंतर पर कृषि कानूनों का विरोध करना करना पसंद करेंगे, लेकिन सरकार ने किसानों की एक सुनी। ऐसे में यदि यह कहें कि कृषि विकास को चाहिए ठोस पहल, यह इसलिए, क्योंकि कृषि का अर्थव्यवस्था में योगदान सिर्फ 15 प्रतिशत है, लेकिन करीब 45 से 60 प्रतिशत लोग कृषि पर निर्भर है। ऐसे में कृषि का यदि अच्छे से विकास हो, किसानों को उनकी उपज का अच्छा पैसा मिले, तो कृषि कार्यों से जुड़े 45 से 60 प्रतिशत लोगों की जिंदगी बेहतर हो जायेगी। यह अच्छी बात है कि कोरोना काल में लॉकडाउन लगने या जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति बंद होने या अन्य कारणों से कृषि बहुत ज्यादा प्रभावित नहीं हुआ है, वरना पूरे देश में हाहाकार मच जाता और हम अन्न के लिए तरस जाते।

ऐसा क्यों ?

किसानों को रोकने के लिए पुलिस ने आंसू गैस, वॉटर कैनन और लाठीचार्ज भी किया, जिसको लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट करके केंद्र सरकार पर निशाना साधा है।

अन्नदाता को आतंकवादी कहना किसान का अपमान

के.पी. मलिक

तीन नए कृषि कानूनों से असंतुष्ट किसानों का आंदोलन आगे बढ़ता हुआ दिल्ली आ पहुंचा है। पंजाब और हरियाणा से शुरू हुआ यह आंदोलन उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भी कई जगह फैल चुका है। जगह-जगह किसानों पर पुलिस के अलावा सेना से लाठियां, पानी की बोछारें, आंसू गैस के गोले और दूसरे अत्याचार कराए जा रहे हैं। जहां तक मैं समझता हूं इन किसानों की कोई बड़ी और नई मांग भी नहीं भी नहीं है। किसान सिर्फ संशोधित कृषि कानूनों में, पहले से चला आ रहा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को जारी रखने को कह रहे हैं, बस जो कि कई दशकों से चला आ रहा है हालांकि वाजपेई सरकार में शांता कुमार कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार एमएसपी पर सिर्फ 7 फ़ीसदी किसानों की ही फसल खरीदी जा पाती है। किसानों का कहना है कि सरकार ने बिना किसी चर्चा के, बिना किसी जानकार की राय लिए और बिना किसानों का भला सोचे बिना कृषि बिलों में संशोधन कर दिया है। सवाल यह है कि किसान, क्यों अपनी ही जमीन पर अपनी मेहनत से उगाने वाले अनाज का वह मूल्य भी नहीं ले सकता, जो सरकारों ने ही तय कर रखा है। आज तक किसी किसान ने यह तो नहीं कहा कि उसे अपनी मर्जी से फसलों का भाव चाहिए। आज देश में बनने वाली हर चीज का रेट कंपनियां तय करती हैं, लेकिन किसानों ने आज तक उसी भाव को चुपचाप स्वीकार किया, जो सरकार ने तय कर दिया। और अब उसके उस भाव को भी खा जाने की कोशिश पर अगर वह आंदोलन कर रहा है, और वह भी सिर्फ इसलिए कि उसे जो समर्थन मूल्य सरकार ने गारंटी के तौर पर तय कर रखा है, वह मिलना चाहिए, तो उसे आतंकवादी, खालिस्तानी और देशद्रोही कहा जा रहा है?

मेरा मानना है कि किसानों का दिल्ली में मोदी सरकार को सरकार को स्वागत करते हुए उनको उनकी बात कहने का हक देना चाहिए। आज जब देश की अर्थव्यवस्था धरातल में है, तो यही किसान है, जिसने उसे अपने बल पर कुछ हद तक संभाल रखा है। लॉकडाउन में जब लोगों का रोजगार चला गया, लोगों को खाने के लाले पड़ गए, और कार्पोरेट घराने, नेता काफी हद तक नौकरीपेशा अपनी जान बचाने के लिए अपने-अपने घरों में महफूज थे, तो यही किसान था, उस समय भयंकर गर्मी और चिलचिलाती धूप में अपने गेंहू के खेतों में लगातार काम करते हुए पूरे देश को अन्न खिलाने का काम किया था। यहां तक भूखों को उनके घर जाकर खाना खिलाया। आज वही अन्नदाता अपनी बात कहना चाहता है, तो वह देशद्रोही और आतंकवादी हो गया? क्या देश के अन्नदाता को अपने हक के लिए सरकार से बात करने का भी हक नहीं है। सरकार शायद भूल रही है कि देश की लगभग 80 फीसदी आबादी आज भी किसान परिवारों से ही है और यही आबादी सरकार बनाती और गिराती है। यह कैसा चलन है कि अगर कोई पढ़ा-लिखा व्यक्ति सरकार से सवाल पूछे, तो वह देशद्रोही हो गया? अगर कोई बुद्धिजीवी सवाल पूछे तो वह पाकिस्तानी और अर्बन नक्सली हो गया? अगर कोई किसान, गरीब रोटी और दवा मांग ले तो वह आतंकवादी हो गया? अगर कोई आदिवासी अपनी जमीन बचाने के लिए सरकार की खिलाफत करे, तो वह नक्सली हो गया? अगर कोई विद्यार्थी सरकार के तौर-तरीकों से इत्तिफाक न रखता हो, तो वह टुकड़े-टुकड़े गैंग का सरगना या सदस्य हो गया? और अगर कोई सरकार से सवाल पूछ ले, तो वह देशद्रोही हो गया? मैं पूछना चाहता हूं कि अब जो किसानों के खिलाफ साजिश कर रहे हैं, उन पर लाठियां बरसवा रहे हैं, वे कौन हैं? जो किसानों को आतंकवादी कह रहे हैं, क्या वे पाकिस्तान का खाना खाते हैं? ऐसे लोगों को इतनी भी शर्म नहीं आती कि वे इसी देश की मिट्टी में पले-बढ़े हैं और इसी मिट्टी का अनाज खाकर बड़े हुए हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ क्या सख्त से सख्त कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। किसान आंदोलन कोई आज की बात नहीं है, पहले भी किसानों ने बहुत आंदोलन किए हैं। चौधरी चरण सिंह, महेंद्र सिंह टिकैट, चौधरी बंसीलाल, चौधरी देवीलाल चौटाला और भी कई किसान नेता जिनके आगे सरकार घुटने टेक देती थी, लेकिन कभी भी किसी सरकार ने आज तक किसानों को देशद्रोही और आतंकवादी नहीं कहा। इतिहास गवाह है कि

किसानों ने कभी भी सरकार से अनुचित लड़ाई नहीं लड़ी है। उसने अपनी मेहनत का हमेशा वाजिब हक ही सरकारों से मांगा है, वह उतना ही वाजिब जिसमें उसे घाटा भी रहा हो, पर उसका जीवन चलता रहे। कोई किसान नहीं कहता कि उसकी दो रुपए की चीज कंपनियों की तरह 100 रुपए एमआरपी पर बेचने का उसे हक दिया जाए। आज भी किसानों की अधिकतर फसलें सरकार उधारी पर खरीदती है, चीनी मिलें तो उसे सालों तक पैसा नहीं देतीं, जबकि किसान की एक फसल के पैसे से ही वह दूसरी फसल कर पाता है, तब भी उसने कभी इसके लिए सरकार से लड़ाई नहीं लड़ी। क्या सरकार कंपनियों से यह काम करवा सकती है कि वे अपनी चीजें लोगों को उधार दे दें और साल-दो साल में पैसा लेती रहें?

आज वह अगर संशोधित कृषि बिलों पर संशय करते हुए उनका का विरोध कर रहा है तो सरकार उससे एक-दो घंटे की बात करने से भी कतरा रही है और 3 दिसंबर की तारीख को बार-बार ऐसे दोहरा रही है, जैसे वह तारीख कोई मुहूर्त हो। क्या ये सत्ता में बैठे सियासी लोग किसकी अनुमति मिलने का इंतजार कर रहे हैं? जब सरकार को किसानों से बात करनी ही है, तो उसमें देरी क्यों? इससे तो आम लोगों की परेशानी बढ़ती जाएगी, क्योंकि जब तब सरकार उनसे बात नहीं करेगी, तब तक वे अपने-अपने घरों को लौटेंगे नहीं और सड़कें भरी रहेंगी, किसानों की भीड़ से भी और सेना की घेरेबंदी से भी। दूसरी बात सरकार को जब बात करनी ही है, तो वह किसानों से बुराड़ी आने की जिद क्यों पकड़ रही है? कई रोज से धरने पर बैठा हुआ और सैकड़ों किलोमीटर चलकर आया हुआ किसान पहले ही थका हुआ है, तो सरकार के प्रतिनिधियों को ऐसे में सिंधु बॉर्डर पर चले जाने में क्या तकलीफ है? आज किसानों ने कहीं सेना का विरोध करते हुए छिटपुट पत्थर फेंककर विरोध कर दिया, तो उस पर धारा 307 के तहत मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। लेकिन वही किसान जब अपनी बात बहुत ही आराम से कहना चाहता है, तो उस पर लाठियां बरसवाना, आंसू गैस के गोले फेंकवाना, सर्दी में पानी की ऐसी बोछार मरवाना, जिसके सामने आने पर आदमी 10 मीटर दूर जाकर गिरे, हो सकता है उसे गहरी चोटें लगें। सड़कें खुदवा देना, आतंकवादियों से या किसी दुश्मन से लड़ाई की तैयारी जैसे वैरिकेट लगवाना क्या अपराध नहीं है?

मेरे कहने का मतलब सिर्फ इतना ही है कि देश को तभी खुशहाल माना जा सकता है, जब देश का आम आदमी खुश होगा और किसान, मजदूर से ज्यादा आम कोई नहीं होता। इसलिए सरकार को किसानों की बात सुननी चाहिए और अगर प्रधानमंत्री मौखिक रूप से गारंटी देने की बात कह ही रहे हैं, तो यह गारंटी नए कृषि बिलों में लिखित में देनी चाहिए। ताकि देश में किसी तरह के आंदोलन की आग न भड़के और कोरोना-काल में लॉकडाउन और दूसरी वजहों से आर्थिक पटरी से उतरा देश फिर से उन्नति और तरक्की के रास्ते पर चल सके। मैं कहता हूँ कि अगर कहीं कोई किसानों के बीच कोई अराजक तत्व घुसकर गलत बयानबाजी कर रहा है। पाकिस्तान और खालिस्तान की बात कह रहा है, तो सरकार के पास तमाम साधन है और आज तो डिजिटल मीडिया का जमाना है, सब कुछ रिकार्ड है, उसे तत्काल पकड़ा जाना चाहिए और उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि देश का अन्नदाता बदनाम न हो। क्योंकि यह वही अन्नदाता है, जो अपना नुकसान सह लेता है, लेकिन देश के साथ गद्दारी कभी नहीं करता। यह वही अन्नदाता है, जिसने अंग्रेजों के खिलाफ सबसे ज्यादा लड़ाई लड़ी। यह वही अन्नदाता है, जो आज भी अपने ऊपर लाठियां बरसाने वाले सैनिकों, पुलिसकर्मियों को खाना आज भी खाना खिला रहा है, पानी पिला रहा है।

(लेखक 'दैनिक भास्कर' के राजनीतिक संपादक हैं)

ओंकार सतनाम ही एक अटल सत्य

गुरुनानक देव जी की सीखें हर काल में प्रासंगिक रहेंगी।
एक ओंकार सतनाम, कर्तापुरख, निर्माह निर्वैर, अकाल मूरत, अजूनी सभं. गुरु परसाद॥

डॉ नीलम महेंद्र

ये गुरुनानक देव जी के मुख से निकले केवल कुछ शब्द नहीं हैं। ना ही इनकी ये पहचान है कि ये गुरुग्रंथ साहिब का पहला भजन है। ये तो वह मूल मंत्र है, जो ना सिर्फ सिख संगत को उस सर्वशक्तिमान ईश्वर के गुणों से रूबरू कराता है, बल्कि सम्पूर्ण मानव समाज को ही दिशा दिखाता है। श्री गुरुनानक देव जी के मुख से निकले ये शब्द वे बीज हैं, जो कालांतर में सिख धर्म की नींव बने। विश्व के पांचवें सबसे बड़े धर्म के संस्थापक गुरुनानक देव जी की सीखों की वर्तमान समय में प्रासंगिकता की बात करने से पहले हम सिख शब्द को समझ लें। दरअसल, सिख का अर्थ होता है शिष्य। अर्थात जो गुरुनानक देव जी की सीखों को एक शिष्य की भांति अपने आचरण और जीवन में अपना ले, वह सिख है और हम सभी जानते हैं कि उनकी सीखों में सबसे बड़ा धर्म मानवता है, इसलिए उनकी सीखें हर काल में प्रासंगिक हैं।

जब गुरुनानक देव जी कहते हैं कि एक ओंकार, सतनाम, तो उनके अध्यात्म की इस परिभाषा को केवल उनके अनुयायी ही नहीं, बल्कि प्राचीन वेद विज्ञान से लेकर आधुनिक विज्ञान भी स्वीकार करने पर विवश हो जाता है। वे कहते हैं, एक ओंकार सतनाम यानी ओंकार ही एक अटल सत्य है। ओंकार यानी ॐ। यह तो हम सभी जानते हैं कि हम जो भी कहते हैं, जिन भी शब्दों का उच्चारण करते हैं, उनकी एक सीमा होती है, लेकिन ओंकार असीमित है। प्राचीन ऋषियों ने भी ॐ को अजपा कहा है, क्योंकि ॐ शब्दातीत है, यानी शब्दों से परे है। और आधुनिक विज्ञान भी यह स्वीकार करता है कि ॐ कोई ध्वनि नहीं, बल्कि एक अनाहत नाद है, क्योंकि ध्वनि तो दो वस्तुओं के टकराने से या कंपन से उत्पन्न होती है लेकिन ॐ किसी से टकराने से उत्पन्न नहीं हुआ। जहाँ टकराहट हो, वहाँ भला ॐ कहाँ? जब भीतर बिल्कुल शांति हो, अंदर के सारे स्वर बंद हो जाएं, सभी द्वंद मिट जाए, तो एक अनाहत से हमारा संपर्क होता है और हम ॐ से जुड़ पाते हैं और एक अनोखी ऊर्जा को महसूस कर पाते हैं। ॐ का हमारे भीतर के सत्य और शुभ से लेना देना है। इसलिए जब वे कहते हैं कि एक ओंकार, तो वे कहना चाहते हैं कि ईश्वर एक ही है, जो हम सब के भीतर ही निवास करता है और यही सबसे बड़ा सत्य भी है।

॥ जप आद सच, जुगाद सच, है भी सच, नानक होसे भी सच॥

जब 15वीं सदी में गुरुनानक देव जी ने सिख धर्म की स्थापना की थी, तो यह धर्म के प्रति लोगों के नजरिए पर एक क्रांतिकारी बदलाव की शुरुआत थी। यह उस विरोधाभासी सोच पर प्रहार था, जो व्यक्ति के सांसारिक जीवन और उसके आध्यात्मिक जीवन को अलग करती थी। अपने विचारों से गुरुनानक देव जी ने उस काल के सामाजिक और धार्मिक मूल्यों की नींव ही हिला दी थी। उन्होंने पहली बार लोगों को यह विचार दिया कि मनुष्य का सामाजिक जीवन उसके आध्यात्मिक जीवन की बाधा नहीं है, बल्कि उसका अविभाज्य हिस्सा है। सदियों की परंपरागत सोच के विपरीत गुरुनानक जी वे पहले ईश्वरीय दूत थे, जिन्होंने जोर देकर कहा था कि ईश्वर पहाड़ों या जंगलों में भूखा रहकर खुद को कष्ट देने से नहीं मिलते, बल्कि वह सामाजिक जीवन जीते हुए दूसरों के कष्टों को दूर करने से मिलते हैं। उनके अनुसार व्यक्तिगत मोक्ष का रास्ता सेवा कार्य द्वारा समाज के लोगों को दुखों से मोक्ष दिला कर निकलता था। इसके लिए उन्होंने अपने भक्तों को सेवा ते सिमरन का मंत्र दिया। उस दौर में जब लोगों को यकीन था कि ईश्वर से एकाकार के लिए संन्यास के मार्ग पर चलना आवश्यक है, तो उन्होंने अपने भक्तों को मध्यम मार्ग अपनाने के लिए कहा, जिस पर चलकर गृहस्थ आश्रम का पालन भी हो सकता है और आध्यात्मिक जीवन भी अपनाया जा सकता है। आज के भौतिकवादी युग में गुरुनानक देव जी का यह नजरिया आत्मकल्याण ही नहीं, समाज कल्याण की दृष्टि से भी बेहद प्रासंगिक है और उन्होंने अपने इस जीवन दर्शन को अपनी जीवन यात्रा से चरितार्थ करके भी दिखाया। अपने जीवन काल में उन्होंने खुद एक गृहस्थ जीवन जीते हुए आध्यात्म की ऊँचाइयों को छूने वाले एक संत का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण समाज के सामने प्रस्तुत किया। इस सोच के विपरीत कि संसार माया है, मिथ्या है, झूठ है, फरेब है, उन्होंने कहा कि संसार ना सिर्फ सत्य है, बल्कि वह साधन है, वो कर्मभूमि है, जहाँ हम ईश्वर की इच्छा से उनकी इच्छानुसार कर्म करने के लिए आए हैं। उनका मानना था, हुकम राजायी चलना नानक लिख्या नाल अर्थात सब कुछ परमात्मा की इच्छा के अनुसार होता है और हमें बिना कुछ कहे इसे स्वीकार करना चाहिए।

गुरुनानक जी कहते थे, किसी से मांग कर नहीं खाना और ना किसी का हक मार कर खाना। अपनी मेहनत पर ही हमारा हक है और मेहनत करना हमारा फर्ज है।

लेकिन परमात्मा के करीब जाने के लिए संसार से दूर होने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि उस परमपिता के द्वारा दिए गए इस जीवन में हमारा नैतिकतापूर्ण आचरण ही हमारे जीवन को उसका आध्यात्मिक रूप और रंग देता है। उन्होंने ध्यान, तप योग से अधिक सतकर्म को और रीत रिवाज से अधिक महत्व मनुष्य के व्यक्तिगत नैतिक आचरण को दिया। इसलिए वे कहते थे कि सत्य बोलना श्रेष्ठ आचरण है, और सच्चाई के साथ जीवन जीना सर्वश्रेष्ठ आचरण है। आज जब पूरी दुनिया में दोहरे चरित्र का होना ही सफलता प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण गुण बन गया हो और नैतिक मूल्यों का लगातार ह्रास हो रहा हो, तो गुरुनानक जी की ये सीखें सम्पूर्ण विश्व के लिए पथप्रदर्शक का काम कर सकती हैं।

आज के दौर में जब मनुष्य अपने खुद के लिए भी समय न निकाल पा रहा हो, ऐसे समय में गुरुनानक देव जी के द्वारा जीवन जीने के लिए दिए गए बेहद सरल तीन सूत्र निस्संदेह मनुष्य को न सिर्फ खुद से बल्कि अपने परिवार और समाज दोनों से जोड़कर असीम शांति का अनुभव करा कर उसके तन मन और जीवन तीनों में एक नई ऊर्जा भर सकते हैं। ये तीन सूत्र हैं, जपना, कीर्त करना और वंड के छकना।

1. जपना, यानी सबसे पहले जप करना अर्थात उस परम पिता का नाम जपना जब भी समय मिले, जहाँ भी जगह मिले पूरी श्रद्धा से उस सर्वशक्तिमान को याद करना उसका शुक्रिया अदा करना।

2. दूसरा कीर्त मतलब कमाई करना, क्योंकि प्रभु ने हमें जो परिवार दिया है, उसका पालन करने के लिए हमें कर्म करना चाहिए। वे कहते थे, किसी से मांग कर नहीं खाना और ना किसी का हक मार कर खाना। अपनी मेहनत पर ही हमारा हक है और मेहनत करना हमारा फर्ज है।

3. तीसरा वंड के छकना मतलब बांट कर खाना। वे कहते थे कि हर मनुष्य को अपनी कमाई का दसवां हिस्सा परोपकार में लगाना चाहिए। वह स्पष्ट कहते थे कि धन को केवल जेब तक ही सीमित रखना चाहिए, उसे अपने ह्रदय में स्थान नहीं बनाने देना चाहिए, वह क्योंकि मानव की मुक्ति का मार्ग समाज के दुखों की मुक्ति से होकर निकलता है धन दौलत इकट्ठा करने से नहीं।

दरअसल वह जानते थे कि कोई भी समाज तब तक तरक्की नहीं कर सकता और ना ही स्वस्थ रह सकता है जब तक कि उस समाज में कर्म के महत्व को एक गौरव नहीं प्रदान किया जाता। इसलिए उन्होंने कर्म को मानव जीवन का ना सिर्फ एक महत्त्वपूर्ण गुण बताया, अपितु उसे मनुष्य की सामाजिक और आध्यात्मिक जिम्मेदारी भी बताया। यही कारण है कि आज भी देश या विदेश के किसी भी संकट के समय, चाहे वो युद्ध हो, या कोई प्राकृतिक आपदा, सिख संगत मदद के लिए सबसे आगे रहती है। सिख समाज ना सिर्फ गुरुद्वारे में लंगर, बल्कि जरूरत के वक्त जरूरतमंदों को निःशुल्क स्वच्छ भोजन पानी और अन्य बुनियादी सुविधाएं देने के लिए आगे आता है।

सारसुर्खियां

गजनी में आत्मघाती विस्फोट, 27 की मौत

काबुल। पूर्वी अफगानिस्तान के गजनी शहर में रविवार को सैन्य अड्डे में आत्मघाती कार विस्फोट में मरने वालों संख्या बढ़कर 27 तक पहुंच गई है, जबकि 17 लोग घायल हो गए हैं। इससे पहले गजनी में एक अस्पताल के प्रमुख बाज मोहम्मद हेम्मत ने कहा था कि इस विस्फोट में 21 जवानों की मौत हो गई है। प्रांतीय गवर्नर वाहिदुल्ला जुमाजादा के एक प्रवक्ता ने बताया है कि एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से भी कार में विस्फोट कर उसे उड़ा दिया था।

लंदन में 60 गिरफ्तार

लंदन। वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण के प्रकोप के कारण ब्रिटेन की राजधानी लंदन में सरकार की तरफ से लगाए गए लॉकडाउन के खिलाफ प्रदर्शन में पुलिस ने शनिवार को 60 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया। कोरोना महामारी से संबंधित प्रतिबंधों के खिलाफ अपना विरोध जताने के लिए लंदन के मध्य इलाके में सड़कों पर सैकड़ों लोग एकत्रित हो गए थे और इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारी पुलिस अधिकारियों से भिड़ भी गए।

आंद्रेज आइसोलेट

ब्रेलग्रेड। क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेनकोविक ने पत्नी के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि के बाद एक सप्ताह से अधिक समय के लिए 'सेल्फ आइसोलेशन' में रहेंगे। प्रधानमंत्री की पत्नी को बुखार होने के बाद जांच की गई, जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। प्लेनकोविक ने भी अपनी जांच करवाई, हालांकि उनकी रिपोर्ट नेगेटिव है। उन्होंने एहतियात के तौर पर अगले 10 दिनों के लिए 'सेल्फ आइसोलेशन' पर रहने का निर्णय लिया है।

कार्डिनल की नियुक्ति

रोम। कैथोलिक चर्च के इतिहास में पहली बार शीर्ष पद पर एक अफ्रीकी अमेरिकी की नियुक्त की गई है। पोप फ्रांसिस ने कैथोलिक चर्च के शीर्ष पदों पर अफ्रीकी अमेरिकी व्यक्ति विल्टन ग्रेगरी समेत 12 अन्य नये कार्डिनलों की नियुक्ति की है। वेटिकन के सेंट पीटर्स बेसिलिका में शनिवार को आयोजित समारोह में पोप फ्रांसिस ने 13 नए कार्डिनलों की नियुक्ति की।

विश्व में कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 6.22 करोड़ पार

वाशिंगटन, एजेंसी। विश्व भर में कोरोना वायरस से संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या 6.22 करोड़ से अधिक हो गई है और इस महामारी से अब तक 14.52 लाख से ज्यादा लोगों की मौत भी हो चुकी है।

अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केंद्र के अनुसार विश्व के 191 देशों में कोरोना वायरस से अब तक 62,246,665 लोग संक्रमित हुए हैं और 1,452,430 लोगों की मौत हुई है। कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित अमेरिका में अब तक 1.32 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं और 266,063 मरीजों की मौत हुई है। भारत में पिछले 24 घंटों में 41,810 नए मामले सामने आए हैं। जिससे कुल संक्रमितों की संख्या 93.92 लाख के पार पहुंच गई। वहीं, स्वस्थ होने वालों की संख्या 88 लाख से अधिक हो गई है। 984 और मरीजों की मौत के साथ ही मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 1,36,696 हो गया है। ब्राजील में कोरोना संक्रमितों के मामले में तीसरे स्थान पर और इससे मुक्ति पाने और मृतकों के आंकड़े में दूसरे स्थान पर है। इस देश में कोरोना वायरस की चपेट में आने वाले लोगों की संख्या 62.90 लाख से पार हो गयी है जबकि 172,561 लोगों की मौत हो चुकी है। फ्रांस में करीब 22.60 लाख लोग प्रभावित हैं और 52,212 मरीजों की मौत हो चुकी है। रूस में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 22.23 लाख को पार कर गई है और अब तक 38,676 लोगों की मौत हो गई है। स्पेन में अब तक 16.28 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा 44,668 लोगों की मौत हुई है। ब्रिटेन में 16.09 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा 58,127 लोगों की मौत हो चुकी है। यूरोपीय देश इटली में करीब 15.64 लाख लोग संक्रमित हुए हैं तथा 54,363 लोगों की मौत हुई है। अर्जेंटीना में 14.13 लाख से अधिक लोग प्रभावित तथा 38,322 की मौत हो चुकी है। कोलंबिया में अब तक 12.99 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा 36,401 लोगों ने जान गंवाई है।

रूस की राजधानी मास्को में नौ हजार के करीब मौतें

मास्को। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के प्रकोप से रूस की राजधानी मास्को में पिछले 24 घंटों के दौरान 72 मरीजों की मौत से केवल राजधानी में मरने वालों की संख्या नौ हजार के करीब पहुंच कर 8,828 पर पहुंच हो गई है। शहर के कोरोना वायरस प्रतिक्रिया केंद्र ने शनिवार को एक बयान में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस से शहर में और 72 लोगों की मौत हो गई है जो कोरोना वायरस के साथ नमोनिया से भी ग्रसित हो गए थे। इससे एक दिन पहले मास्को में 76 लोगों की जान गई थी।

इंडोनेशिया में 180 डॉक्टरों की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया में कोरोना महामारी से अब तक 180 डॉक्टर अपनी जान गंवा चुके हैं। इंडोनेशियन मेडिकल एसोसिएशन के मुताबिक इनमें 92 जनरल प्रैक्टिशनर, 86 विशेषज्ञ और दो आवासीय डॉक्टर शामिल हैं। सबसे अधिक पूर्वी जावा में 38 और इसके बाद जकार्ता में 27, उत्तरी सुमात्रा में 24, मध्य जावा में 15 और पश्चिमी जावा में 12 डॉक्टरों की मौत हुई है।

इंडोनेशिया में कोरोना संक्रमण के अब तक 5,27,999 मामले सामने आये हैं और 4,41,983 मरीज स्वस्थ हुए हैं, जबकि 16,646 लोगों की इस बीमारी से मौत हो चुकी है।

एफबीआई पर 750 लाख डॉलर का मुकदमा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व विदेश नीति सलाहकार कार्टर पेज ने किया दायर

• संवैधानिक अधिकारों के उल्लंघन का आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व विदेश नीति सलाहकार कार्टर पेज ने संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के खिलाफ 750 लाख डालर का मुकदमा दायर किया है।

न्याय विभाग की एक्सिओस रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। एक्सिओस ने कहा कि एफबीआई के खिलाफ मुकदमा दायर किया गया है, जिसमें एफबीआई पर पेज के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है। यह मुकदमा एफबीआई द्वारा विदेशी खुफिया निगरानी अधिनियम (एफआईएसए) के तहत पेज के इलेक्ट्रॉनिक सर्वेक्षण में वारंट का उल्लंघन का भी संकेत है। पूर्व ब्रिटिश जासूस क्रिस्टोफर स्टील द्वारा संकलित एक डोजियर का इस्तेमाल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 2016 के अभियान के सहयोगी पेज के वारंट मिलने पर किया गया था। अक्टूबर में ट्रंप-रूस की जांच कर रहे अमेरिकी सांसदों ने 94 पृष्ठ की विस्तृत स्प्रेडशीट की एक असंशोधित प्रतिलिपि की मांग की थी, जिसमें कथित तौर पर डोजियर में एफबीआई के विफल प्रयासों का विस्तार से वर्णन किया है।

ट्रंप टीम करेगी चुनाव धोखाधड़ी में अपील

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनकी टीम पेन्सिलवेनिया में राष्ट्रपति चुनाव के दौरान हुई धोखाधड़ी मामले में अदालत के हाल के फैसले के खिलाफ अपील करेगी। ट्रंप ने कहा कि पेन्सिलवेनिया में मतपत्रों की धोखाधड़ी बहुत बड़ी है। धोखाधड़ी और अवैधता इस मामले का एक बड़ा हिस्सा है। दस्तावेज तैयार किये जा रहे हैं। हम अपील करेंगे। शुक्रवार को यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर द थर्ड सर्किट ने पेन्सिलवेनिया में तीन नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव के दौरान हुई कथित धोखाधड़ी मामले में ट्रंप की टीम की कानूनी चुनौती को खारिज कर दिया।

संस्मरण लिखने की तैयारी में मेलानिया

वाशिंगटन। अमेरिका की पहली महिला मेलानिया ट्रंप व्हाइट हाउस में बिताये गये अपने दिनों के बारे में संस्मरण लिखने की योजना बना रही है। पेज सिक्स ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया कि मेलानिया अपने व्हाइट हाउस के दिनों का संस्मरण लिखने की तैयारी कर रही है और उनकी यह 'स्टोरी' एक बड़ी धनराशि अर्जित कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप स्वयं मेलानिया को किताब लिखने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

फ्रांस में नए सुरक्षा कानून के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन

• 37 से भी अधिक पुलिस कर्मी हमले में घायल

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में हाल ही में पारित नए सुरक्षा कानून के खिलाफ देशभर में हुए हिंसक प्रदर्शनों में कम से कम 37 पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं।

देश के गृह मंत्री गेराल्ड दरमानिन ने बताया कि शनिवार को देश में नए सुरक्षा कानून के खिलाफ हुए प्रदर्शनों में 37 पुलिसकर्मी घायल हो गए। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार प्रदर्शनों के दौरान 37 पुलिसकर्मी तथा अन्य सुरक्षा बल घायल हो गए है। मैं एक बार फिर कानून प्रवर्तन के खिलाफ अस्वीकार्य हिंसा की निंदा करता हूं। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए और माना जा रहा है कि इस हिंसा के पीछे वामपंथी गुट अंतिफा का हाथ है। अंतिफा के सदस्य आमतौर पर काले रंग के कपड़े पहनते है और प्रदर्शनों के दौरान हल्के हथियार भी ले जाते हैं। माना जाता है कि यह संगठन पुलिस बल जैसे संस्थानों के विरोधी होते हैं और वे पुलिस के खिलाफ इस दंगे में हल्की आग्नेयास्त्रों का इस्तेमाल करते हैं।

इस नए कानून में दरअसल पुलिस अधिकारियों और जेंडरकर्मियों की छवियों को नुकसान पहुंचाने और उनके प्रसार करने के खिलाफ एक साल की सजा और 45,000 यूरो के जुर्माना का प्रावधान है। इस कानून को लेकर पत्रकारों में भी असहमति देखि गई हैं और पूरे देश में इसको लेकर चर्चाएं हो रही है।

दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता खराब

नई दिल्ली। राजधानी और राष्ट्रीय एनसीआर में रविवार को प्रदूषण बढ़ने से वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में पहुंची गई है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार रविवार को राजधानी दिल्ली में 11 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 244 पहुंच गया जो खराब श्रेणी में है। गुरुग्राम, नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद के आसपास के शहरों में भी वायु गुणवत्ता का स्तर औसतन 240 से अधिक रहा।

• एक्यूआई का स्तर 244 तक पहुंचा

सुबह शहर का न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि सापेक्ष आर्द्रता 85 प्रतिशत के आसपास रही, जो धीमी हवा की गति के साथ प्रदूषण के कणों के फैलाव को रोकती है। रविवार को बढ़ गया है। शनिवार को अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। सोमवार सुबह कोहरे / धुंध छाए रहने के आसार है। मौसम विभाग के अनुसार दिन में आसमान साफ रहने के आसार हैं, जबकि अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। दिल्ली में शनिवार शाम को वायु गुणवत्ता का स्तर औसत एक्यूआई 231 था। जबकि एनसीआर में कुछ स्थानों पर एक ही समय में 200 से भी कम था जो वातावरण में इन कणों के एक साथ जमा होने के कारण प्रदूषण अधिक हो जाता है।

स्कूलों और मदरसों के लिये 60 करोड़

सहारनपुर। जिले के सरकारी स्कूलों और मदरसों में 60 करोड़ की लागत से आधुनिक सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी।

डीएम अखिलेश सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के तहत इन संस्थाओं का आधुनिकरण किया जाएगा। जिला अल्पसंख्यक अधिकारी भरत लाल गौड के अनुसार जिले में मान्यता प्राप्त 708 मदरसे है। इनमें एक सरकारी है।

नक्सलियों के हमले में एक जवान शहीद

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सलियों के हमले में एक जवान शहीद हो गया और सात अन्य घायल हो गए।

बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने बताया कि शनिवार देर रात पुलिस के संयुक्त दल पर नक्सलियों ने घात लगाकर हमला किया। घायल जवानों को देर रात ही एयरलिफ्ट कराके बेहतर इलाज के लिए रायपुर भेजा गया। रविवार तड़के नितिन भालेराव नाम का जवान इलाज के दौरान शहीद हो गया। पुलिस महानिरीक्षक के अनुसार शनिवार को चिंतागुफा और चिंतलनार बेसकैंप से कोबरा बटालियन, स्पेशल टास्क फोर्स और जिला रिजर्व पुलिस बल के जवान एंटी नक्सल ऑपरेशन पर निकले थे। रात को लौटते वक्त लभगभ नौ बजे चिंतागुफा थाना क्षेत्र में अरबराज मेट्टा पहाड़ियों के पास जब जवानों का दल पहुंचा। घात लगाए नक्सलियों ने बारुदी सुरंग विस्फोट किया, जिसमें आठ जवान घायल हो गए। जवान नितिन भालेराव की स्थिति गंभीर थी। घायलों को चिंतलनार अस्पताल पहुंचाया गया। उसके बाद सभी जवानों को देर रात एयरलिफ्ट कर बेहतर इलाज के लिए रायपुर रवाना किया गया, जहां उपचार के दौरान आज तड़के भालेराव शहीद हो गए। शहीद जवान नितिन भालेराव महाराष्ट्र के नासिक जिले के मूल निवासी हैं।

• घात लगा किया हमला सात जवान घायल

'बच्चन पांडे' में गैंगस्टर बनेंगे अक्षय

बॉलीवुड हलचल

मुंबई। बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार आने वाली फिल्म 'बच्चन पांडे' में गैंगस्टर का किरदार निभाते नजर आएंगे।

अक्षय की यह फिल्म साउथ स्टार अजीत की फिल्म 'वीरम' का हिंदी रीमेक है। इस फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा कृति सैनन और अरशद वारसी की अहम भूमिका होगी। फिल्म का निर्देशन फरहाद सामजी करेंगे और यह एक एक्शन कॉमेडी फिल्म होगी। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने फिल्म बच्चन पांडे में अक्षय कुमार, कृति सेनन और अरशद वारसी के रोल्स से पर्दा हटा दिया है। तरण ने ट्वीट कर बताया है कि अक्षय इस फिल्म में एक गैंगस्टर बने हैं, जो एक्टर बनना चाहता है। कृति सेनन एक पत्रकार के किरदार में होंगी, जो डायरेक्टर बनना चाहती है। वहीं, अरशद वारसी, अक्षय कुमार के दोस्त का किरदार निभाएंगे। बच्चन पांडे की शूटिंग जनवरी 2021 में शुरू होगी और मार्च 2021 तक चलेगी। फिल्म जैसलमेर में शूट होगी।

लद्दाख में यौन उत्पीड़न रोकने को समिति गठित

जम्मू। लद्दाख में कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों की जांच के लिए एक समिति का गठन किया गया है, ताकि महिलाएं खुद को अधिक सुरक्षित महसूस कर सकें।

लद्दाख के सामान्य प्रशासन विभाग के आयुक्त/सचिव अजीत कुमार साहू की तरफ से जारी आदेश के आधार पर कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न रोकथाम, निषेध एवं निवारण अधिनियम 2013 के अंतर्गत शिकायत समिति का गठन किया गया है। आदेश में कहा गया है कि समिति प्रशासन को यौन उत्पीड़न से संबंधित प्राप्त शिकायतों को लेकर रिपोर्ट सामान्य प्रशासन विभाग को सौंपेगी। आदेश के अनुसार लद्दाख में सभी प्रशासनिक सचिव अपने-अपने संबंधित विभागों में इसी तरह की समितियों का गठन करेंगे।

कर्नाटक में भी लव जिहाद पर विधेयक

मंगलुरु। भाजपा के कर्नाटक प्रदेशाध्यक्ष नलीन कुमार कटील ने रविवार को कहा है कि भाजपा अगले विधानसभा सत्र में 'लव जिहाद' विधेयक पेश करने का प्रयास करेगी। सरकार गौ हत्या प्रतिबंध विधेयक को फिर से पेश करेगी।

पटना में रविवार को एनसीसी दिवस समारोह में नेवी शिप की प्रदर्शनी लगाए कैडेट्स। एजेंसी

'शिकारा' गर्ल को सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेत्री का पुरस्कार

जम्मू। फिल्म 'शिकारा' से बॉलीवुड में एंट्री में करने वाली सादिया खातीब को मुंबई में आयोजित एक समारोह में सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेत्री के खिताब से नवाजा गया है। सादिया को 24 नवंबर की रात मुंबई में आयोजित दादा साहेब फाल्के आइकॉन अवॉर्ड समारोह में सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेत्री का पुरस्कार दिया गया। सादिया ने विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म शिकारा से बॉलीवुड में कदम रखा है। यह फिल्म 90 के दशक में कश्मीर पंडितों के कश्मीर घाटी से पलायन पर आधारित है। सादिया जम्मू-कश्मीर में डोडा जिला के भदेरवाह की निवासी हैं।

फिल्म 'अश्वत्थामा' में काम करेंगी सारा अली!

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान आने वाली फिल्म 'अश्वत्थामा' में विक्की कौशल के साथ काम करती नजर आ सकती है। फिल्म उरी द सर्जिकल स्ट्राइक के निर्देशक आदित्य धर ने फिल्म 'अश्वत्थामा' बनाने का ऐलान किया है। इस फिल्म में विक्की कौशल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे और वहीं अभिनेत्री के रूप में सारा अली खान को फाइनल करने की बात कही जा रही है।

इस फिल्म की शूटिंग अगले साल अप्रैल में शुरू होने की संभावना है जो पीरियड वॉर फिल्म होगी। यह महाभारत के पौराणिक किरदार अश्वत्थामा पर आधारित रहेगी। सारा अली खान इन दिनों अपनी फिल्म कुली नंबर वन के प्रमोशन में व्यस्त हैं जो 25 दिसंबर को रिलीज होने जा रही है।

भाजपा का आरोप, किसानों की आड़ में आम आदमी पार्टी सेंक रही है सियासी रोटियां, दिल्ली की स्थिति गंभीर

दिल्ली में 'आप की रसोई' से उठ रहा सियासी धुंआ

• चरम पर पहुंच रहा किसानों का हठयोग

अभिमन्यु पाण्डेय

नई दिल्ली। दिल्ली के तीन बॉर्डर और बुराड़ी का निरंकारी मैदान इन दिनों किसान आंदोलन का मैदान बन हुए हैं। जहां किसान और पुलिस के जवान लगातार एक दूसरे के आमने सामने हैं। किसानों का हठयोग पूरी तरह चरम पर है, दिल्ली की स्थिति गम्भीर होती जा रही है। धीरे-धीरे दिल्ली रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की अल्पता और जाम की भेंट चढ़ती जा रही है।

किसान आंदोलन को लेकर भाजपा और आप आमने-सामने हैं। बुराड़ी के निरंकारी मैदान में आंदोलनकारी किसानों के लिए आप नेताओं द्वारा चलाई जा रही 'आप की रसोई' पर निशाना साधते हुए भाजपा विधायक ओमप्रकाश शर्मा ने कहा कि महामारी के दौरान केजरीवाल सरकार जिस तरह खुद को किसान हितैषी दिखाकर राजनीति कर रही है,वह इस सरकार की दोहरी मानसिकता और मौकापरस्ती को दर्शाता है। जो सरकार चंद दिनों पहले छठ पूजा पर रोक लगाए और शादियों में मेहमानों की संख्या 200 से घटा कर 50 कर दे। अंधाधुंध पैसा विज्ञापनों पर खर्च करके दिल्ली में कोरोना कंट्रोल पर अपनी नाकामी छुपाने की कोशिश में लगी हो, उसी केजरीवाल सरकार ने किसानों को समझाने की बजाय उन्हें निरंकारी मैदान में तमाम व्यवस्थाएं देकर अपने फायदे के लिए उन्हें खतरे में डाल दिया है। इतनी भीड़ में न सोशल डिस्टनसिंग का पालन हो पा रहा है और न ही लोगों ने मास्क पहने हैं। इतना ही नहीं किसानों के जरिए अपनी राजनीति चमकाने के लिए आप नेताओं ने अपने अपने समर्थकों संग वहां और भी भीड़ बढ़ा दी है। वहीं, आप नेता व ईडीएमसी नेता प्रतिपक्ष मनोज त्यागी ने इसे भाजपा की खिसियाहट बताते हुए कहा कि केजरीवाल सरकार किसानों के साथ है। हम लोग भोजन पानी की तमाम व्यवस्था लगातार मुहैय्या कराएंगे।

किसानों की आड़ में राजनीति की खोज

केंद्र की मोदी सरकार ने किसानों के हित के लिए जो किया वो पिछले 70 सालों में कभी नहीं हुआ है, लेकिन कांग्रेस और आप ने अपनी राजनीति के लिए किसानों को वर्गला कर ये छवाया किया है। केंद्र सरकार लगातार किसानों से शांति की अपील करते हुए बातचीत को तैयार भी है, फिर समस्या कहां है? किसानों की आड़ में ये लोग राजनीति के जो रास्ते खोज रहे हैं,वो आने वाले समय में इनके लिए ही दुखदाई साबित होंगे। दिल्ली को लंदन बनाने का वादा करने वाले केजरीवाल दिल्ली को जिस प्रकार जाम, मंहगाई ,प्रदर्शन और संक्रमण की भेंट चढ़ा रहे हैं, उसका हिसाब दिल्ली भविष्य में करेगी।

सब प्राचीन अच्छा और सब नया बुरा नहीं होता।
बुद्धिमान पुरुष स्वयं परीक्षा द्वारा गुण-दोषों का विवेचन करते हैं।
- रामदास किंकर

निरीक्षक स्तर के थाने पर उपनिरीक्षक को किया नियुक्त, पुलिस प्रमुख खफा

झाँसी मंडल के थानों पर स्थिति ठीक नहीं, उपनिरीक्षकों को बार-बार बनाया जा रहा है थानेदार अनुमोदित सूची के निरीक्षक की नियुक्ति के बाद उपनिरीक्षक की नियुक्त होने पर घोर अनियमितता

झाँसी। विभिन्न शासनादेशों एवं मुख्यालय स्तर से प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों की तैनाती के संबंध में निर्देशों का जनपद स्तर पर सही ढंग से अनुपालन नहीं किया जा रहा है जो उचित नहीं है। झाँसी मंडल के जनपदों में निरीक्षक स्तर के थाने पर उपनिरीक्षक को नियुक्त किया गया है, यह स्थिति आपत्तिजनक है।
प्रदेश के दो तिहाई थाने जो निरीक्षक स्तर के अधिकारियों के लिए चिन्हित है, उनमें केवल निरीक्षक स्तर के ही योग्य अधिकारियों की तैनाती की जोगी तथा उपनिरीक्षक स्तर के किसी अधिकारी को इन थानों के थाना प्रभारियों के रुप में तैनात नहीं किया जाएगा।

बताते हैं कि प्रदेश के जो एक तिहाई थाने पूर्व में उपनिरीक्षकों को थानाध्यक्ष के रुप में तैनात किए जाने हेतु चिन्हित किए गए थे उनमें योग्य निरीक्षकों की भी तैनाती की जा सकती है। इन थानों पर दक्ष, सशक्त एवं उपयुक्त उपनिरीक्षकों की भी तैनाती पर विचारण किया जा सकेगा, जिससे उत्कृष्ट कार्य करने वाले उपनिरीक्षकों का मनोबल बढ़ाया जा सके तथा अन्य उपनिरीक्षक स्तरीय अधिकारियों को अच्छा कार्य करने की प्रेरणा प्राप्त हो सके। बताया गया कि यदि किसी थाने पर एक से अधिक निरीक्षकों की तैनाती की जाती है तो यह ध्यान रखा जाएगा कि वरिष्ठत्तम अधिकारी को ही प्रभारी निरीक्षक बनाया जाए। किसी भी थाने में उपनिरीक्षक स्तर के अधिकारी को थाना प्रभारी बनाये जाने की दशा में निरीक्षक स्तर के अधिकारी की तैनाती उसके अधीनस्थ न की जाए। यह भी देखा गया है कि अनुमोदित सूची के निरीक्षक पद के अधिकारी का अनुमोदित होने के बाद भी निरीक्षक की नियुक्ति नहीं करते हुए उपनिरीक्षक की नियुक्ति किया जा रहा है जो घोर अनियमितता का परिचायक है। इस पर प्रदेश के पुलिस प्रमुख ने नाराजगी जताई है।
पुलिस प्रमुख ने जनपदों में थानाध्यक्षों, प्रभारी निरीक्षकों की नियुक्ति में अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ी जाति समुदाय में आरक्षण विषयक जारी शासनादेश का अनुपालन सुनिश्चित करे। निर्देशों में कहा कि जनपद, परिक्षेत्र में अनुमोदित जाति वर्ग के निरीक्षक/उपनिरीक्षकों की कमी है तो उसका समायोजन अपने अधीनस्थ अन्य जनपद से करना सुनिश्चित करें और समायोजन संभव न हो तो मुख्यालय पुलिस महानिदेशक के नाम प्रस्ताव बनाकर भेजा जाए। मालूम हो कि झाँसी मंडल में उपनिरीक्षकों की बार-बार थानेदार बनाया जा रहा है। इस पर प्रदेश पुलिस प्रमुख ने नाराजगी जताई है।

अब तीन नहीं एक ही अतिरिक्त इंस्पेक्टर होंगे थाने पर तैनात

सर्किल या फिर तहसीलस्तर के थानों पर अब इंस्पेक्टर के अलावा तीन अतिरिक्त इंस्पेक्टर की तैनाती नहीं होगी। काफी दिनों पूर्व दिए गए आदेश को डीजीपी ने वापस ले लिया है। अब थानों पर इंस्पेक्टर के अलावा सिर्फ एक ही अतिरिक्त इंस्पेक्टर तैनात होंगे और उन्हें इंस्पेक्टर अपराध के नाम से जाना जाएगा। इस आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू करने का शासनादेश जारी कर दिया गया है।

प्रगति रथ की 'सेफ़ सफ़र सीडी' का विमोचन

झाँसी। प्रगति रथ संस्था सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से पिछले कई दिनों से सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चला रही है, जिसका उद्देश्य लोगो मे सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति जागरूकता लाना और सड़क हादसों में कमी लाना है। इस अभियान के तहत पम्पलेट बॉटने, सेमिनार, रोड शो, पोस्टर, होर्डिंग, आदि के माध्यम से जागरुकता फैलाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रगति रथ संस्था द्वारा जागरूकता फैलाने हेतु यातायात सुरक्षा पर आधारित बुन्देली लोकगीतों से सजी एक सीडी का विमोचन सदर विधायक रवि शर्मा के कर कमलों द्वारा किया गया। इन गीतों की रचना और गायन पाठक बंधु संतोष पाठक, उनके सहायक पुनीत पाठक और यश पाठक ने किया है। ये सीडीज़ विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों, ट्रैफिक पुलिस और अन्य विभागों के साथ आम जनमानस तक भी पहुचाई जाएंगी ताकि इन सीडीज़ के माध्यम से अधिक से अधिक लोगो तक सड़क सुरक्षा का संदेश पहुँचे। इस विमोचन में पाठक बंधुओं के साथ प्रगति रथ से डा. संध्या चौहान, विजय चौहान, राज चौहान, मनीषा मिश्रा, आदि उपस्थित रहे।

मानव सेवा संस्था की कार्यकारिणी का गठन

झाँसी। मानव सेवा संस्था के प्रदेश अध्यक्ष रमन दीक्षित का झाँसी आगमन हुआ। टीम ने भव्य स्वागत के साथ झाँसी मंच की चर्चा करते हुए विगत दिवस हुए सेवा कार्य का ब्यौरा उन्हें दिया। इसी के साथ प्रदेश अध्यक्ष ने झाँसी की जिला कार्यकारिणी का गठन करते हुए संस्था के दायित्वो के साथ युवाओं को नवाजा। सक्रियता से कार्य कर रहे झाँसी के युवा समाजसेवी मनीष कुमार वर्मा को जिला प्रभारी, कार्तिक रावत को जिला अध्यक्ष, विशाल पांडे को जिला महामंत्री, राजेंद्र प्रजापति को जिला उपाध्यक्ष, जतिन गोस्वामी को जिला सचिव, नवनीत ठाकुर को जिला महासचिव, अनमोल खरे को महानगर उपाध्यक्ष का दायित्व दिया है। उन्होंने कहा कार्तिक प्रदेश में सचिव पद पर कार्यरत है लेकिन झाँसी मंच की सक्रियता और तेज कार्य शैली रूपरेखा के लिए उनको जिला अध्यक्ष का प्रभार भी सौंपा गया है। मानव सेवा संस्थान समाज कल्याण रूपी संस्था है एवं हर तरीके से पीड़ित सहायता हेतु तत्पर रहती है।

घर से लापता हुए 15 वर्षीय बच्चा बरामद

झाँसी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पुलिस सक्रिय बनी हुई है। जिसके चलते घर से बिना बताए एक 15 वर्षीय बच्चे को सकरार पुलिस ने सकुशल बरामद किया। साथ ही बरामद करने वाली टीम को पुलिस अधीक्षक ने पुरुष्कार की घोषणा की।
बताया गया है कि 26 नवंबर को बबलू कुशवाहा निवासी सकरार का 15 वर्षीय पुत्र घर से बिना बताए चला गया था। जिसकी सकरार थाने में गुमशुदगी दर्ज की गई थी। जिसकी काफी खोजबीन करने के बाद भी कहीं कोई पता नहीं चला। जिसके चलते वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झाँसी द्वारा तत्काल टीम गठित कर निर्देशित किया गया। परिणाम स्वरूप बच्चे की तलाश कर रही सकरार पुलिस को सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बच्चे को निवाड़ी से बरामद किया और परिजनों के सुपुर्द कर दिया। जिसके चलते वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने अच्छा कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों को 5000 की पुरस्कार राशि देने की घोषणा की।

बृद्धा आश्रम में हुआ निःशुल्क स्वास्थ शिविर

झाँसी। झाँसी व्यापार मंडल उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में प्रांतीय अध्यक्ष संतोष साहू के नेतृत्व में अध्यक्ष अंजलि दत्ता की अध्यक्षता में निःशुल्क स्वास्थ शिविर एवं दवा वितरण का आयोजन किया गया । यह स्वास्थ शिविर डॉक्टर स्वदेश शुक्ला (डेंटल सर्जन) के नेतृत्व में आयोजित किया गया। शिविर में डॉक्टरों ने विभिन्न रोगों के मरीजों का निःशुल्क परीक्षण कर साथ उन्हें दवाईयां भी निशुल्क उपलब्ध कराईं गई। इस शिविर में 70 से अधिक मरीजों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया। इस शिविर के दौरान नेत्र रोग ,ब्लड प्रेशर ,शुगर ,दन्त परिक्षण और मेडिशन के 70 से अधिक मरीजों का परीक्षण सहित दवा वितरण की गयी । इस अवसर पर के डॉ. जी एस अर्गल , डॉ.स्वदेश शुक्ला, डॉ. उषा अर्गल , डॉ. धर्मेंद्र सिंह चौहान ,डॉ.पूनम रानी ,डॉ.निशांत साहू ,डॉ. पंकज मुस्तरिया ने मरीजों का परीक्षण किया। नगर अध्यक्ष अंजलि दत्ता ने कहा कि झाँसी व्यापार मंडल ने गरीबों और असहायों की सेवा करने का संकल्प लेकर इस निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया है। इसमें सभी डॉक्टर बधाई के पात्र हैं, जिन्होंने हमारे छोटे से बुलावे को मान्यता दी और यहां बृद्धाश्रम में आकर मरीजों अपनी निःशुल्क सेवाएं दी। इस अवसर कोषाध्यक्ष अजरा गौरी, उपाध्यक्ष कोमल बकतानी ,संध्या सक्सेना, सुमिता घोष, रचना सक्सेना, जया तिवारी ,शीला शर्मा, खुशबू दत्ता , पूनम दिनकर, सिमरन चड्ढा, सिम्मी भुसारी, श्वेता नामदेव आदि मौजूद रहे।

बुंदेलखंड विशेष पैकेज की उड़ी धज्जियां

झाँसी। बुन्देलखण्ड विशेष पैकेज की उड़ी धज्जियाँ, बड़े पैमाने पर हुआ भ्रष्टाचार भारत का हृदय कहा जाने वाला बुन्देलखण्ड जिसमें सरकार द्वारा विभिन्न विभागों के द्वारा कई विशेष योजनायें संचालित की जाती हैं लेकिन आज भी बुन्देलखण्ड के किसानों को इन सभी संचालित तमाम विशेष योजनाओं में पदाधिकारियों के द्वारा भ्रष्टाचार के चलते यहाँ के किसान आज भी योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं इन पदाधिकारियों के खिलाफ कोई आवाज़ नहीं उठा पाता है और यदि कोई आवाज़ उठाता है तो उसको जान से मारने की धमकी देते हैं एवं अतिरिक्त धन का लोभ-लालच देकर आवाज़ दबा दी जाती है । यहाँ के किसानों को आज भी बही हाल है जो 20 साल पहले था। राष्ट्रवादी युवा किसान संगठन के द्वारा एक साल से लगातार तमाम विभागों के चंद अधिकारियों के खिलाफ सूचना के अधिकार के माध्यम से प्रमाणित साक्ष्यों के एकत्र कर जानकारी प्राप्त की गयी है जिसमें बहुत से अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा अपने सगे-सम्बन्धियों (भाई,भतीजे, बहु-बेटे) के नाम से संचालित पंजीकृत फार्मों का नाम सामने आया है जिसके द्वारा बुन्देलखण्ड के जनपद जालौन, झाँसी एवं ललितपुर के किसानों के साथ धोखा किया गया है।
बाकी बहुत से विभागों से जानकारी उपलब्ध कराने में हीला-हवाली की जा रही है, जिन विभागों से जानकारी उपलब्ध कराई गयी है उन विभागों में गलत तरीके से लाभान्वित करने में करोड़ों में भ्रष्टाचार को अंजाम दिया गया है। जिन विभागों में करोड़ों में भ्रष्टाचार किया गया है उन सभी विभागों के नाम जनता एवं सरकार के समक्ष खुलासा किये जायेंगे।
राष्ट्रीय सचिव जी ने बताया कि भ्रष्टाचार में संलिप्त विभिन्न विभागों पर क़ानूनी/दंडात्मक कार्यवाही किया जाना अतिआवश्यक है अन्यथा की स्थिति में इन्ही चंद विभागों में चंद भ्रष्ट अधिकारियों की बजह से विभागों को अन्दर से खोखला कर दिया जायेगा एवं सामान्यजन व किसानों को उनके लाभों से वंचित किया जाता रहेगा। इसके पूर्व में राष्ट्रीय सचिव जी को विभागों से अधिकारियों द्वारा जान से मारने की धमकी एवं राजनेताओं द्वारा मामला वापस लेने के लिए दवाव भी बनाया गया। इसके समाधान के लिए संगठन उच्चायुक्तों एवं न्यायालय के समक्ष कानूनी रूप से दरवाजा खटखटाएंगे तथा क़ानूनी/दंडात्मक कार्यवाही, रिकवरी करवाने आदि में एक कदम भी पीछे नहीं हटेंगे। राष्ट्रवादी युवा किसान संगठन के राष्ट्रीय सचिव सुमित कुमार द्वारा बताया गया कि 5 दिसम्बर, 2020 को प्रेस-वार्ता के माध्यम से भ्रष्टाचार के एकत्र किये गए प्रमाणित साक्ष्यों सहित कार्यालय लोकायुक्त, भ्रष्टाचार निवारण विभाग के साथ-साथ मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार के समक्ष रिपोर्ट प्रेषित की जायेगी।

परिषदीय शिक्षकों को प्रति वर्ष मिलता है एक उपार्जित अवकाश

एक बार मे अधिकतम दस आकस्मिक अवकाश देय

झाँसी। विभिन्न जनसूचनाओं से एकत्रित कर अवकाश सम्बन्धी जानकारियां डॉ रहबर सुल्तान द्वारा शिक्षक हित मे निरंतर उपलब्ध कराई जा रहीं हैं। डॉक्टर रहबर सुल्तान ने बताया की कैलेंडर वर्ष में 14 आकस्मिक अवकाश देय हैं। एक बार मे अधिकतम दस आकस्मिक अवकाश लिये जा सकते हैं। आकस्मिक अवकाश के मध्य में पडने वाले रविवार या अन्य छुटियां इनमे नहीं जुड़ती हैं। विशेष परिस्थितियों में 14 से अधिक दिनों का अवकाश दिया जा सकता है परंतु इसके लिये सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक है। उपार्जित अवकाश परिषदीय अध्यापकों को प्रत्येक कैलेंडर वर्ष में एक उपार्जित अवकाश मिलता है। इसके अलावा यदि ग्रीष्मकालीन अवकाश में विभाग कार्य करवाता है तो नियमानुसार एक निश्चित फॉर्मूले के तहत उपार्जित अवकाश देय हैं। गर्भपात अवकाश महिला कर्मियों को 42 दिन का गर्भपात अवकाश नियमानुसार देय है। चिकित्सीय अवकाश सम्पूर्ण सेवाकाल में एक वर्ष का चिकित्सीय अवकाश देय है तो वही बाल्यकाल देखभाल अवकाश एवं प्रसूतिकालीन अवकाश महिलाओं को सम्पूर्ण सेवा में बच्चे की आयु सम्बन्धी नियम के अनुसार दो वर्ष का बाल्यकाल देखभाल अवकाश देय है। एक वर्ष में अधिकतम तीन बार लिया जा सकता एव कम से कम पन्द्रह दिन का लेना जरूरी है। प्रसूतिकालीन अवकाश दो स्वस्थ्य बच्चों के होने की दशा में नियमों के अनुसार देय है। यदि एक बच्चा असाध्य रोग से ग्रसित है तो तीसरी बार इसे स्वीकृति किया जा सकता है। दत्तक ग्रहण अवकाश नियमानुसार गोद लिये बच्चे पर भी देखभाल अवकाश देय है। इसके लिये नियमावली है। अध्ययन अवकाश यह अवकाश उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिये दो वर्ष का नियमानुसार देय है। अवैतनिक अवकाश सम्पूर्ण सेवा में पांच वर्ष का अवैतनिक अवकाश मिलता है। सभी अवकाश शासनादेश के अनुसार मिलते हैं। खण्ड शिक्षा अधिकारी 42 दिन का अवकाश स्वीकृति कर सकते हैं जबकि इससे अधिक का अवकाश जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा स्वीकृत किया जाता है।

बीयू के बायोटेक इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों ने प्राप्त की स्वर्णिम सफलता

चार विद्यार्थियों ने उत्तीर्ण की गेट-बी-2020 परीक्षा

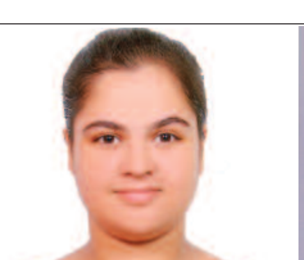

झाँसी। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय परिसर स्थित अभियान्त्रिकी एवं प्रोद्योगिकी संस्थान के अंतर्गत संचालित जैव प्रोद्योगिकी विभाग के बीटेक बायोटेक इंजीनियरिंग के चार विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित ग्रेजुएट एप्टिट्यूड टेस्ट इन बायोटेक्नोलॉजी-2020 (GAT-B 2020) में सफलता प्राप्त की है।
बायोटेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग विभाग के प्राध्यापक एवं अभियान्त्रिकी एवं प्रोद्योगिकी संस्थान के एलुमनाई एसोसिएशन के सह समन्वयक डॉ बृजेंद्र कश्यप ने बताया कि क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र (रीजनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी), डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, मिनिस्ट्री आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित ग्रेजुएट एप्टिट्यूड टेस्ट इन बायोटेक्नोलॉजी-2020 (GAT-B 2020) के अक्टूबर 2020 में घोषित परीक्षाफल में हर बार की तरह इस बार भी अति सराहनीय रही जिसमें बीटेक (बायोटेक्नोलॉजी) के फाइनल वर्ष के चार विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की। इनमें जूही पाण्डेय ने 45 वीं ऑल इंडिया रैंक हासिल किया है जबकि रोशन आरा ने 77 वीं, शीतल सोनी ने 125 वीं और मनाली बाजपई ने 152 वीं ऑल इंडिया रैंक प्राप्त की है। इन चारों विद्यार्थियों ने गेट क्वालीफाई कर देश के शीर्ष संस्थानों में एमटेक के लिए एडमिशन आई॰आई॰टी॰ मंडी, एन॰सी॰एल॰ पुणे एवं एम॰एन॰आई॰टी. भोपाल मे प्रवेश प्राप्तकर संस्थान और विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है।
उन्होने कहा कहा कि विश्व व्यापी कोरोना महामारी के कारण जहां कोरोना काल के दौरान लगे लॉकडाउन से अधिकतर विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हुयी है वहीं बुन्देलखंड विश्वविद्यालय के बीटेक (बायो टेक्नोलॉजी) के विद्यार्थियों का प्रदर्शन कोरोना काल में भी अति सराहनीय रहा तथा विद्यार्थियों ने लॉकडाउन के समय को व्यर्थ न कर लॉकडाउन में भी अपने परिश्रम से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन किया। डॉ कश्यप ने बताया कि गतवर्ष भी राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित गेट-2019 में 4 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की थी इस वर्ष भी उसी परिपाटी को संस्थान के विद्यार्थियों ने जारी रखा है।
इस अवसर पर बायो टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग विभाग के समन्वयक इंजी॰दिनेश द्विवेदी ने सभी सफल विद्यार्थियों को उनकी सफलता के लिए बधाई तथा भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। वहीं संस्थान के निदेशक और संकायाध्यक्ष अभियांत्रिकी प्रो॰एस॰के॰कटियार ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा आशा व्यक्त की कि संस्थान के छात्र आगे भी इसी प्रकार सफलता प्राप्त करते रहेंगे।

सार सुर्खियां

गुरुनानक देव जयंती की पूर्व संध्या पर कीर्तन का आयोजन

झाँसी। झाँसी व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष संतोष साहू के निर्देशन एवं जिला अध्यक्ष जिला महिला व्यापार मंडल श्रीमती शिवाली अग्रवाल की अध्यक्षता में झाँसी महिला व्यापार मंडल की जिला शाखा ने गुरु नानक देव जयंती की पूर्व संध्या पर कीर्तन का आयोजन किया। जिला महामंत्री श्रीमती मधु पासी ने गुरु नानक देव जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा किए गए महान कार्यों को बताया । कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती रचना चड्ढा द्वारा किया गया। इस मौके पर श्रीमती तारा केसवानी, कोमल बकतानी, अंजलि त्रिपाठी, रेनू त्रिवेदी, अंकिता वर्मा, परविंदर कौर, सतनाम कौर, संतोष साहू, पंडित संतोष गौड़ उपस्थित रहे। आभार जिला कोषाध्यक्ष श्रीमती योग माया मिश्रा द्वारा किया गया।

जगरूप सचान को बनाया अपना दल (एस) का जिलाध्यक्ष

झाँसी। पटेल समाज ने अपना दल (एस) के जिलाध्यक्ष जगरूप सचान व युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष धर्मेश पटेल वीरपुरा का जोरदार स्वागत किया। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष जगरूप सचान ने अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन अनुप्रिया पटेल व प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर जमुना प्रसाद सरोज को धन्यवाद दिया है। उनका कहना है कि समाज के साथ संगठन एवं अपना दल एस के कारवां को आगे बढ़ाते हुए बहन अनुप्रिया पटेल के हाथों को मजबूत करेंगे। इस मौके पर कालका प्रसाद पटेल, शिवशंकर पटेल, महेंद्र पटेल, अवधेश निरंजन, विनोद कुमार, अरविंद पटेल, दीपू पटेल, डा आरके, डा उपेंद्र निरंजन, डा सुरेश निरंजन, राजेंद्र पटेल, स्केद्र पटेल, सौरभ पटेल, डा विक्रम पटेल, डॉ रामचंद्र पटेल, रंजीत पटेल, बालादीन पाल, बीएल पटेल, संदीप वर्मा, फिरोज खान, नगीना बानो, शोभा तिवारी आदि लोग उपस्थित रहे।

तुलसा बाई की मनाई पुण्यतिथि

झाँसी। बसपा के विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सीताराम कुशवाहा की माता स्वतुलसा बाई की 21 वी पुण्यतिथि पर उन्हें नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद गरीब बस्ती एवं कुष्ठ आश्रम के जाकर गरीबों को फल एवं बिस्कुट वितरण किया गया। इस अवसर पर रामप्रकाश साहू, परशुराम कुशवाहा, चंद्रभान आदिम (पूर्व पार्षद), संतोष कुशवाहा (पूर्व पार्षद), संजीव कुशवाहा (कप्तान), ललित कुशवाहा (पूर्व महामंत्री बीकेडी), दानसिंह, दीपचंद्र, बृजेन्द्र, जयदेव, बंटी राज वर्मा, विनोद, मोनू कुशवाहा, चंद्रमोहन छोटू, नरेंद्र, राजेश, पुष्पेंद्र अहिरवार, रवि चौधरी, राहुल चौधरी, ऋषभ पुरोहित, मोंटी, प्रशांत, आदि उपस्थित रहे।

आरपीएफ ने दिव्यांग यात्रियों की मदद

झांसी। भारतीय रेलवे में सुरक्षित यात्रा के लिए दिव्यांगजनों और महिला यात्रियों को रेलवे सुरक्षा बल ने सभी सहायता/मदद करने का वचन लिया है। झाँसी रेलवे स्टेशन से गुजरने वाली विभिन्न ट्रेनों में दिव्यांग व्यक्तियों और बच्चों को मदद नहीं मिलती है। इस कारण वह लोग परेशान रहते हैं मगर इसका वीणा आरपीएफ ने उठाया है। बताते हैं कि प्लेटफार्म पर तैनात कुली व आरपीएफ द्वारा दिव्यांग यात्रियों की मदद करना शुरु कर दी है।
बताया जाता है कि एक दिव्यांग बच्चे को अपने परिवार के साथ ट्रेन में सवार होकर कहीं जाना था मगर व्हील चेयर न होने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा था, तभी आरपीएफ दारोगा घनेद्र सिंह की नजर बच्चे पर गई। उन्होंने कुली को बुलाकर व्हील चेयर तत्काल मुहैया कराई। साथ ही खुद बच्चे को ट्रेन में सवार करवाया। इस कार्य की यात्रियों ने काफी प्रशंसा की है।

किसानों के साथ है पार्टी- रावत

झाँसी। भारतीय प्रजाशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित पंकज रावत ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि केंद्र सरकार को किसानों की मांग शीघ्र मान लेनी चाहिये किसान अन्नदाता है अन्नदाता की नाराज करना ठीक नहीं। रावत ने कहा कि सरकार की गलत नीतियों के कारण किसानों के सामने भविष्य का संकट खड़ा ही गया है कृषि बिल ने किसानों को खेत सहित पूँजी पतियों के हाथों बेच दिया। आज स्थिति यह है कि कई किसान अपना गेंहू तक नही बेच पाए। बाजारबाद ने किसानों की मेहनत को चौराहा ओर नीलाम कर दिया। रावत ने कहा की यदि 2 दिन के भीतर किसानों की बात नहीं मानी गई तो बुंदेलखंड के किसानों के साथ भारतीय प्रजाशक्ति पार्टी आंदोलन को बाध्य होगी।

दैनिक भास्कर के स्वत्वाधिकारी संजय कुमार अग्रवाल के लिये प्रकाशक, मुद्रक रमेश चन्द्र तिवारी द्वारा जनहित ऑफसेट प्रिंटर्स 46/5 कृष्णा इन्कलेव शिवपुरी रोड, झांसी (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 31, रानी महल झांसी से प्रकाशित। प्रधान संपादक-महेश अग्रवाल फोन-2440550 आर.एन. आई. नं. 4645/58, डाक पंजीकरण संख्या-42/09 जनवरी 2013) समाचार चयन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। E-mail: dbjhansi@rediffmail.com, E-paper-dainikbhaskarup.com

गुरु नानक और सहज योग
प्रकाश दिवस के सुअवसर पर

परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी
सहज योग संस्थापिका एवं
कुण्डलिनी जागरण द्वारा आत्म–साक्षात्कार दात्री

गुरु नानक – एक महान सतगुरु

सिख धर्म के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी को गुरु नानक, गुरु नानक देव जी, बाबा नानक और नानकशाह के नाम से भी जाना जाता है और इन्ही ने सिख धर्म की स्थापना की थी । वे अपने अंदर दार्शनिक, समाजसुधारक, धर्मसुधारक, कवि, देशभक्त, योगी, गृहस्थ और विश्वबंधुत्व सभी के गुणों को समेटे हुए थे। इसीलिए इनके विचार न केवल सिख धर्म के लिए अपितु सभी धर्म के लोगों के लिए प्रेरणादायक हैं ।

गुरु नानक जी का जन्म १४६९ पंजाब के तलवंडी नामक स्थान पर एक किसान के घर हुआ था। वह बचपन से ही गंभीर प्रवृत्ति के थे। बाल्यकाल में जब उनके अन्य साथी खेल कूद में व्यस्त होते थे तो वह अपने नेत्र बंद कर चिंतन मनन में खो जाते थे। गुरु नानक जी का विवाह सन १४८५ में बटाला निवासी कन्या सुलक्खनी से हुआ। उनके दो पुत्र श्रीचन्द्र और लक्ष्मीचन्द थे। गुरु नानक के पिता ने उन्हें कृषि, व्यापार आदि में लगाना चाहा किन्तु यह सारे प्रयास नाकाम साबित हुए। यह देख उनके पिता कालू एवं माता तृप्ता चिंतित रहते थे। उनके पिता ने पंडित हरदयाल के पास उन्हें शिक्षा ग्रहण करने के लिए भेजा लेकिन पंडितजी बालक नानक के प्रश्नों पर निरुत्तर हो जाते थे और उनके ज्ञान को देखकर समझ गए कि नानक को स्वयं ईश्वर ने पढ़ाकर संसार में भेजा है। नानक को मौलवी कुतुबुद्दीन के पास पढ़ने के लिए भेजा गया लेकिन वह भी नानक के प्रश्नों से निरुत्तर हो गए। नानक जी ने घर बार छोड़ दिया और दूर दूर के देशों में भ्रमण किया जिससे उपासना का सामान्य स्वरूप स्थिर करने में उन्हें बड़ी सहायता मिली। अंत में कबीरदास की 'निर्गुण उपासना' का प्रचार उन्होंने पंजाब में आरंभ किया और वे सिख संप्रदाय के आदिगुरु हुए।

उस जमाने में हिन्दुओं तथा मुसलमानों में काफी दूरियाँ थी। इस दूरी को दूर करने के लिए गुरु नानक ने हिन्दू तथा मुस्लिम धर्मों के युगानुकूल तथा सार्वभौमिक विचारों को लेकर उन्हें एकता का संदेश दिया। सर्वधर्म समभाव के समर्थक नानक जी ने वर्ष १४९९ से वर्ष १५२४ तक २५ वर्षों तक कई लम्बी तथा कष्टदायी यात्राएं कीं। अपनी इन यात्राओ के दौरान उन्होंने हिन्दू और मुस्लिम दोनों के धार्मिक स्थलों पर श्रद्धापूर्वक जाकर उस परम शक्ति को नमन किया, जिसे हम ईश्वर, अल्लाह, खुदा, वाहे गुरु, गॉड आदि अनेक नामों से पुकारते हैं।

इसीलिए गुरुग्रन्थ साहिब में मात्र सिख गुरुओं के ही उपदेश नहीं है, वरन ३० अन्य हिन्दू संत और मुस्लिम भक्तों की वाणी भी सम्मिलित है। इसमें जहां जयदेवजी और परमानंदजी जैसे ब्राह्मण भक्तों की वाणी है, वहीं जाति–पाति के आत्महंता भेदभाव से ग्रस्त तत्कालीन हिंदू समाज में हेय समझे जाने वाली जातियों के महापुरुषों जेसे कबीर, रविदास, नामदेव, धन्ना आदि की वाणी भी सम्मिलित है। पांचों वक्त नमाज पढ़ने में विश्वास रखने वाले शेख फरीद के श्लोक भी गुरु ग्रंथ साहिब में दर्ज हैं।

गुरु नानक देव जी ने जात–पात को समाप्त करने और सभी को समान दृष्टि से देखने की दिशा में कदम उठाते हुए 'लंगर' की प्रथा शुरू की थी। लंगर में सब छोटे–बड़े, अमीर–गरीब एक ही पंक्ति में बैठकर भोजन करते हैं। आज भी गुरुद्वारों में उसी लंगर की व्यवस्था चल रही है, जहां हर समय हर किसी को भोजन उपलब्ध होता है। इस में सेवा और भक्ति का भाव मुख्य होता है।

उनकी शिक्षाओं में मुख्यत: तीन बातें हैं:

१. नाम जपो यानी प्रभु का स्मरण करो।
२. कीरत करो यानी गृहस्थ बन कर रोजगार में लगे रहो और ईमानदारी से कमाओ।
३. वंड छको अर्थात मिल बांट कर खाओ, जरूरतमंदों की मदद करो और अपनी आय का कुछ हिस्सा गरीब लोगों में बांटो।

वहीं उन्होंने अहंकार, क्रोध, लालच, भौतिक वस्तुओं से अत्यधिक लगाव और वासना से बचने की सलाह दी।

गुरु नानक और सहज योग

सिख के मायने जीवन पर्यन्त एक छात्र की भांति सदैव अच्छी बातों को सीखने वाला व्यक्ति होता है। आइए, सच्चे सिख बनकर हम, अंधविश्वास और आडंबरों के कट्टर विरोधी, सिख धर्म के संस्थापक श्री गुरु नानक देव जी के ५५१ वें प्रकाश उत्सव के अवसर पर उनके विचारों को एक अलग इदृषिकोण से समझने का प्रयास करें।

मानव जीवन में अत्यधिक भौतिकता का प्रभाव बढ़ जाने के कारण मानव जीवन में दुःख बढ़ते जा रहे हैं। आज जब लोग धर्म के असली तत्व एवं आध्यात्मिक जीवन को बहुत कम महत्व देते हैं, गुरु नानक जी की शिक्षा हमको वापिस अपनी आत्मा की ओर ले जा सकती है।

गुरुग्रंथसाहिब में बहुत से सूक्ष्म संकेतों के द्वारा सहज योग के बारे में बताया गया है। परंतु सिद्ध गोष्टी एवं प्राण सांगली में खुलकर सहज का वर्णन है। सिद्ध गोष्टी अर्थात सिद्धों के साथ वार्ता, गुरु नानक की हिन्दू नाथ पंथियों के साथ बातचीत है, जो हिमालय की गुफाओं में रहते थे। जबकि प्राण सांगली में लंका के राजा शिवनाभ के साथ वार्ता है।

'सहज' की अवधारणा में गुरु नानक की आध्यात्मिक सोच प्रमुख और महत्वपूर्ण है। लेकिन यह 'सहज' केवल कहने या मौखिक अभिव्यक्ति के साथ नहीं हो जाता है। यह एक वास्तविकता है, एक वास्तविक मानव स्थिति है, एक ठोस, व्यावहारिक मानव उपलब्धि है। गुरु नानक के विचार में सिख धर्म के लिए 'सहज' एक मुख्य सिद्धांत है जिस का तात्पर्य हुकम को स्वीकृत करना है। इस अर्थ में 'सहज' एक ऐसे व्यक्ति की आध्यात्मिक स्थिति होगी, जिसने ईश्वरीय इच्छा (हुकम, भाना, रज़ा) को स्वीकार किया है। इस प्रकार 'सहज' सिख धर्म में प्राप्य सर्वोच्च आध्यात्मिक स्थिति है। यह सर्वोच्च आनंद है।

गुरु नानक के साथ साथ 'सहज समाधि' शब्द का प्रयोग आमतौर पर सभी निर्गुण–सम्प्रदाय संत, कबीर, नामदेव, दादू और अन्य करते थे। गुरु नानक के कालखंड में महा सुख या जीवन मुक्ति 'सहज' अवस्था के रूप में प्राप्त करना ही सर्वश्रेष्ठ लक्ष्य समझा जाता था और इसी को बाबा नानक आंतरिक अनुशासन और दिव्य वास्तविकता से सीधे संपर्क की अनुभूति कहते हैं। जो साधक 'सहज' को प्राप्त होता है उस की दिव्य स्थिति कैसी होती है वह निम्नलिखित दोहों में स्पष्ट है–

सहलजे ग्रिह महि सहजि उदासी।। सहजे दुबिधा तन की नासी ।।
जा के सहजि मनि भइआ अनंदु।। ता कउ भेटिआ परमानंदु ।।
(गुरबानी २३६–२३७ ।।५।।)

सहजे अम्रितु पीओ नामु।। सहजे कीनो जीअ को दानु ।।
सहज कथा महि आतमु रसिआ।। ता के संगि अबिनासी वसिआ।।
(गुरबानी २३७ ।।६।।)

सहजे आसणु असथिरु भाइआ।। सहजे अनहत सबदु वजाइआ ।।
सहजे रुण झुणकारु सुहाइआ।। ता कै घरि पारब्रहमु समाइआ।।
(गुरबानी २३७ ।।६।।)

सहजे जा कउ परिओ करमा।। सहजे गुरु भेटिओ सचु धरमा।।
जा के सहजु भइआ सो जाणै।। नानक दास ता कै कुरबाणै।।
(गुरबानी २३७ ।।६।।)

भावार्थ

जिस मनुष्य में आत्मा का प्रकाश या सहज अवस्था प्राप्त हो जातीहै, वह सभी कार्यों को सहज तरीके से करता है। उसके ह्रदय से मेरे तेरे का भेद नष्ट हो जाता है। वह हमेशा सहज ध्यान और आत्मा के आनंद में रहता है। ईश्वर प्रेम का अमृत पीता है, और दूसरों को भी सहज ध्यान का दान देता है । उसका सच्चा धर्म जागृत होता है। वह निर्विचार होकर, परमात्मा के साथ एक हो जाता है। नानक कहते हैं, ऐसी सहज अवस्था प्राप्त किए हुए व्यक्ति के लिए वे अपने प्राणों की आहुति देने को भी तैयार हैं।

गुरु नानक एवं मानव सूक्ष्म तंत्र

गुरु नानक ने धूप, कमल, शिव–शक्ती, त्रिकुटी, अनहद, बज्र–कपाट, इड़ा–पिंगला–सुषुम्ना शब्दों का प्रयोग किया है। निम्नलिखित कुछ दोहे हैं, जिनमें उन्होंने मानव के सूक्ष्म तंत्र का उल्लेख किया है और सुषुम्ना नाड़ी का जो मध्यम मार्ग है उसके बारे में तो कई बार लिखा है ।

१. सुन निरंतर सहज समाधि तिह घर जाए तो मिटे उपाधि।

सहज समाधि का तात्पर्य निरंतर शून्य में रहने से है, जो प्राणी वहां तक पहुंच जाता है उसके सारे कष्ट दूर हो जाते हैं।

२. सुखमन महल करें जो डेरा। ताको भवजल बहर ना फेरा।।

जो प्राणी सुषुम्ना नाड़ी में चला जाता है, वह अमर हो जाता है। उसे जन्म मरण में नहीं आना पड़ता। अर्थात मुक्ति का मार्ग सुषुम्ना से होकर ही जाता है।

३. मेर दंड की विखमी वाट, गुरु बिन कौन बनावे बाट।
इसी घाटी जो उतरे कोय, ताको जन्म मरण ना होय।।

सुषुम्ना का मार्ग बहुत दुर्गम है, इसे केवल गुरु ही बता सकता है और जो इस दुर्गम घाटी को पार कर लेता है उसका जन्म मरण का फेर समाप्त हो जाता है।

४. गगन सरोवर कवल विगास। भंवरा उरझ रहीयो तिह वास।।

सहस्रार खुलने पर कमल खिल जाता है तो प्राण रूपी भ्रमर उस में निवास करता है।

सहज योग की प्राप्ति व अनुभव

गुरु ग्रन्थ साहिब में लिखा है:

काहे रे बन खोजन जाई ।।
सरब निवासी सदा अलेपा तोही संगि समाई ।।१ ।।रहाउ ।।
पुहप मधि जिउ बासु बसतु है मुकर माहि जैसे छाई ।।
तैसे ही हरि बसे निरंतरि घट ही खोजहु भाई ।।
बाहरि भीतरि एको जानहु इहु गुर गिआनु बताई ।।।।२।।१।।
(गुरबानी – ६८४)

अर्थात

हे मानव! तुझे प्रभु की खोज के लिए जंगलों में भटकने की क्या आवश्कता है पी तो सभी में निवास करता हुआ भी, सदा निर्लिप्त है । जिस तरह फूलों में सुगन्ध एवं दर्पण में हमारी परछाई छिपी है । उसी प्रकार वह परमात्मा भी तुम्हारे संग, तुम्हारे ही अंतर में छिपा हुआ है । उस परमात्मा की खोज भी अपने अंतर में ही करो । जो कुछ भी बाहरी जगत में कि हैं,जो आनंद हमें भौतिक जगत में प्राप्त होता है, उसका वास्तविक रूप तो हमारे ही आंतरिक जगत में छिपा हुआ है।

अब प्रश्न उठता है यदि ईश्वर हमारे भीतर भी और बाहर भी विद्यमान है तो क्या उस से सम्बन्ध जोड़ा जा सकता है। हमने ईश्वर को कभी देखा नहीं है, केवल उसके बारे में सुना है। इस गहन एवं सूक्ष्म प्रश्न को सुलझाने के लिए परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने ५ मई १९७० को सहज योग की स्थापना की, जिस के माध्यम से विश्व के आध्यात्मिक इतिहास में यह पहली बार संभव हुआ है कि हम अपनी शुद्ध इच्छा से परमात्मा से एकाकारिता प्राप्त कर सकते हैं।

जब सुषुम्ना मार्ग के द्वारा कुंडलिनी जागृत होती है, तो वह चक्रों को पोषित करती हुई, हमें परमात्मा के दिव्य प्रेम की सर्वव्यापी शक्ति से जोड़ देती है और हमें सहज समाधी की स्थिति प्राप्त होती है, जिसका उल्लेख बार बार श्री गुरु ग्रन्थ साहिब में किया गया है । कुंडलिनी जागरण और चक्रों के पोषण का एक महत्वपूर्ण लाभ यह होगा कि व्यक्ति में एक आंतरिक संतुलन आएगा और वह स्वस्थ हो जाएगा। जब कुंडलिनी का जागरण होता है तो आप निर्विचार समाधि में चले जाते हैं तब आप अंदर से एकदम शांत हो जाते हैं।

सिख धर्म के उपदेशों का अंतिम उद्देश्य मन की सहज अवस्था को प्राप्त करना है। एक स्थिति जो पूर्ण संतुलन है, प्राकृतिक और सहज है। एक ऐसी स्थिति जिसमें ईश्वरीय इच्छा और हमारे कर्म एक–दूसरे के पूर्ण सामंजस्य में होते हैं। । हर धर्म के शास्त्नों में इस सत्य को अलग अलग तरह से परिभाषित कर, स्पष्ट किया गया है कि सुगम जीवन, अंतस की शांति और विश्व शांति के लिए मानव को आत्मसाक्षात्कार अथवा योग प्राप्त कर ही यह संभव है।

सिख धर्म की एक अनूठी विशेषता है, पवित्र शास्त्र गुरू ग्रन्थ साहिब का पालन और पूजा करना। लेकिन जैसा की ऊपर लिखे दोहों से स्पष्ट है कि परमात्मा को अपने अंदर ही खोजना है और सहज योग अपने अंतर को ईश्वर की सर्वव्यापी शक्ति से जोड़ने का एकमेव मार्ग है।

सहज योग आज का महायोग

मानव का सूक्ष्म तंत्र